राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 कमला हैरिस ने ट्रंप को एक और बहस की चुनौती दी

जब रणबीर और आलिया दोस्त बने तो करण जौहर ने उनके रिश्ते को....... 12

वर्ष : 15 | अंक : 163 | नई दिल्ली, सोमवार, 23 सितम्बर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

संसद 23 और 24 सितंबर को 10 वें सीपीए भारत क्षेत्र सम्मेलन की मेजबानी करेगी

नई दिल्ली, 10वां राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र सम्मेलन 23 और 24 सितंबर 2024 को संसद भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, जो सीपीए भारत क्षेत्र के चेयरपर्सन भी हैं, इस सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के विधानमंडलों के 46 पीठासीन अधिकारीझ4 सभापति, 25 अध्यक्ष, 3 उपसभापति, 14 उपाध्यक्ष अपने राज्य के प्रधान सचिवों/सचिवों और अन्य अधिकारियों के साथ सम्मेलन में भाग लेंगे। सम्मेलन से पहले सीपीए भारत क्षेत्र की कार्यकारी समिति की बैठक होगी। सम्मेलन का विषय है सतत और समावेशी विकास की प्राप्ति में विधायी निकायों की भूमिका। सीपीए भारत क्षेत्र का गठन 2004 में हुआ था। यह उन नौ सीपीए क्षेत्रों में शामिल है, जिन्हें तत्कालीन सीपीए एशिया क्षेत्र में से गठित किया गया था। इसमें भारत की संसद और 30 राज्य/संघ शासित प्रदेशों के विधानमंडलों सहित कुल 31 सदस्य शाखाएँ हैं। सीपीए इंडिया क्षेत्र सम्मेलन दूसरी बार नई दिल्ली में आयोजित किया जा रहा है।

विश्व गैंडा दिवस के अवसर पर गैंडों की रक्षा की अपनी प्रतिबद्धता दोहराएं: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व गैंडा दिवस के मौके पर गैंडों की रक्षा के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और उनके संरक्षण में शामिल लोगों के प्रयासों की सराहना की। वश्व गैंडा दिवस हर वर्ष 22 सितंबर को मनाया जाता है जिसमें गैंडों के संरक्षण के लिए वैश्विक प्रयासों को रेखांकित किया जाता है। मोदी ने एक्स पर लिखा, आज विश्व गैंडा दिवस पर, आइए हम अपने ग्रह के सबसे विशिष्ट जीवों में से एक झ गैंडों की रक्षा की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराएं। पिछले कई वर्षों से गैंडों के संरक्षण के प्रयासों में शामिल सभी लोगों को बधाई। उन्होंने कहा, ह्यह्ययह बहुत गर्व की बात है कि भारत में बड़ी संख्या में एक सींग वाले गैंडे रहते हैं। मुझे असम में काजीरंगा की अपनी यात्रा भी याद आती है और मैं आप सभी से वहां भी जाने का आग्रह करता हूं।

क्वाड शिखर सम्मेलन में चर्चा फलदायी रही : मोदी

डेलावेयर/नई दिल्ली, एजेसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री पीएम एंथनी अल्बानी और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के साथ क्वाड शिखर सम्मेलन में चर्चा फलदायी रही और इस बात पर केंद्रित रही कि क्वाड वैश्विक भलाई के लिए कैसे काम करता रह सकता है।

श्री मोदी ने शनिवार को डेलावेयर में क्वाड शिखर सम्मेलन पर एक्स पर एक पोस्ट में कहा 'डेलावेयर के विलमिंगटन में आज के शिखर सम्मेलन के दौरान क्वाड नेताओं से मिलकर खुशी हुई। चर्चा फलदायी रही जिसमें इस बात पर ध्यान केंद्रित किया गया कि क्वाड वैश्विक भलाई के लिए कैसे काम करता रह सकता है। हम स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन और क्षमता निर्माण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में एक साथ काम करते रहेंगे।'

एक बयान में कहा गया है कि श्री मोदी ने श्री बाइडेन की मेजबानी में डेलावेयर के विलमिंगटन में छठे क्वाड नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

श्री मोदी ने अपने संबोधन में शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने और वैश्विक भलाई के लिए क्वाड को एक ताकत के रूप में मजबूत करने की उनकी व्यक्तिगत प्रतिबद्धता के लिए श्री बाइडेन को धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसे समय में जब दुनिया तनाव और संघर्षों से ग्रस्त है साझा लोकतांत्रिक लोकाचार और मूल्यों के साथ क्वाड भागीदारों का एक साथ आना मानवता के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समूह कानून के शासन, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए प्रतिबद्धता के साथ अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने के लिए खड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि एक स्वतंत्र, खुला, समावेशी और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्वाड भागीदारों का साझा उद्देश्य था। उन्होंने रेखांकित किया कि क्वाड यहां रहने, सहायता करने, साझेदारी करने और हिंद-प्रशांत देशों के प्रयासों को पूरक बनाने के लिए है।

यह दोहराते हुए कि क्वाड 'वैश्विक भलाई के लिए एक ताकत' बना हुआ है।

सम्मेलन में नेताओं ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र और समग्र रूप से वैश्विक समुदाय की विकास प्राथमिकताओं को संबोधित करने के लिए निम्नलिखित घोषणाएँ कीं। इन घोषणाओं में 'क्वाड कैंसर मूनशॉट', गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का मुकाबला करके हिंद-प्रशांत क्षेत्र में जीवन बचाने के लिए एक अभूतपूर्व साझेदारी, 'हिंद-प्रशांत में प्रशिक्षण के लिए समुद्री पहल' (एमएआईटीआई) हिंद-प्रशांत भागीदारों को आईपीएमडीए और अन्य क्वाड पहलों के माध्यम से प्रदान किए गए उपकरणों को अधिकतम करने में सक्षम बनाने के लिए, इंटरऑपरेबिलिटी में सुधार और समुद्री सुरक्षा को आगे बढ़ाने के लिए 2025 में पहली बार 'क्वाड-एट-सी शिप ऑब्जर्वर मिशन।' भविष्य की साझेदारी के क्वाड पोर्ट जो इंडो-पैसिफिक में टिकाऊ और लचीले बंदरगाह बुनियादी ढांचे के विकास का समर्थन करने के लिए क्वाड की सामूहिक विशेषज्ञता का उपयोग करेगा।

घोषणाओं में क्षेत्र और उससे आगे 'डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के विकास और तैनाती के लिए क्वाड सिद्धांत।' क्वाड की सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखलाओं की लचीलापन बढ़ाने के लिए ृसेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला आकस्मिकता नेटवर्क सहयोग ज्ञापन।' इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में उच्च दक्षता वाले किफायती शीतलन प्रणालियों की तैनाती और विनिर्माण सहित ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक क्वाड प्रयास, चरम मौसम की घटनाओं और जलवायु प्रभाव की अंतरिक्ष-आधारित निगरानी के लिए खुले विज्ञान की अवधारणा का समर्थन करने के लिए मॉरीशस के लिए भारत द्वारा एक अंतरिक्ष-आधारित वेब पोर्टल की स्थापना, भारत द्वारा घोषित क्वाड एसटीईएम फेलोशिप के तहत एक नई उप-श्रेणी, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के छात्रों के लिए भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित तकनीकी संस्थान में चार वर्षीय स्नातक स्तर के इंजीनियरिंग कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए शामिल है।

नेताओं ने 2025 में भारत द्वारा क्वाड शिखर सम्मेलन की अगली मेजबानी का स्वागत किया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि क्वाड क्षेत्र की विकास प्राथमिकताओं में सहायता करना जारी रखेगा और सतत विकास के कार्यान्वयन में तेजी लाएगा।

पोस्ट में कहा गया 'क्वाड झ वैश्विक भलाई के लिए एक ताकत, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन, जापान के प्रधानमंत्री किशिदा और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री अल्बोएमपी के साथ क्वाड लीडर्स समिट में भाग लिया।

'प्रधानमंत्री ने स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत के लिए क्वाड सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। क्वाड क्षेत्र की विकास प्राथमिकताओं में सहायता करना जारी रखेगा और सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन में तेजी लाएगा।

आतंकवाद के खात्मे तक पाकिस्तान के साथ कोई वार्ता नहीं: अमित शाह

नौशेरा, एजेसी

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आतंकवाद पर सख्त रुख अख्तियार करते हुए कहा है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकी हों या कोई पत्थरबाज, उससे कड़ाई से निपटेंगे। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खत्म होने तक पाकिस्तान के साथ कोई बातचीत नहीं होगी। अमित शाह ने रविवार को जम्मू-कश्मीर भाजपा के अध्यक्ष रविंदर रैना के समर्थन में नौशेरा में एक चुनावी जनसभा में कहा कि वह प्रदेश के युवाओं से बात करना चाहेंगे, जिन्हें उन्होंने शेर कहा। उन्होंने कहा कि एनसी-कांग्रेस गठबंधन पत्थरबाजों और आतंकियों को रिहा करना चाहता है जैसा कि उनके घोषणापत्र में वादा किया है पर हम ऐसा होने नहीं देंगे। फारूक अब्दुल्ला जम्मू की पहाड़ियों में आतंकवाद के फिर से पनपने की बात कर रहे हैं लेकिन वे उन्हें बताना चाहते हैं कि यह मोदी सरकार है और हम आतंकवाद को पाताल में दफना देंगे। किसी भी आतंकी या पत्थरबाज को रिहा नहीं किया जाएगा। गृहमंत्री शाह ने कहा कि एनसी और कांग्रेस पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए जोर दे रहे हैं। वे फारूक अब्दुल्ला और राहुल गांधी से कहना चाहते हैं कि जब तक आतंकवाद का सफाया नहीं हो जाता तब तक पाकिस्तान के साथ कोई वार्ता नहीं होगी। शाह ने कहा कि वे अपने शेरों (जम्मू-कश्मीर के युवाओं) से बात करेंगे, पाकिस्तान से नहीं। सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासियों की सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा वर्षों से बनाए गए भूमिगत बंकरों का जिक्र करते हुए गृहमंत्री ने कहा कि ऐसे ढांचे की कोई जरूरत नहीं होगी क्योंकि सीमा पार से किसी के पास गोली चलाने की ताकत नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर वे गोली चलाते हैं तो हम गोले से जवाब देंगे। शाह ने आरक्षण पर एनसी-कांग्रेस नेताओं की टिप्पणी की भी आलोचना की और कहा कि पहाड़ी, गुज्जर, दलित, अन्य पिछड़े वर्गों सहित वंचित वर्गों को दिए जाने वाले आरक्षण को किसी को भी छूने की इजाजत नहीं दी जाएगी। राहुल गांधी अमेरिका में कह रहे हैं कि आरक्षण की कोई जरूरत नहीं है। वे उनसे कहना चाहते हैं कि आपको योग्य समुदायों के लिए आरक्षण खत्म करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

तिरुपति मंदिर प्रसाद विवाद : पवन कल्याण ने 11 दिन की प्रायश्चित दीक्षा शुरू की

अमरावती, एजेसी

आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने तिरुमाला प्रसादम लड्डू में पशु चर्बी की कथित मिलावट के लिए रविवार को गुंटूर जिले के एक मंदिर में अपनी 11 दिवसीय ह्यप्रायश्चित दीक्षाह्ल शुरू की। पवन कल्याण ने गुंटूर जिले के नंबूर में श्री दशावतार वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पुजारियों द्वारा आयोजित पूजा और अनुष्ठान के बाद उपवास शुरू किया। अभिनेता से नेता बने पवन कल्याण ने कहा कि दीक्षा के बाद वह तिरुमाला में भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी का आशीर्वाद लेंगे। साथ ही ईश्वर से विनती करेंगे कि उन्हें पूर्व शासकों के पापों का प्रायश्चित करने की शक्ति प्रदान करें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वह लड्डू प्रसादम में मछली और पशु चर्बी से मिलावटी घी इस्तेमाल किए जाने से दुखी हैं और इसलिए उन्होंने ह्यप्रायश्चित दीक्षाह्ल करने का फैसला लिया। दीक्षा शुरू करने से पहले दिए गए एक बयान में जन सेना के नेता पवन कल्याण ने कहा, ह्लहे, बालाजी भगवान! क्षमा करें प्रभु। तिरुमाला लड्डू प्रसाद जिसे अत्यंत पवित्र माना जाता है, वह प्रसाद पिछले शासकों की अनियंत्रित प्रवृत्ति के कारण अपवित्र हो गया था। पशु वसा के अवशेषों से दूषित हो गया था। ऐसे पाप क्रूर सोच वाले ही करते हैं। इस पाप को शुरूआत में न पहचान पाना हिंदू जाति पर कलंक की मानिंद है। उन्होंने कहा, ह्लजब मुझे पता चला कि लड्डू प्रसादम में पशु की चर्बी है, तो मेरा मन बहुत विचलित हो गया। मैं छला हुआ महसूस करने लगा। मैं जन कल्याण के लिए लड़ रहा हूं। मुझे दुख इस बात का हुआ कि शुरूआत में ऐसी समस्या मेरे ध्यान में नहीं आई। सनातन धर्म के प्रत्येक अनुयायी को कलयुग के देवता भगवान बालाजी के साथ हुए इस घोर अन्याय के लिए प्रायश्चित करना चाहिए। इसी के तहत मैंने प्रायश्चित के लिए दीक्षा लेने का फैसला किया है। पवन कल्याण ने आगे कहा कि केवल वे लोग ही ऐसा जघन्य अपराध कर सकते हैं, जिनका ईश्वर में विश्वास नहीं होता है और पाप कर्म का कोई भय नहीं होता है। मेरा दुख यह है कि बोर्ड के सदस्य और कर्मचारी जो तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम सिस्टम का हिस्सा हैं, वे भी वहां की गलतियों का पता नहीं लगा पाते हैं। यदि उन्हें पता चलता भी है, तो वे इसके बारे में बात नहीं करते हैं। ऐसा लगता है कि वे उस समय के राक्षसी प्रवृत्ति वाले शासकों से डरते थे उन्होंने यह भी कहा था, साक्षात बैकुंठ धाम माने जाने वाले तिरुमाला की पवित्रता, शिक्षाशास्त्र और धार्मिक कर्तव्यों की निंदा करने वाले पिछले शासकों के व्यवहार ने हिंदू धर्म का पालन करने वाले सभी लोगों को आहत किया है। इस बात पर भी मन अत्यंत व्याकुल है कि लड्डू प्रसाद बनाने में जानवरों की चर्बी वाले घी का इस्तेमाल किया गया था। धर्म की पुनर्स्थापना की दिशा में कदम उठाने का समय आ चुका है।

जम्मू-कश्मीर: आरएस पुरा में सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश को किया नाकाम, भारी मात्रा में हथियार बरामद

जम्मू, एजेसी

जम्मू जिले के आरएस पुरा सेक्टर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है। सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद भी किए हैं। सीमा सुरक्षा बल की ओर से जारी बयान के अनुसार, ह्लमध्य रात्रि में सतर्क बीएसएफ के जवानों ने संदिग्ध गतिविधि देखी। उन्होंने एक घुसपैठिये को आरएस पुरा सीमा क्षेत्र में बीएसएफ बाड़ की ओर आते देखा, इसके बाद जवानों ने घुसपैठ के प्रयास को विफल कर दिया। बयान के अनुसार, सुरक्षाबलों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है, जिसमें दो पिस्तौल, दो मैगजीन, 20 9एमएम राउंड, एक एके राइफल, दो मैगजीन और 17 राउंड शामिल हैं। विधानसभा चुनावों के मद्देनजर नियंत्रण रेखा और अंतरराष्ट्रीय सीमा सहित केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। तीन चरणों में से एक चरण का चुनाव हो चुका है और दो का होना बाकी है। मतगणना 8 अक्टूबर को होगी। हाल के दिनों में जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच कई मुठभेड़ें हुई हैं, जिनमें कई आतंकवादी और उनके कमांडर मारे गए हैं। पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ बढ़ाने के लिए सर्दियों के आने और बर्फबारी से दर्रे बंद होने से पहले हथियारों की खेप भेजने की कोशिश कर रहा है। जम्मू में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए हथियार गिराने की भी कई घटनाएं हुई हैं। बीएसएफ के जवानों ने हाल के दिनों में हथियारों के कई जखीरे बरामद किए हैं और सीमा पार आतंकवादियों और उनके आकाओं के मंसूबों को नाकाम किया है। सेना, नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिशों को रोकने के लिए सतर्क है, लेकिन आतंकवादी अब पहले के शांत क्षेत्रों जैसे चिनाब घाटी, उधमपुर और कठुआ को निशाना बना रहे हैं जो कुछ साल पहले तक आतंकवाद से मुक्त थे। आतंकवादी वाहनों पर घात लगाकर हमला कर रहे हैं तथा ग्रेनेड और कवच-भेदी गोलियों के साथ-साथ एम4 असॉल्ट राइफलों का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। कश्मीर में लगातार जारी आतंकवाद विरोधी अभियानों ने आतंकवादियों को पहाड़ों की ओर धकेल दिया है।

शुभारंभ — प्रधानमंत्री ने गुजरात के सूरत में जल संचय जनभागीदारी पहल के शुभारंभ किया............

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन से मुलाकात की, एजेंडे में रूस-यूक्रेन संघर्ष शामिल

विलमिंगटन, एजेसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां क्वाड शिखर सम्मेलन से इतर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात की और दोनों नेताओं के बीच रूस-यूक्रेन संघर्ष सहित कई मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एक महत्वपूर्ण यात्रा की विशेष शुरूआत। राष्ट्रपति जो बाइडन ने ग्रीनविले, डेलावेयर में अपने आवास पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। डेलावेयर के विलमिंगटन में स्थित बाइडन के आवास पर बैठक के दौरान, दोनों नेता भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए नए तरीकों की समीक्षा और पहचान करेंगे। बाइडन ने अपने आवास पर मोदी का स्वागत किया और दोनों नेता एक दूसरे से गले मिले। इसके बाद बाइडन मोदी का हाथ पकड़कर उन्हें अपने घर के अंदर लेकर गए। इधर, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ह्यएक्सह्ल पर एक पोस्ट में कहा, एक अहम यात्रा की गर्मजोशी से और खास शुरूआत। एक विशेष भाव के तहत जो बाइडन ने अपने आवास पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मेजबानी की। द्विपक्षीय बैठक से पहले ग्रीनविले, डेलावेयर में जो बाइडन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन के अनुसार, द्विपक्षीय बैठक में युद्ध और मोदी की हालिया यूक्रेन यात्रा पर प्रमुखता से चर्चा होने की उम्मीद है। मोदी ने अमेरिका के लिये रवाना होने से पहले दिल्ली में अपने वक्तव्य में कहा था, राष्ट्रपति बाइडन के साथ मेरी बैठक हमें अपने लोगों के लाभ और वैश्विक भलाई के लिए भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए, नए तरीकों की समीक्षा करने और उनकी पहचान करने का मौका देगी। मोदी के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर, विदेश सचिव विक्रम मिस्री और अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा भी मौजूद हैं। अमेरिकी दल में विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, राष्ट्रीय सुरक्षा मामलों के लिए राष्ट्रपति के सहायक टी एच जेक सुलिवन और भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गासेर्टी शामिल हैं। अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा पर यहां आए मोदी ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। दोनों नेता क्वाड शिखर सम्मेलन के शिरकत करने के लिए यहां आए हैं। राष्ट्रपति बाइडन अपने गृहनगर विलमिंगटन में वार्षिक क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहे हैं। उम्मीद है कि इस बैठक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न नई पहल की शुरूआत की जाएगी। इसके अलावा यूक्रेन और गाजा में संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान खोजने के तरीके तलाशे जाएंगे। चार सदस्यीय क्वाड एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बनाए रखने की वकालत करता है। चीन इसे विरोधी समूह के रूप में देखता है। दिल्ली से अमेरिका रवाना होने के समय मोदी ने कहा कि वह क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए अपने सहयोगियों राष्ट्रपति जो बाइडन, प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा के साथ शामिल होने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, यह मंच हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए काम करने वाले समान विचारधारा वाले देशों के एक प्रमुख समूह के रूप में उभरा है। इससे पहले, भारतीय प्रवासियों के एक बड़े समूह ने फिलाडेल्फिया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मोदी का स्वागत किया। मोदी ने पारंपरिक परिधान पहने लोगों के समूह का अभिवादन किया, जिनमें से कई लोगों ने भारतीय तिरंगा थाम रखा था। वह सुरक्षा घेरे में चले, उनमें से कुछ को ऑटोग्राफ दिए और कुछ अन्य से हाथ मिलाया। मोदी ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में कहा, फिलाडेल्फिया में जोरदार स्वागत! हमारे प्रवासी समुदाय के आशीर्वाद को हम बहुत संजोकर रखते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, भारतीय समुदाय ने अमेरिका में अपनी अलग पहचान बनाई है और विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव डाला है। उनके साथ बातचीत करना हमेशा खुशी की बात होती है। आइये उन बंधनों का जश्न मनाएं जो हमारे देशों को जोड़ते हैं! विलमिंगटन से मोदी न्यूयॉर्क जाएंगे जहां वह 22 सितंबर को लॉन्ग आइलैंड में भारतीय समुदाय के एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके अगले दिन उनका संयुक्त राष्ट्र महासभा के एक सम्मेलन में हिस्सा लेने का कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री के अन्य कार्यक्रमों में लॉन्ग आइलैंड में भारतीय प्रवासी समुदाय के एक कार्यक्रम मं शामिल होना तथा कृत्रिम बुद्धिमता, क्वांटम कंप्यूटिंग और सेमीकंडक्टर जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों पर काम कर रही अमेरिकी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ एक गोलमेज बैठक में भाग लेना शामिल है।

साढ़े सात वर्षों में 7015 कुख्यात अपराधियों पर 'गरजी' योगी की एसटीएफ, 49 मुठभेड़ में ढेर

लखनऊ, एजेसी

22 सितंबर (वेब वार्ता)। योगी सरकार प्रदेश में 'जीरो टॉलरेंस नीति' के तहत अपराध और अपराधियों की लगातार कमर तोड़ रही है। इसी के तहत यूपीएसटीएफ ने प्रदेश के दुर्दांत अपराधियों, अवैध नशे के सौदागरों, हथियार तस्करों, साइबर अपराधियों समेत परीक्षा माफिया के खिलाफ ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने पिछले साढ़े सात वर्षों में प्रदेश में 7 हजार से अधिक कुख्यात और इनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जबकि 49 कुख्यात अपराधियों को मुठभेड़ में मार गिराया है। वहीं, बड़ी मात्रा में अवैध हथियार, नशीला पदार्थ, प्रतिबंधित जानवरों की खाल व हड्डियां भी बरामद की हैं। इसके अलावा, एसटीएफ ने अपनी सूझबूझ से 559 से अधिक अपराधिक घटनाओं को घटित होने से पहले ही रोककर अपराधियों की योजना को नाकाम कर दिया। 559 से अधिक हत्या, अपहरण और लूट की घटनाओं को घटित होने से पहले रोका गया एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप, प्रदेश में अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए एसटीएफ की ओर से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में, एसटीएफ ने पिछले साढ़े सात वर्षों में कुल 7,015 कुख्यात और इनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया है जबकि इस दौरान 49 अपराधी मारे गये। इन सभी पर 10 हजार से लेकर 5 लाख का इनाम घोषित था। इसके अलावा, जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सजगता और सतर्कता के फलस्वरूप 559 से अधिक अपराधिक घटनाओं को घटित होने से पहले रोका गया। इसमें जनप्रतिनिधि, प्रतिष्ठित व्यक्ति, आम नागरिकों के अपहरण, लूट, हत्या जैसे अपराध की घटनाएं शामिल हैं। इसके साथ ही 3970 संगठित अपराधियों को अरेस्ट किया गया। पेपर लीक में लिप्त 193 गिरोह के 926 सरगना व सॉल्वरों के खिलाफ की गई कार्रवाई मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एसटीएफ ने पिछले साढ़े सात वर्षों में परीक्षाओं में नकल और पेपर लीक जैसी धांधली को रोकने एवं जड़ से खत्म करने के लिए 193 गिरोहों के 926 सरगना और साल्वरों के खिलाफ कार्रवाई की। एसटीएफ की इस कार्रवाई से युवाओं में योगी सरकार की साख बढ़ी है। वहीं, साइबर अपराधों में लिप्त 379 साइबर अपराधियों को भी दबोचा गया है। इसके अलावा, अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाकर 189 अपराधियों की गिरफ्तारी कर उनके कब्जे से 2080 अवैध शस्त्र और 8229 अवैध कारतूस बरामद किये गये हैं। एसटीएफ ने अवैध शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पंजाब, हरियाणा समेत कई राज्यों से शराब की तस्करी करने वाले 523 शराब तस्करों को गिरफ्तार कर उनसे 80579 पेटी शराब, 330866 लीटर रेक्टिफाइड स्प्रिंट और 7560 लीटर तैयार देशी शराब बरामद की गयी है। अवैध नशे के 1083 सौदागरों को किया गया अरेस्ट, 6.1 किलो ब्राउन शुगर बरामद एसटीएफ के डिप्टी एसपी दीपक सिंह ने बताया कि एजेंसी ने मादक पदार्थों के अवैध व्यवसाय में लिप्त 1082 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके पास से 91147.48 किलो गांजा, 2054.651 किलो चरस, 19727.1 किलो डोडा/पोस्ता, 7.06 किलो मॉरफीन, 723.758 किलो स्मैक, 21.521 किलो हेरोइन, 181.012 किलो अफीम, 6.1 किलो ब्राउन शुगर, 6.938 किलो मैथाड्रोन और 280899 अदद प्रतिबंधित नशीली दवाएं बरामद की गयी। इस दौरान मादक पदार्थों के परिवहन में प्रयुक्त वाहनों की भी बरामदगी करते हुए उचित कार्रवाई की गई। वहीं, प्रतिबन्धित वन्य जीवों का शिकार कर उनकी तस्करी करने वाले विभिन्न गिरोह के 170 अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 341 किलो कछुआ कैलीपी, 2 पैंगोलिन, 1 बाघ की खाल, 18 किग्रा बाघ की हड्डी, 2 अदद हाथी दांत, 8011 कछुए, 4922 प्रतिबंधित पक्षी, 1 लकड़बग्धे का कंकाल, 20 अदद ग्रे लंगूर, 1 तेंदुए की खाल, 4.12 किलो अम्बरगेरिस, 1 पैंगोलीन स्कलप, 4 जंगली शूकर के दाँत, 563.1 किग्रा लाल चन्दन की लकड़ी, 44 हाथी दांत से बनी वस्तुएं, 25 अदद तेंदुए के दांत, 24 अदद तेंदुए के नाखून, 110 सियार सिंगी, 140 इंद्रजाल के पेड़, 1 बाघ का ढांचा, 1 अजगर और 1 स्नेक बरामद किया गया। वहीं, इनके लिए प्रयुक्त किये जाने वाले वाहन, नगद धनराशि आदि की भी बरामदगी की गयी। इस दौरान एसटीएफ ने कुल 2670 सराहनीय कार्य किये।

संक्षिप्त समाचार

वाल्मीकि प्रकट दिवस समारोह समिति के रवि बने अध्यक्ष

काशीपुर, एजेंसी। वाल्मीकि प्रकट दिवस समारोह समिति की बैठक में समिति का गठन किया गया। मोहल्ला महेशपुरा स्थित वाल्मीकि सभा भवन में बैठक की अध्यक्षता प्रेम कठैर व संचालन महेश वरदान ने किया। इस दौरान सर्वसम्मति से रवि बेदी को वाल्मीकि प्रकट दिवस समारोह समिति-2024 का अध्यक्ष मनोनीत कर उन्हें कमेटी गठन करने का अधिकार दिया गया। कमेटी अध्यक्ष ने उत्तराखंड सफाई कर्मचारी आयोग के सदस्य हर्ष रत्नाकर को उपाध्यक्ष, महेश वरदान को सचिव, नरेश पहलवान को उप सचिव, राजेश सौदा को कोषाध्यक्ष व हिमांशु गौरव को उप कोषाध्यक्ष मनोनीत किया। बैठक में तय हुआ गठित कमेटी अगले पांच वर्ष तक काम करेगी। 17-18 अक्तूबर को वाल्मीकि प्रकट दिवस समारोह धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। यहां पर सरपंच डीपी रत्नाकर, महेंद्र बेदी, जितेंद्र देवांतक, महेश वरदान, आरबी सिंह, हरकेश चौधरी, सुमित सौदा, राजीव कुमार, विनय चौधरी, अमित टांक, अजय बन्नू आदि मौजूद रहे।

लोहा व्यापारी की दुकान से डेढ़ लाख की नकदी व सामान चोरी

काशीपुर, एजेंसी। लोहा व्यापारी की दुकान से चोर गल्ला तोड़कर उसमें रखी लाखों की नकदी समेत अन्य कीमती सामान चुराकर ले गए। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं पीड़ित ने पुलिस को तहरीर सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

रेलवे स्टेशन रोड पर मैसर्स विशंभर सरन विनोद कुमार (बाबू लोहे वाले) के नाम से दुकान है। बीती रात चोर दुकान के पीछे की दीवार फांदकर अंदर घुसे। चोर दुकान के ऑफिस में गल्ला तोड़कर उसमें रखे लगभग डेढ़ लाख रुपये, 20 किलो पीतल का सामान, सीसीटीवी, डीवीआर चोरी कर ले गए। शनिवार सुबह लगभग आठ बजे जब दुकान स्वामी निकुंज अग्रवाल अपने प्रतिष्ठान पर पहुंचे और दुकान खोली तो देखा सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा हुआ था। ऑफिस का गल्ला टूटा हुआ था और उसमें रखे लगभग डेढ़ लाख रुपये गायब थे। उन्होंने घटना की सूचना एसपी अभय सिंह को दी। सूचना मिलने पर एसपी व एसएसआई सतीश कुमार शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल की। इस दौरान दुकान स्वामी ने बताया इससे पहले भी इस मार्ग पर होटल व स्कूल में चोरी हो चुकी है। वहीं पीड़ित ने पुलिस को तहरीर सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। एसपी ने बताया कि पुलिस घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी खंगाल रही है।

सीएम के सामने उठाया किच्छा के भूमिहीनों का मामला

रुद्रपुर, एजेंसी। पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने किच्छा क्षेत्र के भूमिहीन और विस्थापित परिवारों की समस्याओं को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सामने उठाया है। शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में सीएम से मिले शुक्ला ने किच्छा के बेदी मोहल्ला, पंतनगर के संजय कॉलोनी, इंदिरा कॉलोनी, मस्जिद कॉलोनी, किच्छा पुलभट्टा बंगाली कॉलोनी और बंडीया चौराहे से उजाड़े गए परिवारों की दिक्कतों को उठाते हुए ग्राम धाधा या खुरपिया में भूमि आवंटन करने और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि वर्षों से ये परिवार अपने हक के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बेघर हुए लोगों को न्याय मिलना चाहिए। पूर्व विधायक ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस मामले में उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया है। जो लोग लंबे समय से स्थायी आवास की प्रतीक्षा में हैं। उनको घर मिलने की उम्मीद जाग गई है। सीएम के सकारात्मक रुख से इन परिवारों का भविष्य सुरक्षित होने की आस जगी है।

जवाहर नगर में दसवीं की छात्रा की संदिग्ध मौत

पंतनगर, एजेंसी। स्वतंत्रता सेनानी ग्राम जवाहर नगर में शनिवार को एक किशोरी की संदिग्धावस्था में मौत हो गई जिससे परिजन शोक के साथ सकते में हैं कि ऐसा क्या हो गया अच्छी खासी हंसती खेलती बच्ची दुनिया से विदा हो गई। लालपुर स्थित महिंद्रा कंपनी में नियमित कर्मचारी रामजी यादव जवाहर नगर की कृष्ण विहार कालोनी में मकान बनाकर सपरिवार रहते हैं।

नैनीझील में दिखा जलक्रीड़ा का रोमांच : 5वें राज्य ओलंपिक खेल शुरू

नैनीताल , एजेंसी। रविवार से दो दिन तक पांचवीं राज्य ओलंपिक खेलों के तहत नैनीझील में कयाकिंग, कैनोइंग व रोइंग का आयोजन किया जा रहा है। मल्लीताल में निदेशक आशुतोष बिष्ट ने दावा किया कि राज्य ओलंपिक में पहली बार नैनीझील में जलक्रीड़ा का आयोजन किया जा रहा है।

पहली बार नैनीताल में खेल प्रेमी जल क्रीड़ा का रोमांच ले सकेंगे। दो दिन तक पांचवीं राज्य ओलंपिक खेलों के तहत नैनीझील में कयाकिंग, कैनोइंग व रोइंग का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को मल्लीताल में निदेशक आशुतोष बिष्ट ने दावा किया कि राज्य ओलंपिक में पहली बार नैनीझील में जलक्रीड़ा का आयोजन किया जा रहा है। रविवार और सोमवार को झील में कयाकिंग, कैनोइंग व रोइंग का आयोजन किया जाएगा। यदि हवाओं का रुख सही रहा तो सेलिंग भी करवाई जाएगी। प्रदेश के नौ जिलों से 100 खिलाड़ी नैनीताल पहुंचकर प्रतिभाग करेंगे। प्रतियोगिता में कई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके खिलाड़ी भी प्रतिभाग कर रहे हैं। बताया कि 500 मीटर और एक किमी दूरी वाले तीनों ही जलक्रीड़ाओं में प्रतिभागी एकल व युगल रूप में प्रतिभाग करेंगे। उत्तराखंड ओलंपिक एसोसिएशन के पीआरओ प्रवीण शर्मा ने बताया रविवार सुबह साढ़े नौ बजे मुख्य अतिथि विधायक सरिता आर्य व विशिष्ट अतिथि डीएम वंदना सिंह मल्लीताल बोट हाउस क्लब के पास जलक्रीड़ाओं का शुभारंभ करेंगी।

नीती दर्रे पर बिगड़ी एनसीसी के पर्वतारोही की तबीयत, 12 किमी पैदल स्ट्रेचर पर अस्पताल लाए सेना के जवान

चमोली, एजेंसी। पर्वतारोही नंदप्रयाग नेशनल कैडेट कोर के पर्वतारोहण दल के साथ नीती दर्रे पर तैनात थे। बृहस्पतिवार की रात करीब 12 बजे उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो रही थी। नीती घाटी के सीमांत क्षेत्र में तैनात एनसीसी के पर्वतारोही की बृहस्पतिवार रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। सेना के जवानों ने रात को ही स्ट्रेचर के सहारे उन्हें करीब 12 किमी पैदल चलकर सड़क तक पहुंचाया और वहां से वाहन के जरिये सेना के अस्पताल भेजा। सेना से मिली जानकारी के अनुसार जयवीर सिंह नेगी (24) निवासी नंदप्रयाग नेशनल कैडेट कोर के पर्वतारोहण दल के साथ नीती दर्रे पर तैनात थे। बृहस्पतिवार की रात करीब 12 बजे उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो रही थी। सेना के जवानों ने रात को ही उन्हें स्ट्रेचर पर लिटाकर करीब 12 किमी की दूरी पैदल नापी और नदी-नालों व दुर्गम रास्तों को पार करते हुए उन्हें सड़क तक लेकर आए। जवानों ने उन्हें ऑक्सीजन व प्राथमिक उपचार भी दिया। इसके बाद सड़क से सेना के वाहन के जरिये उन्हें ज्योतिर्मठ स्थित सैन्य अस्पताल में पहुंचाया।

डॉक्टरों पर लगाया फर्जी मेडिकल रिपोर्ट बनाने का आरोप

रूड़की, एजेंसी। एक युवक ने एक वर्ष पूर्व हुए झगड़े के बाद बनवाया गया मेडिकल जांच में फर्जी होना बताया है। मेडिकल में गोली लगना दिखाया गया था जबकि घायल को कहीं पर भी गोली नहीं लगी थी। अब मामले में सिविल अस्पताल के कुछ चिकित्सकों समेत छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के कोर्ट से नोटिस जारी होने की बात कही है।ढ्ढ

ढ्ढगंगनहर कोतवाली क्षेत्र के कमेलपुर में पत्रकारों से वार्ता करते हुए दानिश ने बताया कि 19 जुलाई 2023 को गांव के ही कुछ लोगों ने उनके परिवार के लोगों पर हमला किया था। इसमें उनके ताऊ की तहरीर पर आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके बाद उनके विरोधियों ने भी उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया। इसमें अपने एक व्यक्ति को गोली लगना दिखाया और मामले में मेडिकल भी दर्ज किया।ढ्ढ दानिश के अनुसार उन्होंने मेडिकल रिपोर्ट को फर्जी मानते हुए सीएमओ हरिद्वार से शिकायत की। शिकायत के बाद सीएमओ ने कमेटी का गठन किया। कमेटी ने रिपोर्ट की जांच एम्स से करवाई तो वो फर्जी पाया गया।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए 26 को कर्मचारी निकालेंगे आक्रोश रैली

अल्मोड़ा, एजेंसी।
पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन जिला कार्यकारिणी की रैमजे इंटर कॉलेज सभागार में बैठक हुई। वक्ताओं ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर 26 सितंबर को जिला मुख्यालय पर आक्रोश रैली निकाल कर धरना देने का ऐलान किया। पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन जिला कार्यकारिणी की रैमजे इंटर कॉलेज सभागार में बैठक हुई। वक्ताओं ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर 26 सितंबर को जिला मुख्यालय पर आक्रोश रैली निकाल कर धरना देने का ऐलान किया। कर्मचारियों ने नारेबाजी कर विरोध भी जताया। संगठन के संरक्षक डॉ. मनोज कुमार जोशी ने सभी विभागों के कर्मचारियों से रैली में भाग लेकर सफल बनाने की अपील की। प्रदेश कोर कमेटी सदस्य धीरेंद्र कुमार पाठक ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली के लिए आर-पार का संघर्ष जरूरी है। सरकार को पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करनी चाहिए। माध्यमिक शिक्षक संघ के कोषाध्यक्ष महिपाल सिंह राजपूत ने कहा कि जब तक पेंशन बहाल नहीं होगी आंदोलन जारी रहेगा। राजकीय शिक्षक संघ के जिला मंत्री भूपाल चिलवाल ने कहा कि कर्मचारियों की उपेक्षा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

लेनदेन के विवाद में पिता-पुत्र घायल- इलाज के लिए घायलों ने इमरजेंसी के सामने लेटकर किया प्रदर्शन

ऊधम सिंह नगर, एजेंसी। लेनदेन के विवाद में घायल पिता-पुत्र सरकारी अस्पताल में भर्ती नहीं किया गया। इस पर विरोध स्वरूप घायलों ने परिजनों के साथ इमरजेंसी कक्ष के सामने लेट कर प्रदर्शन किया। बाद में सीएमएस के निर्देश पर घायलों का इलाज शुरू हो सका।

काशीपुर में लेनदेन के विवाद में घायल पिता-पुत्र सरकारी अस्पताल में भर्ती नहीं किया गया। इस पर विरोध स्वरूप घायलों ने परिजनों के साथ इमरजेंसी कक्ष के सामने लेट कर प्रदर्शन किया। बाद में सीएमएस के निर्देश पर घायलों का इलाज शुरू हो सका।

ग्राम प्रतापपुर निवासी घायल इशरत अली ने बताया कि दो साल पहले एक व्यक्ति से उसने ढेला पुल के पास करीब 30 लाख रुपये में जमीन खरीदी थी। कब्जा लेने गए तो पता लगा कि यह जमीन किसी अन्य व्यक्ति के नाम भू-अभिलेखों में दर्ज है। रुपये वापस मांगने पर विक्रेता टरकाता रहा। आरोप है कि शनिवार सुबह रकम मांगने पर उसने अपने सहयोगियों की मदद से उस पर हमला कर दिया। बीच-बचाव में आए उसके दोनों पुत्रों साहिल व माहिर पर भी हमला कर घायल कर दिया। घायलों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर एबुलेंस 108 ने घायलों को एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि अस्पताल में मौजूद डॉक्टर भर्ती करने में आना कानी करते रहे। काफी समय तक उन्हें भर्ती कराने के लिए परिजन एक से दूसरे कक्ष भटकते रहे लेकिन सफलता नहीं मिल रही थी। थक हार कर घायल इमरजेंसी कक्ष के बाहर ही लेट गए। सूचना पर बसपा नेता एमए राहुल, कांग्रेस नेता राशिद फारुकी, अफसर अली, शफीक अंसारी समेत कई लोग अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने इस संबंध में अस्पताल प्रशासन से वार्ता की। सीएमएस के निर्देश पर घायलों को काफी देर बाद अस्पताल में भर्ती कर इलाज शुरू किया गया।

बाजपुर का मंडे साप्ताहिक बाजार अब संडे को लगेगा, बनी सहमति

बाजपुर, एजेंसी। सोमवार साप्ताहिक हाट बाजार से लगने वाले जाम को लेकर एसडीएम आरसी तिवारी ने व्यापारियों सहित अन्य संगठनों की बैठक बुलाई। इस दौरान साप्ताहिक बाजार रविवार को लगाने पर सहमति बनी। फिलहाल 30 सितंबर से दो माह तक ट्रायल के रूप में रविवार को साप्ताहिक बाजार लगाया जाएगा। इसके लिए पालिका ठेकेदार को निर्देशित किया गया है। शनिवार को एसडीएम कार्यालय में पुलिस प्रशासन, नगर पालिका, राजस्व, व्यापारियों की संयुक्त बैठक का आयोजन किया। एसडीएम आरसी तिवारी ने कहा कि हल्द्वानी स्टेट हाईवे, बेरिया दौलत, रामराज रोड पर जाम से लोग परेशान रहते है। जाम में स्कूली बच्चे भी फंस जाते हैं। सोमवार साप्ताहिक बाजार रविवार के दिन लगने जाम की समस्या दूर हो सकती है क्योंकि इस दिन स्कूल और सरकारी दफ्तर भी बंद रहते हैं जिस पर व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने सहमति जताई।

मोटर मार्ग का कार्य बंद होने पर ग्रामीणों में भारी आक्रोश

अल्मोड़ा, एजेंसी। उत्तराखंड में अल्मोड़ा के पर्यटन क्षेत्र पापरशैली-भूल्यूड़ा मोटर मार्ग अधर पर लटकाने से नाराज ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता का घेराव किया। इसमें ग्रामीणों ने जल्द सड़क बनाने की मांग की है। इसी के साथ ही आक्रोशित गांव के लोगों ने शीघ्र निर्माण कार्य शुरू नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

दरअसल, भूल्यूड़ा गांव को सड़क से जोड़ने के लिए पापरशैली-भूल्यूड़ा मोटर मार्ग का निर्माण कार्य बीते 3 साल पहले शुरू किया गया था। वहीं ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए कहा कि इन बीते सालों में वन भूमि, मुआवजा और आपत्तियों के चलते लंबे समय से सड़क का काम बंद हो गया है। साथ ही ग्रामीणों का कहना है कि गांव में सड़क नहीं होने से ग्रामीणों को कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। इसके अतिरिक्त गांव में किसी व्यक्ति के बीमार होने पर व किसी भी तरह की इमरजेंसी के समय ग्रामीणों को भारी दिक्कत उठानी पड़ती है।

20 दिन में गौला पुल से हल्के वाहनों की आवाजाही शुरू कराएं : रावत

हल्द्वानी, एजेंसी। मुख्यमंत्री के सचिव और आयुक्त दीपक रावत ने एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह 24 घंटे कार्य कर अगले 20 दिन के भीतर गौला पुल से हल्के वाहनों की आवाजाही सुचारु कराएं। उन्होंने अधिकारियों से आपदा से हुई क्षति की भरपाई के लिए दीर्घकालिक योजना तैयार करने को भी कहा। रावत शनिवार को क्षतिग्रस्त गौलापुल की एप्रोच रोड और अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के पास गौला नदी से हुए भू-कटाव का निरीक्षण कर रहे थे। अधिकारियों ने आयुक्त को बताया कि गौला पुल के पास भूस्खलन से क्षतिग्रस्त हुई सड़क का लोनिवि ने स्टीमेट तैयार कर लिया है। शासन से धनराशि जारी होने पर सड़क की मरम्मत का काम शुरू करा दिया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के पास हुए भू कटाव पर सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता संजय शुक्ल ने बताया कि स्टेडियम की सेफ्टी वॉल की मरम्मत के लिए स्टीमेट बनाया गया है। आयुक्त ने कहा कि गौला में चुगान का कार्य तकनीकी सुपरविजन में कराया जाएगा ताकि नदी का फ्लो बीच में हो और भू कटाव को रोका जा सके। कहा जिस विभाग की भूमि है, भू-कटाव से बचाना उसी विभाग की प्राथमिकता है। इस दौरान वन निगम के आरएम मयंक शेखर झा, उपनिदेशक (खेल) राशिका सिद्दीकी समेत एनएचएआई के अधिकारी मौजूद रहे।

भवाली अल्मोड़ा हाईवे पर पहाड़ी से आया मलबा-बोल्डर

गरमपानी(नैनीताल), एजेंसी। झ्भवाली अल्मोड़ा हाईवे पर मलबा और बोल्डर आने से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई है।

भवाली अल्मोड़ा हाईवे पर क्वारब पुल के पास अचानक पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर सड़क पर आ गिरे। जिससे हाईवे पर यातायात ठप हो गया है।

वहीं, सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई है। इससे अल्मोड़ा से हल्द्वानी की तरफ आने जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर यातायात ठप होने की सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी गोविंदी टम्टा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने जेसीबी मशीन को मौके पर बुलाकर सड़क पर आए बोल्डर पत्थरों को हटाने का काम शुरू करवा दिया है।

प्रथम श्रेणी के प्रभावितों को कृषि भूमि के साथ मिलेगा आवासीय प्लॉट

हल्द्वानी, एजेंसी। जमरानी बांध परियोजना के प्रथम श्रेणी के प्रभावितों को पुनर्वास स्थल पर कृषि भूमि के साथ आवासीय प्लॉट दिया जाएगा। शनिवार को दमुवाढूंगा स्थित जमरानी कार्यालय में हुई बैठक में प्रभावित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने वेबकॉस कंपनी की ओर से बनाए गए मास्टर प्लान पर सहमति जताई।

वेबकॉस ने पुनर्वास के लिए दो मास्टर प्लान तैयार किए थे। पहले प्लान में प्रभावितों को एकसाथ बसाना और कृषि भूमि अगल दी जानी थी। दूसरे प्लान में कृषि भूमि के साथ आवासीय प्लॉट दिया जाना था। प्रभावित परिवार कृषि भूमि और आवासीय प्लॉट एकसाथ देने की मांग कर रहे थे। इस पर विभागीय अधिकार ने दूसरे प्लान पर सहमति दे दी है। प्रथम श्रेणी के प्रभावितों को एक एकड़ कृषि भूमि के साथ 200 वर्ग मीटर आवासीय प्लॉट दिया जाएगा। यहां जीएम प्रशांत विश्नोई, उपमहाप्रबंधक ललित कुमार बिष्ट, हिमांशु पंत, अजय पंत, नवीन पलड़िया, हरेंद्र सिंह, जीवन सिंह, दलीप सिंह आदि रहे।

पुनर्वास योजना के तहत प्रभावितों के लिए स्कूल और अस्पताल की भी व्यवस्था की जानी है। परियोजना प्रबंधक हिमांशु पंत ने बताया कि पुनर्वास स्थल के पास शांतिपुरी इलाके में स्थित स्कूल और अस्पताल में सुविधाएं दी जाएंगी। जमरानी परियोजना इकाई ने शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग से अनापत्ति मांगी है।

भाजपा ने केजरीवाल से मुझे अलग करना चाहा, पर दुनिया के किसी रावण में इतनी ताकत नहीं जो लक्ष्मण को राम से अलग कर सके:सिसोदिया

दिल्ली में अभी शिक्षा पर बहुत काम होना बाकी है, अब जनता जब हमारी ईमानदारी पर मुहर लगा देगी, तभी शिक्षा मंत्री की कुर्सी पर बैठेंगे - सिसोदिया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित जनता की अदालत में केजरीवाल सभा के दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भाजपा पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि जेल में भाजपा ने मुझे अरविंद केजरीवाल से अलग करने के लिए तमाम धमकियां और लालच दिलवाए, लेकिन मैंने उसका संदेश लेकर आने वालों को जवाब दिया कि दुनिया के किसी रावण में इतनी ताकत नहीं है, जो लक्ष्मण को राम से अलग कर सके और जब तक अरविंद केजरीवाल तानाशाही के रावण के खिलाफ राम बनकर यह लड़ाई लड़ते रहेंगे, तब तक मैं लक्ष्मण बनकर इनके साथ खड़ा रहूंगा। उन्होंने कहा कि मैं भी केजरीवाल के साथ जनता की अदालत में जाउंगा और तभी उपमुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठूंगा जब जनता हमारी ईमानदारी पर मुहर लगा देगी। दिल्ली में अभी शिक्षा पर बहुत काम होना, अब शिक्षा मंत्री की कुर्सी पर तभी बैठेंगे जब जनता हमारी ईमानदारी पर मुहर लगा देगी।

केजरीवाल के बाहर आने से दिल्लीवाले खुश हैं', लेकिन अब वह मुख्यमंत्री नहीं हैं', इस बात से दुखी भी हैं'- सिसोदिया दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि आज दिल्ली के लोग बहुत खुश हुए हैं कि वह अब जेल से बाहर हैं, लेकिन इस बात से दुखी भी हैं कि अब वह दिल्ली के मुख्यमंत्री नहीं हैं। दिल्लीवालों को यह यकीन है कि अगले तीन-चार महीने बाद दोबारा अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री होंगे। हम सबको खुशी इस बात की है कि तानाशाह के ताले को तोड़कर भ्रष्टाचार के काल अरविंद केजरीवाल हम सबके बीच में आ गए हैं। मैं 17 महीने जेल में था और बाहर आया तो खुशी हुई, लेकिन तब सबसे ज्यादा खुशी हुई, जब अरविंद केजरीवाल बाहर आए। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट तक ने कह दिया कि यह झूठा केस है। जब केस का ट्रायल शुरू होगा तो दो सवाल भी झेल नहीं पाएगा। इस केस में इतनी झूठी कहानी लिखी हुई है। इन्होंने झूठे बयानों के आधार पर केजरीवाल, मुझे और संजय सिंह को जेल में डाला- सिसोदियामनीष सिसोदिया ने कहा कि इन्होंने मेरा और अरविंद केजरीवाल का घर, ऑफिस सब छान मारा, लेकिन कुछ भी नहीं मिला। जब कुछ नहीं मिला तो इन्होंने कुछ लोगों को पकड़ कर जेल में डाला। इन्होंने उन लोगों से बोला कि जेल से बाहर आना चाहते हो तो अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बयान दे दो, वरना जेल में सड़ाकर मार डालेंगे। उनमें से एक-दो लोगों ने झूठा बयान दे दिया और उस झूठे बयान के आधार पर मुझे, अरविंद केजरीवाल और संजय सिंह को जेल में डाल दिया। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने कह दिया कि इन बयानों से कुछ नहीं होता है। जब ट्रायल चलेगा तो यह केस दो सवालों में खत्म हो जाएगा।

जेल में मुझे संदेश आते थे कि राजनीति में कोई किसी का नहीं होता, आप भाजपा में आ जाओ- सिसोदिया मनीष सिसोदिया ने कहा कि अरविंद केजरीवाल, मुझे या संजय सिंह को जेल में डालने के पीछे भ्रष्टाचार कोई कारण नहीं था। बल्कि जेल में डालने के पीछे हमें परेशान करना, दिल्ली के काम को रोकना था। इनका मकसद एक ही था कि जेल में डाल कर इनको अंदर-बाहर से तोड़ो, इनकी हिम्मत को तोड़ो, इनकी टीम को तोड़ो। हमारी न तो अंदर से हिम्मत टूटी और न बाहर पार्टी टूटी। इसी बात से सब लोग उत्साहित हैं। कई लोगों ने मुझसे कहा कि भाजपा में आ जाओ। ये लोग जेल में सड़ाकर मार डालेंगे। इनको आप जानते नहीं हैं। जेल में कब तक पड़े रहेंगे। कहते थे कि राजनीति में तो ऐसे ही होता है, कोई किसी के बारे में नहीं सोचता है। आपको जेल से बाहर आना है तो इनकी बात सुननी चाहिए। ये लोग कहते थे कि मुझे पता है कि आपकी पत्नी बीमार है, बेटा अभी कॉलेज में पढ़ रहा है। आप अपने परिवार के बारे में सोचो, आप जेल में रहकर परेशान हो जाओगे। इन्होंने मेरे बैंक खाते फ्रीज कर दिए, मुझे बेटे की फीस भरने के लिए लोगों के सामने हाथ फैलाने पड़े- सिसोदियामनीष सिसोदिया ने कहा कि जब मैं पत्रकार था, तब मैंने 2002 में पांच लाख में एक छोटा सा घर खरीदा था। उस घर को भी इन्होंने मुझसे छीन लिया, अपने कब्जे में कर लिया। मेरे बैंक खाते में सैलरी के 10 लाख रुपए पड़े थे, उस पैसे को भी इन्होंने अपने कब्जे में कर लिए। मेरा बेटा कॉलेज में पढ़ता है, मुझे उसकी फीस भरने के लिए लोगों के सामने हाथ फैलाने पड़े कि मुझे बेटे की फीस देनी है, मेरा बैंक अकाउंट ईडी ने फ्रीज कर दिया है। ये लोग इस तरह से मुझे मानसिक तौर पर परेशान करते थे। क्योंकि इनकी कोशिश थी कि मनीष सिसोदिया टूट जाए, लेकिन मैं भी अरविंद केजरीवाल की टीम में सच्चा सिपाही हूं। मैं टूटा नहीं, घबराया नहीं। मुझे केजरीवाल से अलग करने के लिए सीबीआई ने कोर्ट में झूठ बोला कि उन्होंने सारा आरोप मेरे ऊपर डाल दिया है- सिसोदिया मनीष सिसोदिया ने कहा कि जब मैं अंदर से नहीं टूटा तो इन्होंने बाहर से तोड़ने की कोशिश की। मुझे मैसेज देकर कहते थे कि आपको पता नहीं, आपको तो अरविंद केजरीवाल ने फंसा दिया है। मैं उनको जवाब देता था कि मुझे तो अरविंद केजरीवाल ने 26 साल पहले ही फंसा दिया था

मुख्यमंत्री आतिशि किसानों की कृषि भूमि का सर्कल रेट 10करोड़ प्रति एकड़ करें: पंचायत संघ

जानकारी
- सर्कल रेट बढ़ाकर फाईल तुरंत उपराज्यपाल को भेजें। थान सिंह यादव
- गांवों के मालिकाना हक की फाइलों पर तुरंत काम करें। पंचायत संघ
- पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल गांवों व किसानों के बीच जनता अदालत लगाएं। पंचायत संघ

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने मुख्यमंत्री आतिशी से मांग की कि दिल्ली देहात व किसानों की कृषि भूमि का सर्कल रेट बढ़ा कर 10 करोड़ प्रति एकड़ करें। ओर आपके शहरी विकास विभाग में वर्ष 2013 से 131गांवों की 244 फाइल जो मलिकाना हक को लेकर धूल चाट रही है। उन पर तुरंत कार्रवाई कर निपटारा करें।

पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा की पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कभी भी दिल्ली देहात गांव गरीब ग्रामीण किसानों के लिए कोई बात नहीं की ना ही कोई इनके विकास और उत्थान के लिए काम किया।दूसरा उन्होंने अपने कार्यकाल में दिल्ली में कृषि भूमि के सर्कल रेट बढ़ाने के लिए अलग-अलग जोन में बांटने का काम किया। और इस पर आपत्ति के बाद सर्कल रेट से संबंधित फाईल दबा कर बैठ गए। गांवों के मालिकाना हक को लेकर शहरी विकास विभाग में जमा फाइलों पर कोई काम नही किया।जिसको लेकर दिल्ली देहात ग्रामीणों किसानों में इनके खिलाफ आक्रोश है इसलिए आप दिल्ली देहात गांव ग्रामीण किसानों के लिए कम करें। और इन दोनों मांगों पर कार्रवाई करते हुए तुरंत लागू करें। ओर केजरीवाल दिल्ली देहात गांव ग्रामीण किसान के बीच जाकर जनता अदालत लगाएं।

पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने मांग की कि दिल्ली देहात व गांवों की 18सूत्री मांगों में से आप इन दोनो मांगों को 15 दिन के अंदर पूरा करें। वरना दिल्ली पंचायत संघ व दिल्ली के सभी 360गांवों की पंचायतें और ग्रामीण आने वाले विधानसभा चुनाव में आपके खिलाफ विरोध करेंगे।

दाग के साथ काम करना तो दूर, मैं इसके साथ जिंदा भी नहीं रह सकता : केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का कहना है, दाग के साथ काम करना तो दूर की बात है, मैं इस दाग के साथ में जी भी नहीं सकता, मैं जिंदा भी नहीं रह सकता।

अरविंद केजरीवाल ने कहा, मैंने मन में सोचा था जब तक कोर्ट मुझे बा-इज्जत बरी नहीं कर देता मैं दोबारा कुर्सी पर नहीं बैठूंगा। लेकिन मुझे वकीलों ने कहा कि यह केस 10- 15 साल तक चल सकता है। मैने सोचा कि मैं अपनी जनता की अदालत में जाऊंगा, जनता से पूछूंगा, जनता मेरे को बताएं कि मैं बेईमान हूं कि मैं ईमानदार हूं। केजरीवाल ने रविवार को आम आदमी पार्टी द्वारा जंतर मंतर पर आयोजित जनता की अदालत कार्यक्रम में कहा, मैं आपसे पूछता हूं कि अगर मैं बेईमान होता, क्या मैं दिल्ली में बिजली फ्री कर सकता था। बिजली फ्री करने के 3000 करोड़ रुपए लगते हैं। अगर मैं बेईमान होता तो वह 3000 करोड़ रुपए खा जाता, बिजली फ्री करने की क्या जरूरत थी। अगर मैं बेईमान होता महिलाओं का किराया फ्री करता। अगर मैं बेईमान होता तो आपके बच्चों के लिए स्कूल बनवाता, अगर मैं बेईमान होता तो आपका इलाज मुक्त करवाता। इनकी 22 राज्यों में सरकार है, कहीं बिजली फ्री नहीं है, कहीं महिलाओं का किराया फ्री नहीं है। मैं आपसे पूछने आया हूं कि केजरीवाल चोर है या केजरीवाल को जेल भेजने वाले चोर हैं। केजरीवाल ने कहा, मैं आपसे एक बात और करना चाहता हूं, आरएसएस वाले कहते हैं हम देशभक्त हैं, हम राष्ट्रवादी हैं, आज मैं पूरे सम्मान के साथ आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत जी से पांच प्रश्न पूछना चाहता हूं। मेरा पहला प्रश्न है जिस तरह पीएम मोदी देश भर में लालच देकर या फिर ईडी, सीबीआई का डर दिखाकर दूसरी पार्टियों के नेताओं को तोड़ रहे हैं- क्या यह देश के लिए सही है। दूसरा प्रश्न है कि देश भर में सबसे भ्रष्टाचारी नेताओं को भाजपा में शामिल करवा लिया। क्या इस प्रकार की राजनीति से आप सहमत हैं। तीसरा प्रश्न है, बीजेपी आरएसएस की कोख से पैदा हुई, क्या आप आज की भाजपा के इन कदमों से सहमत हैं। चौथा प्रश्न है, जेपी नड्डा ने लोकसभा चुनाव के दौरान कहा था की भाजपा को अब आरएसएस की जरूरत नहीं है, तब आपको कैसा लगा था। भाजपा ने अपने एक नियम के तहत 75 वर्ष की आयु होने पर आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी समेत कई भाजपा नेताओं को रिटायर्ड कर दिया। क्या आप इससे सहमत हो कि जो नियम आडवाणी जी पर लागू हुआ वह पीएम मोदी पर लागू नहीं होना चाहिए। केजरीवाल ने कहा कि आज हमारे देश के अंदर शिक्षा व्यवस्था का बहुत बुरा हाल है। जिनके पास पैसा है वह अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूलों में भेज देते हैं। जिनके पास पैसा नहीं है वह मजबूरी में अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में भेजते हैं। 75 साल के अंदर सरकारी स्कूलों का बेड़ागर्क कर दिया गया।

एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण अभियान के जरिए पर्यावरण संरक्षण पर जोर

प्रात : किरण संवाददाता

विशाखापत्तनम। ड्रेजिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के कॉर्पोरेट कार्यालय, विशाखापत्तनम में स्वच्छता ही सेवा 2024 कार्यक्रम की शुरूआत की गई। एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण अभियान के अवसर पर कार्यालय परिसर में एक पौधा लगाकर स्वच्छता ही सेवा 2024 अभियान का नेतृत्व किया और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम स्वच्छता, स्वच्छता और स्थिरता को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं। इन पहलों में एक पेड़ माँ का नाम अभियान से लेकर बच्चों के युवा मन में जागरूकता फैलाने के लिए सामुदायिक सहभागिता गतिविधियां और डीसीआईएल ड्रेजर/जहाजों पर स्वच्छता और हाउसकीपिंग अभियान आयोजित करने जैसे अभिनव उपायों की व्यवस्था करना शामिल है जिससे पर्यावरण संरक्षण के लिए निगम की प्रतिबद्धता को बल मिलता है।

इस अनूठी पहल में माताओं के योगदान का सम्मान करने और जीवन में स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस पहल ने कर्मचारियों और हितधारकों को पेड़ लगाने और अपनी माताओं को श्रद्धांजलि के रूप में समर्पित करने के लिए प्रोत्साहित किया, जो प्रकृति और मातृ देखभाल दोनों के प्रति सम्मान का प्रतीक है। कार्यालयों और आस-पास के स्थानों जैसे स्कूल, कॉलेज और पार्कों में सैकड़ों पौधे लगाए गए। युवा छात्रों के बीच स्वच्छता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए स्कूल-स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन करके अपने तत्काल संचालन से परे स्वच्छता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बढ़ाया।

ड्राइंग, पोस्टर और निबंध प्रतियोगिता जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं और कई छात्रों ने स्वच्छता, स्थिरता और भारत को स्वच्छ रखने में युवाओं की भूमिका पर केंद्रित प्रतियोगिताओं में भाग लिया। डीसीआईएल और वीपीए के अध्यक्ष डॉ एम अंगमुथु, आईएएस और डीसीआईएल के एमडी और सीईओ दुर्गेश कुमार दुबे ने कहा कि हमारा उद्देश्य समुदायों और व्यक्तियों को अपने आस-पास की जिम्मेदारी लेने और स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि हम स्वच्छ और हरित भारत के राष्ट्रीय मिशन में योगदान दे रहे हैं। हमारा उद्देश्य समुदायों और व्यक्तियों को अपने आस-पास की जिम्मेदारी लेने और स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना है।

केजरीवाल को असफल मुख्यमंत्री के तौर पर याद करेगी दिल्ली: कपिल मिश्रा

नई दिल्ली। भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने रविवार को अरविंद केजरीवाल सरकार के दस सालों का रिपोर्ट कार्ड जारी करते हुए कटाक्ष किया है। कपिल मिश्रा का कहना है कि दिल्ली केजरीवाल को एक भ्रष्ट और असफल मुख्यमंत्री के तौर पर याद करेगी। कपिल मिश्रा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल का दस साल का कार्यकाल पूरा हो गया है। उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा भी दे दिया है। अब वह दिल्ली के मुख्यमंत्री नहीं है। उन्होंने 10 साल पहले जो वादे किए थे, उन वादों का आज नतीजा क्या है, उनकी आज स्थिति क्या है। 70 में से एक भी वादा पूरा नहीं हुआ। 10 साल दिल्ली बेहाल यह उसकी सच्चाई है। चाहें उनका जन लोकपाल का वादा हो, स्वराज का वादा हो, 500 स्कूल खोलने का वादा हो, 20 कॉलेज खोलने का वादा हो, यमुना की सफाई का वादा हो, साफ पर्यावरण का वादा हो, आठ लाख नौकरियों का वादा हो, कर्मचारियों को स्थाई करने का वादा हो, ऐसा कोई भी वादा पिछले दस साल में वो पूरा नहीं किया गया है। दिल्ली उनको एक भ्रष्ट और असफल मुख्यमंत्री के तौर पर याद करेगी। भाजपा नेता ने आगे कहा कि हमने रिपोर्ट कार्ड तैयार किया है। उसे हम दिल्ली की हर एक विधानसभा में लेकर जाएंगे। दिल्ली की सड़कों की बहुत खराब स्थिति है। एक एक्सपर्ट कमेटी की रिपोर्ट के हिसाब से देश के सभी महानगरों में सबसे खराब सड़कें दिल्ली में हैं। दिल्ली में नालों और सीवर की समस्या विकराल है। इस तरह की स्थिति बहुत पिछड़े इलाकों में भी नहीं होती जो दिल्ली के पॉश इलाकों में है। पिछले कुछ सालों में सरकार पूरी तरह ठप है और केवल नौटंकी कर रही है।

सरकार में काम कुछ नहीं हो रहा है। यह समझते हुए केजरीवाल कुर्सी छोड़कर भाग गए हैं। सभी समस्याओं का ठीकरा नए मुख्यमंत्री के ऊपर फोड़ दिया जाएगा। आतिशी को सीएम बनाकर विक्टिम कार्ड खेला गया है। उन्होंने एक नौटंकी की है, लेकिन यह उनकी मजबूरी भी थी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद वह एक मुख्यमंत्री के तौर पर नहीं रह सकते थे। उन्होंने आगे कहा कि यदि उनमें जनता के बीच में जाने की हिम्मत होती तो वह विधानसभा को भंग करके चुनावी मैदान में आते। केजरीवाल को बताना चाहिए कि उन्होंने दस सालों में जनता के लिए क्या किया है। अगले साल जब फरवरी में दिल्ली में चुनाव होंगे, तो दिल्ली की जनता इस बार उनकी नौटंकी के खिलाफ जनादेश देगी।

प्रदेश भाजपा ने केजरीवाल के खिलाफ कनॉट प्लेस में दिया धरना

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली प्रदेश भाजपा ने रविवार को कनॉट प्लेस में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आआपा) के खिलाफ धरना देकर प्रदर्शन किया। प्रदेश भाजपा ने इस दौरान जंतर मंतर पर आम आदमी पार्टी के जनता की अदालत लगाने को नौटंकी बताया और कहा कि पार्टी को अब दिल्ली की जनता को जवाब देना चाहिए।

दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के भाजपा नेता विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की जनता ने 10 साल पहले केजरीवाल को दिल्ली की छवि सुधारने, भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए चुना था। लेकिन आज हर दिल्लीवासी खुद को उसी केजरीवाल से ठगा महसूस कर रहा है। अब ह्यभ्रष्टाचारीह्ण सुपर सीएम अरविंद केजरीवाल और उसकी ह्यगैंगह्ण को दिल्ली से उखाड़ फेंकने का वक्त आ गया है।

आम आदमी पार्टी (आआपा) ने जंतर मंतर पर जनता की अदालत कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसके जवाब में दिल्ली भाजपा की तरफ से आआपा के खिलाफ कनॉट प्लेस में प्रदर्शन किया गया और अरविंद केजरीवाल के आवास की प्रदर्शनी भी लगाई। इस दौरान भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि ये शीशमहल नियम कानून को तोड़कर बनाया गया, तब देश में कोरोना का प्रभाव था, तब सत्र के दौरान सदन में मैंने इसका जिक्र किया था कि इस राजमहल का नक्शा पास नहीं कराया गया है। इसके बाद हमने उनके आवास के बाहर धरना भी दिया था। दिल्ली के लोगों को इसकी जानकारी होनी चाहिए कि इस घर के ऊपर 189 करोड़ रुपये खर्च हुए, ना की 52 करोड़।

अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्य धरे

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने वाहन चोरी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में स्नातक की पढ़ाई कर चुके विकास सिंह, अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री ले चुके सुनील कुमार अग्रवाल, मोहम्मद तहकीक और मोहम्मद रिहान शामिल हैं। इनके पास से एक पिस्तौल, एक जिंदा कारतूस और चोरी की चार कारें बरामद हुई है। आरोपी सुनील ने बताया कि वह मोहम्मद तहकीक और मोहम्मद रिहान से 75 हजार रुपये प्रति कार की दर से चोरी की कार खरीदता है और उसे अधिक दामों पर बेचता है।

भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष बने उदय भानु चिब

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रविवार को श्रीनिवास बी.वी. को हटाकर उदय भानु चिब को भारतीय युवा कांग्रेस (आईवाईसी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया। चिब अब तक आईवाईसी के महासचिव पद की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। वह जम्मू-कश्मीर प्रदेश युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। पार्टी ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तत्काल प्रभाव से उदय भानु चिब को भारतीय युवा कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

सड़कों से हट रही बसें, लोग परेशान : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि बसों की कमी के कारण यात्री परेशान हैं। उम्र पूरी कर चुकी बसों को हटाने से पहले दिल्ली सरकार की कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं दिखाई दे रही है। ऐसे में आने वाले दिनों में परेशानी और बढ़ जाएगी। गुप्ता ने कहा कि अगले तीन महीने में डीटीसी की 394 बसें दिल्ली की सड़कों से हटने जा रही है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि दिल्ली सरकार को जनता को होने वाली परेशानी से कोई सरोकार नहीं है। वर्तमान में सड़कों पर दौड़ रही डीटीसी की बसें 2008 से 2011 की अवधि में खरीदी गई थीं।

आप के 62 विधायक, फिर भी आतिशी सरकार में सिर्फ 5 नेता ही क्यों बने मंत्री?

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी की नेता आतिशी ने शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उनके साथ आप विधायक गोपाल राय, कैलाश गहलोत, इमरान हुसैन, सौरभ भारद्वाज और मुकेश अहलावत ने मंत्री पद की शपथ ली।

दिल्ली में आम आदमी पार्टी के 62 विधायक होने के बावजूद सिर्फ पांच नेताओं को ही मंत्री बनाया गया है। ऐसे में ये जानना जरूरी हो जाता है कि जब दिल्ली में आप के 60 से अधिक विधायक हैं तो सिर्फ पांच नेता ही क्यों मंत्री बनाए गए। दरअसल, साल 2003 में अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने संविधान में सरकार के मंत्रिमंडल के आकार को लेकर एक व्यवस्था की थी। इससे पहले देश और राज्य में जितनी भी सरकारें थीं, उस दौरान ऐसा कोई प्रावधान नहीं लागू होता था। हालांकि, 91वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 द्वारा मंत्रिपरिषद के आकार को सीमित कर दिया गया। तत्कालीन अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने साल 2003 में संविधान का 91वां संशोधन किया। इस संशोधन के जरिये मंत्रिमंडल का आकार 15 फीसदी तक सीमित कर दिया गया। इसी के आधार पर केंद्र और राज्य कैबिनेट में सदस्यों की संख्या तय करनी होती है।

इससे पहले मंत्रिमंडल के आकार को लेकर कोई व्यवस्था नहीं थी। इसके लागू होने से पहले देश के अलग-अलग राज्यों में सरकारें थीं, जहां मंत्रियों की संख्या 15 से 35 प्रतिशत थी। 91वां संशोधन लागू होने से पहले साल 2003 में यूपी सरकार में लगभग 90 से अधिक मंत्री थे। बिहार में 80 से अधिक, महाराष्ट्र में 65 से अधिक, पश्चिम बंगाल में 40 से अधिक और आंध्र प्रदेश में भी इतने ही मंत्रियों की संख्या थी। बता दें कि मार्च 2003 में संविधान का 91वां संशोधन लागू हुआ था। यही कारण है कि आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार में मुख्यमंत्री आतिशी के अलावा सिर्फ पांच कैबिनेट मंत्री शामिल किए गए हैं। इससे पहले अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार में भी उनके अलावा पांच नेताओं को ही कैबिनेट में जगह दी गई थी।

डीयू के कॉलेजों में अंडरग्रेजुएट स्तर पर रिक्त पड़ी एससी, एसटी, ओबीसी,पीडब्ल्यूडी व ईडब्ल्यूएस के छात्रों की सीटों को भरने के लिए ,स्पॉट राउंड के बाद स्पेशल ड्राइव चलाने की फोरम ने मांग की

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस के चेयरमैन व पूर्व विद्वत परिषद सदस्य डॉ. हंसराज सुमन ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के कुलसचिव को पत्र लिखकर मांग की है कि शैक्षिक सत्र --2024 --25 में स्नातक स्तर (अंडर ग्रेजुएट) पर कॉलेजों में खाली पड़ी आरक्षित श्रेणी की सीटों के लिए स्पॉट राउंड के बाद स्पेशल ड्राइव चलाने की मांग की है । अभी भी कैम्पस से बाहर के कुछ कॉलेजों में 5 से 7 फीसदी सीटें खाली पड़ी हुई है । डॉ. सुमन ने स्नातक स्तर पर छात्रों के लिए स्पेशल ड्राइव चलाने से पहले कॉलेजों से सब्जेक्ट्स वाइज आंकड़े मंगवाएं जाने की भी मांग की है ताकि पता चल सके कि कॉलेजों ने अपने यहां स्वीकृत सीटों से ज्यादा कितने एडमिशन सामान्य वर्गो के छात्रों के किये हैं तथा उसकी एवज में आरक्षित वर्ग की कितनी सीटों पर एडमिशन दिया गया है । जब उनसे ये आंकड़े उपलब्ध हो जायें तभी यूनिवर्सिटी कॉलेजों के प्रिंसिपलों को एक सर्कुलर जारी कर खाली पड़ी आरक्षित श्रेणी की सीटों के लिए स्पेशल ड्राइव चलाना चाहिए । डॉ. सुमन ने बताया है कि यूजीसी व केंद्र सरकार ने आरक्षित श्रेणी की सीटों को भरने के लिए एससी--15 % ,एसटी--7:5 % ओबीसी--27 % ,पीडब्ल्यूडी--5 % , ईडब्ल्यूएस--10 % आरक्षण दिए जाने का प्रावधान किया गया है। जब तक इन वर्गों का कोटा पूरा नहीं हो जाता विश्वविद्यालय/कॉलेजों को स्पेशल ड्राइव चलाकर इन सीटों को भरना होता है लेकिन शैक्षिक सत्र -2022--23 से विश्वविद्यालय प्रशासन ने नई शिक्षा नीति के तहत सीयूईटी (उवएळ) के अंतर्गत कॉलेजों को सीटें आबंटित की है । कॉलेजों में अभी भी 5 से 7 फीसदी सभी विषयों की सीटें खाली पड़ी है । इन सीटों में सबसे ज्यादा सीटें एससी / एसटी /ओबीसी कोटे के छात्रों की है । उन्होंने बताया है कि हर साल आरक्षित श्रेणी के छात्रों की सीटें खाली रह जाती है , इस साल भी सीटें खाली पड़ी है लेकिन कॉलेजों ने अभी तक अपनी वेबसाइट पर उन खाली पड़ी सीटों को डिस्प्ले नहीं किया। फोरम के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन ने डीयू के कुलसचिव को लिखे पत्र में बताया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शैक्षिक सत्र--2022 --23 से सीयूईटी (उवएळ) दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों/कॉलेजों में एससी/एसटी/ओबीसी/पीडब्ल्यूडी/ ईडब्ल्यूएस कोटे के अंतर्गत स्नातक स्तर (अंडर ग्रेजुएट) के छात्रों की विश्वविद्यालय प्रशासन अपने स्तर पर सीटों को आबंटित करता है । इससे पहले कॉलेजों द्वारा सब्जेक्ट्स वाइज व कट ऑफ के आधार पर एडमिशन दिया जाता था लेकिन तीसरी बार सीयूईटी के माध्यम से छात्र अपनी पसंद के सब्जेक्ट्स व कॉलेज चुनते हैं । डॉ. सुमन ने बताया है कि डीयू प्रशासन द्वारा सीटों को आबंटित करने के बावजूद कॉलेजों में सीटें खाली पड़ी हुई है । उन्होंने इसका सबसे बड़ा कारण डीयू में एडमिशन प्रॉसेस का विलंब से शुरू करना है जिसके कारण अधिकांश छात्रों ने पहले ही दूसरे विश्वविद्यालय / कॉलेजों व दिल्ली एनसीआर में बनी प्राइवेट यूनिवर्सिटीज में एडमिशन ले चुके है। उनका कहना है कि यदि समय पर सीयूईटी की परीक्षा कराई जाती तो कॉलेजों में आरक्षित श्रेणी की सीटें खाली नहीं रहती । साथ ही आरक्षित वर्गों के छात्रों को कितनी छूट दी गई है उसके विषय में जानकारी नहीं दी । उन्होंने पत्र में लिखा है कि हर वर्ष स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर कॉलेजों में आरक्षित श्रेणी से संबंधित छात्रों की अलग-अलग कॉलेजों में, अलग-अलग विषयों में बहुत सारी सीटें खाली रह जाती है किन्तु कॉलेजों द्वारा अपने यहाँ इन खाली सीटों को भरने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन को नहीं लिखते, ना ही कॉलेज अपनी वेबसाइट पर खाली सीटों का ब्यौरा देते ।

दुनिया में किसी की इतनी ताकत नहीं जो लक्ष्मण को राम से अलग कर सके : सिसोदिया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित जनता की अदालत में केजरीवाल सभा के दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी भाजपा पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि जेल में भाजपा ने मुझे अरविंद केजरीवाल से अलग करने के लिए तमाम धमकियां और लालच दिलवाए, लेकिन मैंने उसका संदेश लेकर आने वालों को जवाब दिया कि दुनिया के किसी रावण में इतनी ताकत नहीं है, जो लक्ष्मण को राम से अलग कर सके। जब तक अरविंद केजरीवाल तानाशाही के रावण के खिलाफ राम बनकर यह लड़ाई लड़ते रहेंगे, तब तक मैं लक्ष्मण बनकर इनके साथ खड़ा रहूंगा। सिसोदिया ने कहा कि मैं भी केजरीवाल के साथ जनता की अदालत में जाऊंगा और तभी उपमुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठूंगा जब जनता हमारी ईमानदारी पर मुहर लगा देगी। दिल्ली में अभी शिक्षा पर बहुत काम होना है, अब शिक्षा मंत्री की कुर्सी पर तभी बैठेंगे जब जनता हमारी ईमानदारी पर मुहर लगा देगी। उन्होंने कहा कि दिल्लीवालों को यह यकीन है कि अगले तीन-चार महीने बाद दोबारा अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री होंगे। हम सबको खुशी इस बात की है कि तानाशाह के ताले को तोड़कर भ्रष्टाचार के काल केजरीवाल हम सबके बीच में आ गए हैं। वह भी 17 महीने जेल में थे। लेकिन तब सबसे ज्यादा खुशी हुई, जब अरविंद केजरीवाल बाहर आए। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट तक ने कह दिया कि यह झूठा केस है।

उन्होंने कहा कि जब मैं पत्रकार था, तब मैंने 2002 में पांच लाख में एक छोटा सा घर खरीदा था। उस घर को भी इन्होंने मुझसे छीन लिया, अपने कब्जे में कर लिया। मेरे बैंक खाते में सेलरी के 10 लाख रुपये पड़े थे, उस पैसे को भी इन्होंने अपने कब्जे में कर लिया। मेरा बेटा कॉलेज में पढ़ता है, मुझे उसकी फीस भरने के लिए लोगों के सामने हाथ फैलाने पड़े कि मुझे बेटे की फीस देनी है, मेरा बैंक अकाउंट ईडी ने फ्रीज कर दिया है। ये लोग इस तरह से मुझे मानसिक तौर पर परेशान करते थे। क्योंकि इनकी कोशिश थी कि मनीष सिसोदिया टूट जाए, लेकिन मैं भी अरविंद केजरीवाल की टीम में सच्चा सिपाही हूं। मैं टूटा नहीं, घबराया नहीं। इस दौरान आआपा के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली की जनता ने प्रचंड बहुमत से अरविंद केजरीवाल की सरकार बनाई और उन्होंने पूरी निष्ठा से दिल्ली की जनता के लिए काम किया। केजरीवाल ने अपनी ईमानदारी से दिल्ली के लोगों को फ्री बिजली और पानी, अच्छे स्कूल, अस्पताल, मोहल्ला क्लीनिक, महिलाओं की मुफ्त बस यात्रा और बुजुर्गों की तीर्थयात्रा की सुविधा दी। लेकिन यह सब देखकर भाजपा के पेट में दर्द होने लगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने पहले एलजी के माध्यम से काम रोकने की कोशिश की, लेकिन काम नहीं रुका। इसके बाद उसने दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन, शिक्षा मंत्री और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल में डाल दिया। उन्होंने कहा कि हम सब लोगों की जिम्मेदारी है कि दिल्ली की जनता विधानसभा चुनाव में अरविंद केजरीवाल को प्रचंड बहुमत दे और उन्हें फिर से मुख्यमंत्री बनाएं।

डीयू में रिक्त सीटों को भरने के लिए अभियान चले

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में स्नातक स्तर की रिक्त सीटों को अभियान चलाकर भरने की मांग की गई है। फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस के प्रमुख डॉ. हंसराज सुमन ने इसके लिए कुलसचिव को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि स्नातक स्तर पर रिक्त पड़ी एससी, एसटी, ओबीसी, पीडब्ल्यूडी और ईडब्ल्यूएस के छात्रों की सीटों को भरने के लिए स्पॉट राउंड के बाद विशेष अभियान चलाया जाना चाहिए। इसके लिए कॉलेजों और विभागों में कितने छात्रों के दाखिले हुए हैं, उनके आंकड़े मंगाए जाने चाहिए। डॉ. सुमन ने कहा कि कॉलेज रिक्त पड़ी आरक्षित श्रेणी की सीटों को अपनी वेबसाइट पर डिस्प्ले करे। अभी आरक्षित श्रेणी के छात्रों की सैकड़ों सीटें खाली हैं, लेकिन कॉलेज उनके आंकड़े नहीं दे रहे हैं।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, सोमवार, 23 सितंबर, 2024

संक्षिप्त खबरें

आनेवाला चुनाव मेरी अग्नि परीक्षा है : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि दिल्ली विधानसभा का आने वाला चुनाव कोई मामूली चुनाव नहीं है, यह चुनाव अरविंद केजरीवाल की अग्नि परीक्षा है। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि यदि आपको लगता है कि अरविंद केजरीवाल ईमानदार है तो हमें वोट देना। यदि आपको लगता है कि केजरीवाल बेईमान है तो मुझे कतई वोट मत देना। दरअसल केजरीवाल ने अपने ऊपर लग रहे आरोपों पर कहा, नेताओं को ऐसे आरोपों से कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन मैं नेता नहीं हूं, मुझे फर्क पड़ता है। मुझे जब ये बीजेपी वाले चोर, भ्रष्टाचारी कहते हैं, मुझे जब ये गाली देते हैं तो मुझे फर्क पड़ता है। आज मैं बहुत दुखी हूं। मेरी आत्मा पीड़ित है। मैं अंदर से बहुत दुखी हूं और इसलिए मैंने इस्तीफा दिया, मैंने अपनी जिंदगी में केवल इज्जत, केवल ईमानदारी कमाई है। मेरे पास कोई पैसा नहीं है। आज मेरे पास दिल्ली में रहने के लिए अपना एक घर तक नहीं है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमारी सरकार के कामों को देखते हुए केंद्र सरकार को लगा कि यदि इनसे जीतना है तो इन्हें बदनाम कर दो। इसके लिए षड्यंत्र रचा गया कि अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और पूरी आम आदमी पार्टी को बेईमान साबित करो। इसके लिए हमें जेल में डाल दिया गया। उन्होंने आगे कहा कि मैंने जेल से बाहर आने के बाद इस्तीफा दे दिया। आपके मन में यह चल रहा होगा कि जेल से बाहर आने के बाद मैंने इस्तीफा क्यों दिया। मैंने इस्तीफा इसलिए दिया क्योंकि मैं ये सब करने के लिए नहीं आया था। मैं भ्रष्टाचार करने के लिए नहीं आया था। मुझे सत्ता या सीएम की कुर्सी का लोभ नहीं है। मैं पैसे कमाने नहीं आया। हम देश के लिए आए थे, भारत में माता के लिए आए थे, देश की राजनीति बदलने के लिए आए थे।

अरविंद केजरीवाल ने रविवार को जंतर मंतर पर मंच से बोलते हुए अपना चुनाव चिन्ह झाड़ू दिखाया। उन्होंने कहा कि यह झाड़ू केवल आम आदमी पार्टी का चुनाव चिन्ह नहीं है, बल्कि यह झाड़ू आस्था का प्रतीक है। जब एक आदमी वोट डालने जाता है और झाड़ू का बटन दबाता है तब अपनी अपनी आंख बंद करके पहले भगवान का नाम लेता है। झाड़ू का बटन दबाता है तो वह मन में यह सोचता है कि मैं ईमानदारी का बटन दबा रहा हूं। मतदाता चुनाव के समय झाड़ू का बटन दबाते समय यह सोचता है कि मैं एक ईमानदार सरकार बनाने के लिए बटन दबा रहा हूं।

वीक का समापन

नई दिल्ली। द्वारका स्थित इस्कॉन मंदिर में रविवार को वर्ल्ड होलिनेम वीक का समापन हुआ। इसके तहत नुक्कड़ नाटक, गीता के श्लोकों की प्रस्तुति, संकीर्तन और पुस्तक वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। आखिरी दिन श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

25 सितंबर तक नामांकन के निर्देश

नई दिल्ली। शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए पद निर्धारण को लेकर शिक्षा निदेशालय ने स्कूलों को 25 सितंबर तक छात्रों के नामांकन की सूचना देने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में निदेशालय ने सर्कुलर जारी किया है। निदेशालय ने नामांकन की जानकारी साझा न करने वाले स्कूलों की सूची भी जारी की है।

मेंटल मैथ पर शिक्षकों को मिलेगा प्रशिक्षण

नई दिल्ली। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा सहायक शिक्षकों (प्राइमरी) के लिए मेंटल मैथ की रणनीति पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में परिषद के संयुक्त निदेशक डॉ. नाहर सिंह ने सर्कुलर जारी किया है। सोमवार से लेकर 26 सितंबर तक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

त्योहारों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम के निर्देश

नई दिल्ली। शिक्षा निदेशालय ने त्योहारों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में निदेशालय की विज्ञान एवं टीवी शाखा ने सर्कुलर जारी किया है। इसके लिए स्कूलों में निबंध लेखन, चर्चा प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, नारा लेखन प्रतियोगिता के निर्देश दिए हैं।

दिल्ली का चुनाव मेरी अग्नि परीक्षा है, अगर जनता को लगे कि हमने काम किया है और मैं ईमानदार हूं, तभी झाड़ू का बटन दबाना:केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री की कुर्सी त्यागने के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक ने रविवार को जंतर मंतर पर आयोजित जनता की अदालत में दिल्ली की जनता से सीधा संवाद किया। उन्होंने दिल्लीवालों से कहा कि दिल्ली का विधानसभा चुनाव मेरी अग्नि परीक्षा है, अगर आपको लगता है कि हमने काम किया है और केजरीवाल ईमानदार है, तभी झाड़ू का बटन दबाना। उन्होंने कहा कि यह लोग मोटी चमड़ी के हैं। इनको भ्रष्टाचार का आरोप लगने से कोई फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन जब ये लोग मुझे भ्रष्टाचारी और चोर कहते हैं तो मुझे बहुत फर्क पड़ता है और मैं इस दाग के साथ जिंदा नहीं रह सकता। इसलिए मैंने जनता की अदालत में जाने का फैसला किया, क्योंकि कोर्ट में यह केस 10-15 साल चलेगा। केजरीवाल ने कहा कि मैं 10 साल दिल्ली का मुख्यमंत्री रहा, लेकिन मेरे पास रहने के लिए एक घर नहीं है। फिर भी मैं नवरात्र के बाद सीएम आवास छोड़ दूंगा और आपके बीच में रहूंगा। हमने अपने पहले ही चुनाव में साबित कर दिया कि ईमानदारी से चुनाव लड़े और जीते जा सकते हैं- केजरीवाल आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जंतर-मंतर पर जनता की अदालत को संबोधित करते हुए कहा कि जंतर-मंतर पर आकर पुराने दिन याद आ गए। 4 अप्रैल 2011 का दिन था, जब आजाद भारत का भ्रष्टाचार विरोधी सबसे बड़ा अन्ना आंदोलन जंतर-मंतर से शुरू हुआ था। डेढ़-दो साल तक कभी जंतर-मंतर, तो कभी रामलीला मैदान पर धरने दिए। उस वक्त की सरकार भी बड़ी अहंकारी थी, उन्होंने हमारी बात नहीं मानी। उसने हमें चैलेंज किया कि चुनाव लड़कर और जीत कर दिखाओ। हम छोटे लोग थे। हमें चुनाव लड़ना नहीं आता था। चुनाव लड़ने के लिए पैसे, गुंडे और आदमी चाहिए। हमारे पास न पैसा था, न आदमी थे और न गुंडे थे। हम चुनाव कैसे लड़ते? लेकिन वो बार-बार कहते थे कि चुनाव लड़कर दिखाओ। हम चुनाव लड़ लिए और जनता ने हमें जिता दिया। पहली बार में ही दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बन गई। उन्होंने कहा कि 2013 में चुनाव हुए थे। हमने देश में यह साबित कर दिया कि ईमानदारी से चुनाव लड़े और जीते जा सकते हैं। जब हम उन दिनों चुनाव लड़े थे, तो बाकी पार्टी वाले कहते थे कि इनकी जमानत जब्त हो जाएगी। चाहे केजरीवाल की जमानत बच जाए। पहली बार में ही दिल्ली में हमारी 49 दिन की सरकार बन गई थी। हम ईमानदारी से चुनाव लड़े थे। हमारे पास कोई पैसा या आदमी नहीं था। जब मोदी जी को लगा कि वह ईमानदारी से हमसे नहीं जीत पाएंगे तो हमें बेईमान साबित करने के लिए षड्यंत्र रचा- केजरीवालअरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले 10 साल से हम दिल्ली में ईमानदारी से सरकार चला रहे थे। ईमानदारी से सरकार के पैसे बचा रहे थे। हमने जनता को ऐसी-ऐसी सुविधाएं दीं, जो कोई सोच भी नहीं सकता। 24 घंटे और फ्री बिजली कर दी, पानी फ्री कर दिया। महिलाओं के लिए बसों का किराया मुफ्त कर दिया। बुजुर्गों के लिए तीर्थ यात्रा मुफ्त कर दी। शानदार अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिक बना दिए। लोगों का इलाज मुफ्त कर दिया। शानदार स्कूल बना दिए, बच्चों की शिक्षा शानदार कर दी और उन्हें अच्छा भविष्य दे दिया। 10 साल ईमानदारी से काम किया। लेकिन मोदी जी को लगने लगा कि अगर इनसे जीतना है तो इनकी ईमानदारी पर चोट करो। इनको बेईमान साबित करो। तो प्रधानमंत्री मोदी ने एक षड्यंत्र रचा। उन्होंने अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, आम आदमी पार्टी को बेईमान साबित करने के लिए षड्यंत्र रचा और एक-एक कर हमारे सभी बड़े नेताओं को जेल में डाल दिया। अब हम जेल से बाहर आ गए और जेल से बाहर आने के बाद मैंने इस्तीफा दे दिया। मैं भ्रष्टाचार करने के लिए नहीं, बल्कि देश की राजनीति बदलने के लिए आया था- केजरीवाल

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आपके मन में चल रहा होगा कि केजरीवाल ने इस्तीफा क्यों दिया? मैंने इस्तीफा इसलिए दिया क्योंकि मैं भ्रष्टाचार करने के लिए राजनीति में नहीं आया था। मुझे सत्ता की लालच या उसकी भूख नहीं है।

मोदी ने हमें जेल भेजने के लिए रचा षड्यंत्र : केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले दस साल के हमारे जनहित के कामों से घबराकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके खिलाफ षड्यंत्र रचकर जेल में डलवाया।

श्री केजरीवाल ने रविवार को यहाँ जंतर-मंतर पर जनता की अदालत कार्यक्रम में अपनी सरकार के दस साल के कामकाज का ब्यौरा दिया और केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, हमने पिछले दस सालों में ईमानदारी से सरकार चलाई। बिजली और पानी मुफ्त किया, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतरीन बनाया लेकिन श्री मोदी को लगा कि अगर उन्हें हमसे जीतना है तो हमारी ईमानदारी पर हमला करना होगा। उन्होंने साजिश रची कि हमें बेईमान साबित किया जाए और इसके तहत हमें, मनीष सिसोदिया और आप के कई नेताओं को जेल में डाला गया।

उन्होंने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, इन नेताओं पर आरोपों का कोई असर नहीं होता क्योंकि उनकी चमड़ी मोटी है। पर मैं नेता नहीं हूं, मैं एक आम आदमी हूं और मुझ पर लगे आरोप मुझे प्रभावित करते हैं। मैंने जनता की अदालत में आने का फैसला इसलिए किया क्योंकि मैं इस दाग के साथ नहीं जी सकता। अगर मैं बेईमान होता, तो बिजली मुफ्त नहीं करता, महिलाओं का किराया मुफ्त नहीं करता और बच्चों के लिए स्कूल नहीं बनवाता।

उन्होंने कहा, 22 राज्यों में उनकी सरकार है, लेकिन कहीं भी बिजली मुफ्त नहीं है, महिलाओं के लिए यात्रा मुफ्त नहीं है। अब आप बताइए, चोर कौन है, केजरीवाल चोर है या केजरीवाल को जेल भेजने वाले चोर हैं?उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत से पाँच सवाल पूछे। उन्होंने पूछा कि जिस तरह श्री मोदी ईडी, सीबीआई का डर दिखाकर सरकारें गिरा रहे हैं क्या आरएसएस उससे सहमत है। श्री मोदी ने सबसे भ्रष्ट नेताओं को भाजपा में शामिल कराया तो क्या आरएसएस इससे सहमत है, भाजपा आरएसएस की कोख से पैदा हुई थी। यह देखना आरएसएस की जिम्मेदारी है कि भाजपा पथभ्रष्ट ना हो, मोहन भागवत बताएं कि क्या आपने मोदी को कभी रोका। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लोकसभा चुनाव के दौरान कहा कि भाजपा को अब आरएसएस की जरूरत नहीं है। क्या इससे मोहन भागवत को दुख नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि मैं मोहन भागवत से कहना चाहता हूं कि आप ही लोगों ने कानून बनाया था कि 75 साल का होने पर सेवानिवृत्त कर दिया जाएगा। मोहन भागवत से पूछना चाहता हूं कि जो नियम लालकृष्ण आडवाणी पर लागू हुआ वह श्री मोदी पर लागू नहीं होगा क्या।

वोट की चोट से दिल्ली की जनता केजरीवाल से करेगी हिसाब बराबर: राजकुमार आनंद

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में होने हैं लेकिन इससे पहले सियासत खूब हो रही है। केजरीवाल का इस्तीफा, आतिशी की दिल्ली के सीएम पद पर ताजपोशी और राष्ट्रीय राजधानी में अपना इकबाल बुलंद करने की कोशिश एक तरफ आम आदमी पार्टी कर रही है तो दूसरी ओर भाजपा भी हर बार पर पलटवार कर रही है। भाजपा ने केजरीवाल सरकार के दस सालों का रिपोर्ट कार्ड पेश करते हुए आप पर हमलावर है।

दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री और भाजपा नेता राजकुमार आनंद ने कहा कि कोई भी आंदोलन नौजवानों से चालू होता है। नौजवान सबसे पहले जागता है, उसी कड़ी में आज युवा मोर्चा द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रदर्शनी में अरविंद केजरीवाल के आलीशान बंगले को दिखाया गया है। मेरा मानना है कि पहले नौजवान जागेगा, फिर वह आगे समाज में जागृति फैलाएगा क्योंकि चुनाव में अब ज्यादा समय नहीं रह गया है।

अरविंद केजरीवाल और उनके साथियों की ओर से जनता दरबार लगाया जा रहा है। आज मैं यह बताना चाहता हूं कि जनता दरबार की अब जरूरत नहीं है क्योंकि जनता की अदालत लगने का वक्त आ गया है। पांच महीने बाद जनता की अदालत लगेगी, जनता वोट डालेगी तब उनको पता लगेगा कि उनके साथ दिल्ली की जनता ने क्या इंसाफ किया है। मेरा मानना है कि आम आदमी पार्टी के इस अभियान में कोई दम नहीं है।

उन्होंने कहा कि, अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ केजरीवाल जो दलीलें दे रहे हैं, वो झूठ की बुनियाद पर आधारित है। देश की राजधानी दिल्ली में जल-भराव से 50 लोग मार जाते हैं और जल मंत्री बजाय कुछ करने के भूख हड़ताल करती हैं। वहां का आम आदमी पार्टी का पार्षद विदेश चली जाती है। वहां का जो विधायक है, वो समय पर मौके पर नहीं पहुंचते हैं ऐसे हालात में आम आदमी पार्टी पर कोई कैसे भरोसा करें। वहीं भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने कहा कि, अरविंद केजरीवाल ने दस सालों के दौरान अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया। उन्होंने 10 साल पहले जो वादे किए थे उन वादों का आज नतीजा क्या है। उसकी आज स्थिति क्या है? 70 में से एक भी वादा पूरा नहीं हुआ। 10 साल दिल्ली बेहाल- यह उसकी सच्चाई है। चाहे उनका जन लोकपाल का वादा हो, चाहे स्वराज का वादा हो, चाहे 500 स्कूल खोलने का वादा हो, चाहे 20 कालेज खोलने का वादा हो, चाहे यमुना की सफाई का वादा हो, चाहे साफ पर्यावरण का वादा हो, आठ लाख नौकरियों का वादा हो, कर्मचारियों को पक्का करने का वादा हो, ऐसा कोई भी वादा पिछले दस साल में वो पूरा नहीं किया गया। दिल्ली उनको एक भ्रष्ट और असफल मुख्यमंत्री के तौर पर याद करेगी।

घरों से ई-कचरा उठाने को एनडीएमसी ने की पहल

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगर पालिका परिषद ने अपने क्षेत्र के घरों से ई-कचरा उठाने के लिए अभियान की शुरुआत की है। परिषद ने अलग-अलग क्षेत्रों के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। अधिकारी ई-कचरा एकत्रित करने वालों के साथ मिलकर काम करेंगे। एनडीएमसी की ओर से अपने क्षेत्र में घरों से ई-कचरा उठाने की पहल की गई है। दरअसल, घरों से आमतौर पर ऐसे बहुत सारी चीजें निकलती हैं, जिन्हें ई-कचरा की श्रेणी में रखा जाता है। इनमें खराब पड़े मोबाइल एसेसरीज, टीवी, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन, ड्रायर, एयर कंडीशनर, माइक्रोवेव, वैक्यूम क्लीनर, इलेक्ट्रिक स्टोव, कंप्यूटर, लैपटॉप, स्मार्टफोन, ट्यूबलाइट, बल्ब, सीएफएल, बच्चों के इलेक्ट्रॉनिक खिलौने आदि के टूटे-फूटे हिस्से आमतौर पर हर घर से कचरे के तौर पर निकलते हैं। इस कचरे को रीसाइकिल किया जा सकता है, लेकिन जागरूकता के अभाव में लोग आमतौर पर इसे सामान्य कचरे के साथ मिलाकर रखते हैं। इससे ई-कचरे में मौजूद चीजों का फिर से उपयोग नहीं हो पाता। ई-कचरे की उपयोगिता को देखते हुए एनडीएमसी ने अपने क्षेत्र में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की है।

दिल्ली में भाजपा का केजरीवाल के खिलाफ अनोखा प्रदर्शन, शीश महल की प्रदर्शनी लगाई

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली भाजपा ने आज कनॉट प्लेस में केजरीवाल सरकार के खिलाफ अनोखा प्रदर्शन किया है। प्रदर्शन में अरविंद केजरीवाल के आवास (शीश महल) की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसके साथ ही भाजपा की ओर से केजरीवाल सरकार पर कथित शराब घोटाले और दिल्ली में बिजली की दरों में बढ़ोतरी का आरोप लगाते हुए एक कटआउट भी लगाया गया है। कनॉट प्लेस में एक मंच तैयार किया गया है। मंच पर कार्यकर्ताओं के पीछे एक बड़ा पोस्टर लगा है, जिसमें लिखा है कि भ्रष्टाचारी अरविंद केजरीवाल, भ्रष्टाचार का हिसाब देना होगा। इसके अलावा प्रदर्शन में अरविंद केजरीवाल के आवास (शीश महल) की प्रदर्शनी लगाई गई है। अरविंद केजरीवाल के आवास (शीश महल) की प्रदर्शनी के पास एक पोस्टर लगा है जिसमें लिखा है कि 52 करोड़ वाला भ्रष्टाचार का हाशीश महलहः आम आदमी पार्टी का खास महल। वहीं दूसरे पोस्टर में लिखा है, दीवार चार करोड़, कमोड पांच लाख, टीवी दस लाख, मार्बल आठ करोड़, इंटीरियर 11.3 करोड़ और पर्दे एक करोड़। दिल्ली की जनता अपने टैक्स का हिसाब मांग रही है? ने दिल्ली की जनता से अपील की कि आने वाले चुनावों में भाजपा को भारी मतों से जिताएं और दिल्ली को केजरीवाल से मुक्त कराएं। एक अन्य कार्यकर्ता ने कहा कि ये मॉडल भ्रष्टाचार के शीश महल की प्रदर्शनी हमने दिल्ली के युवाओं के लिए लगाई है। बता दें कि आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके बाद आतिशी ने जनता से अगले चुनाव में एक बार फिर अरविंद केजरीवाल को चुनने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि अरविंद केजरीवाल को नहीं चुना गया, तो भाजपा दिल्ली की जनता का हाल बुरा कर देगी, ना उन्हें मुफ्त बिजली मिलेगी और ना ही मुफ्त पानी। अरविंद केजरीवाल मेरे बड़े भाई हैं, गुरु हैं। उन्होंने मुझे आज इतना बड़ा मौका दिया, इसके लिए उन्हें बहुत-बहुत धन्यवाद, लेकिन यह मेरे लिए और हम सबके लिए एक बहुत भावुक क्षण है। वहीं दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आतिशी को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी थी। लेकिन उन्होंने कहा था कि दिल्ली का सिर्फ मुख्यमंत्री बदला है, आम आदमी पार्टी का भ्रष्टाचारी चरित्र अभी भी वहीं है। आतिशी के मंत्रिमंडल में वही पुराने चेहरे हैं, जो पहले अरविंद केजरीवाल के मंत्रिमंडल का हिस्सा थे। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि केवल एक या दो नए चेहरे हैं, लेकिन अधिकांश पुराने मंत्रियों की वापसी से यही लगता है कि कोई बदलाव नहीं हुआ है। सचदेवा ने यह भी कहा था कि आतिशी को केजरीवाल के भ्रष्टाचारी शीश महलहः के दरवाजे खोलने चाहिए, ताकि लोग जान सकें कि कैसे जनता के पैसे का दुरुपयोग किया गया है। उन्हें यह दिखाना चाहिए कि दिल्ली की जनता के खून-पसीने की कमाई को किस तरह से ऐशो-आराम में उड़ाया गया है। अगर वह ये चीजें दिल्ली की जनता को दिखाती हैं, तो लगेगा कि कुछ बदला है। अन्यथा, यह पुरानी शराब है जो नई बोतल में पैक होकर आई है।

दिल्ली की जनता तय करेगी केजरीवाल का भविष्य, भाजपा का प्लान फेल: संदीप पाठक

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार (22 सितंबर) को जंतर-मंतर से जनता की अदालत शुरू की। इस अभियान के जरिए दिल्ली की जनता से जुड़ने की कोशिश की गई है। इस कार्यक्रम को लेकर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ संदीप पाठक ने कहा कि, अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री जनता ने बनाया था। कानून तो अपना काम कर रहा है। कानून उनको बरी कर भी देगा। जनता तय करेगी कि केजरीवाल को आगे मुख्यमंत्री रहना है या नहीं रहना है। हम लोग जनता की अदालत में जाएंगे, हम एक-एक घर में जाएंगे, एक एक से बात करेंगे और उनको बताएंगे कि आपके परिवार को सुखी रखने के लिए हमने क्या कुछ किया। जनता से हमारा संपर्क हर साल से चल रहा है। उन्होंने आगे कहा कि, भाजपा ने मैं यह पूछना चाहूंगा आपको तो जनता ने वोट ही नहीं दिया। पिछले दो इलेक्शन से जनता आपको खारिज कर रही है। इस बार भाजपा के पापों का हिसाब जनता देने वाली है। इस बार दिल्ली में भाजपा का खाता नहीं खुलने वाला है। अरविंद केजरीवाल ने भाजपा की जीत के रथ को रोकने में सफलता हासिल की है। ये लोग सरकार को तोड़ने की सीरीज में शामिल हुए। कई राज्यों में विपक्षी दलों की सरकार को गिराते-गिराते दिल्ली आए। दिल्ली में जब यह पहुंचे तो इनका प्लान फेल हो गया। अरविंद केजरीवाल अरविंद केजरीवाल है और इनकी (भाजपा) गंदी राजनीति की कोई औकात नहीं।

पिस्तौल के साथ बदमाश को दबोचा

नई दिल्ली। सीमापुरी थाने की ईआरवी टीम ने गश्त के दौरान 19 सितंबर को पिस्तौल के साथ एक बदमाश प्रशांत को गिरफ्तार किया है। इस दौरान उसका साथी गाड़ी लेकर फरार होने में कामयाब हो गया। पुलिस उपायुक्त सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि ईआरवी पर तैनात एएसआई धर्मेंद्र, कॉन्स्टेबल रोहित बंसल के साथ गश्त पर निकले थे। उन्होंने देखा कि एक कार फुट ओवरब्रिज के पास संदिग्ध रूप से खड़ी है। एएसआई धर्मेंद्र ने ईआरवी गाड़ी को सड़क किनारे पार्क किया और संदिग्ध कार का निरीक्षण करने चले गए। निरीक्षण के लिए जब वह वाहन के पास पहुंचे तो गाड़ी में बैठा एक युवक गेट खोलकर भागने लगा।

अगले साल शुरू होगा नई दिल्ली स्टेशन का पुनर्विकास

नई दिल्ली। अगले वर्ष नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का विकास कार्य शुरू हो जाएगा। इसको लेकर आरएलडीए (रेल भूमि विकास प्राधिकरण) ने रविवार को टेंडर निकाला है। इसमें 14 नवंबर तक विभिन्न कंपनियों से आवेदन मांगे गए हैं। 45 माह में 2,469 करोड़ की लागत से स्टेशन का पुनर्विकास किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य की घोषणा वर्ष 2023 के बजट में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने की थी। इस कार्य को अलग-अलग चरणों में किया जा रहा है, ताकि यात्रियों को परेशानी न हो। आरएलडीए ने पहले मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब के लिए टेंडर जारी किया था और अब रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए टेंडर निकाला है। आगामी 15 अक्तूबर को टेंडर से संबंधित प्री-बिड कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जाएगा। रेलवे अधिकारियों को उम्मीद है कि नवंबर माह के अंत तक टेंडर की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी और अगले वर्ष की पहली तिमाही से पुनर्विकास कार्य शुरू हो जाएगा। पूर्व में यह साफ किया गया है कि रेलवे स्टेशन को पुनर्विकास कार्य के दौरान पूरी तरह से बंद नहीं किया जाएगा। मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब का कार्य शुरू रेलवे क्लब और रेल यात्री निवास को तोड़कर यहां 14 मंजिला इमारत बनाई जाएगी। इसमें से पांच मंजिल पर कार और ऑटो की पार्किंग होगी, जबकि अन्य नौ मंजिलों में अधिकारियों का दफ्तर होगा। इसका कार्य शुरू हो गया है और लगभग दो साल में इसके पूरा होने की उम्मीद है।

नशा करने के लिए वारदात को देते थे अंजाम, धरे

नई दिल्ली। डाबड़ी थाना पुलिस ने 18 सितंबर को दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों अक्षर और राहुल उर्फ टाइगर की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की छह स्कूटी, दो कार, एक बाइक और एक ई-रिक्शा बरामद किया है। दोनों नशा करने के लिए वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि इलाके में गश्त पर निकले कॉन्स्टेबल सुरेश को सूचना मिली कि एक कुख्यात चोर इलाके में आने वाला है। इसके बाद एसएचओ डाबड़ी वीरेंद्र सिंह, कॉन्स्टेबल करण और सुरेश की टीम ने सोम बाजार रोड, जीवन पार्क के पास ट्रैप लगाया और एक संदिग्ध गाड़ी को आते देख रुकने का इशारा किया। गाड़ी रुकने के साथ ही उसमें बैठे दोनों लोग उतरकर भागने लगे।

राष्ट्रीय राजनीति की नर्सरी : दिल्ली विश्वविद्यालय

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

विश्वविद्यालय स्तर की छात्र राजनीति और राष्ट्रीय राजनीति के बीच एक गहरा और जटिल संबंध है। यह केवल एक संयोग नहीं है कि कई प्रमुख राजनीतिक नेताओं ने अपने करियर की शुरुआत विश्वविद्यालय के परिसरों से की है। वास्तव में, विश्वविद्यालय स्तर की छात्र राजनीति अक्सर भविष्य की राष्ट्रीय राजनीति की प्रारंभिक नर्सरी होती है। यह न केवल भविष्य के नेताओं को प्रशिक्षित करने का एक मंच प्रदान करती है, बल्कि राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर चर्चा और बहस के लिए एक महत्वपूर्ण मंच भी प्रदान करती है। इसीलिए छात्र राजनीति के दाव पेंच सीखने वाले अधिकांश छात्र नेताओं ने विश्वविद्यालय में प्रवेश लेकर छात्र संघ चुनाव जीतकर अपनी केंद्रीय राजनीति में पहचान बनाई है। भारत के तमाम केन्द्रीय विश्वविद्यालय, राज्यों के विश्वविद्यालय, उनसे संबद्ध कॉलेजों में प्रति वर्ष छात्र-संघ के चुनाव होते हैं। इन चुनावों के मुद्दे छात्रों की समस्याओं से लेकर देश की विभिन्न समस्याओं से भी जुड़े होते हैं। इन चुनावों में राष्ट्रीय राजनीति पर भी बहस होती है। लेकिन दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्र संघ चुनाव की गूंज न केवल राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करती है बल्कि इसका असर आने वाले विधानसभा चुनावों पर भी पड़ता है। इस बार के छात्र संघ चुनाव के साथ हरियाणा में विधानसभा का चुनाव हो रहा है इसका कितना प्रभाव पड़ेगा यह तो 27 सितम्बर के बाद ही पता चलेगा। विश्वविद्यालय स्तर की छात्र राजनीति युवा छात्रों को नेतृत्व के गुण विकसित करने का एक अनूठा प्लेटफॉर्म प्रदान करती है। छात्र संघ के चुनावों में भाग लेना, विभिन्न मुद्दों पर अभियान चलाना, और अपने साथी छात्रों का प्रतिनिधित्व करना - ये सभी गतिविधियाँ छात्रों में नेतृत्व कौशल विकसित करने में मदद करती हैं। उदाहरण के लिए – स्थानीय मुद्दों पर बोलने की क्षमता विकसित करना, पार्टी की कार्य योजना के अनुरूप विचारों को रखना, संगठन तैयार करने की क्षमता विकसित करना, प्रशासन तक अपनी मांग रखना से रखने की क्षमता विकसित करना, कार्य करने की रणनीति बनाने की क्षमता विकसित करना, कुशल प्रबंधन की क्षमता विकसित करना आदि।

ये कौशल न केवल राजनीति में, बल्कि जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता के लिए अग्रणी भूमिका निभाने में महत्वपूर्ण है। इस प्रकार, विश्वविद्यालय स्तर की छात्र राजनीति भविष्य के नेताओं को तैयार करने में मदद करती है, चाहे वे राजनीति में जाएं या किसी अन्य क्षेत्र में। छात्र राजनीति युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों के बारे में विचार करने और जागरूक होने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह उन्हें सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त करने और उन पर कार्रवाई करने का एक ऐसा मंच प्रदान करती है जो भविष्य की केंद्रीय राजनीति में उनकी पहचान बना सके। इससे न केवल उनकी राजनीतिक समझ विकसित होती है बल्कि उन्हें सचेतन नागरिक बनने के लिए भी प्रेरित करती है। ध्यान देने वाली बात है, सन 1970 और 1980 के दशक में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों ने जय प्रकाश नारायण के नेतृत्व में हस्तक्षेप क्रांतिक आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। यह आंदोलन तत्कालीन सरकार की भ्रष्टाचार और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ व्यापक रूप ले लिया था। जिसके परिणामस्वरूप आपातकाल की घोषणा हुई और उसमें गैर कांग्रेस के छात्र संगठनों से जुड़े छात्रों की धरपकड़ हुई जिसमें बहुत से छात्र नेताओं और आंदोलनकारी शिक्षकों को जेल में डाल दिया गया। लंबी जेल यात्रा से छूटने के बाद इनमें बहुत से राष्ट्रीय राजनीति में आ गए थे। विधानसभा और लोकसभा के चुनावों का इन्होंने नेतृत्व किया था।

एबीवीपी उम्मीदवारों ने छात्रावासों में किया प्रचार

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से अध्यक्ष पद के प्रत्याशी ऋषभ चौधरी, उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी भानु प्रताप सिंह सहित एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने रविवार को दिल्ली विश्वविद्यालय के राजीव गांधी महिला छात्रावास, ग्वायर हॉल, मानसरोवर छात्रावास, पीजी मेन्स, मेघदूत आदि छात्रावासों में संपर्क अभियान चलाते हुए इस वर्ष होने वाले डूसू चुनावों में विद्यार्थियों को अपने मुद्दे बताते हुए चुनाव प्रचार किया और उनसे सहयोग मांगा।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली विश्वविद्यालय में डूसू चुनाव 27 सितंबर को वोट पड़ने वाले हैं, इसको लेकर एबीवीपी के चारों प्रत्याशी दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रत्येक कॉलेज के विद्यार्थियों से अपने मुद्दों को प्रमुखता से रखते हुए उनका समर्थन एवं सहयोग मांग रहे हैं। एबीवीपी द्वारा जारी किया गया घोषणा-पत्र विद्यार्थियों द्वारा दिए गए सुझावों के अनुसार ही बनाया गया है और उनकी समस्याओं के निवारण हेतु एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया गया है। आगामी छात्रसंघ चुनाव में हम रिकॉर्ड मतों से चारों सीटों पर विजयी होते दिखाई देंगे। एबीवीपी की तरफ से अध्यक्ष पद के प्रत्याशी ऋषभ चौधरी ने कहा,दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए एबीवीपी नेतृत्व वाला डूसू हमेशा से प्रतिबद्ध रहा है। एबीवीपी के नेतृत्व में डूसू ने छात्रों के सर्वांगीण उत्थान के लिए हर स्तर पर कार्य किया है। आज हमने दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के आवासों पर जाकर उनसे संवाद किया एवं उनकी समस्याओं को जाना तथा उनके निराकरण के लिए हर संभव प्रयास भी किया। हम दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं और आगे भी ऐसे ही करते रहेंगे।

एबीवीपी की तरफ से सचिव पद की प्रत्याशी मित्रविंदा कर्णवाल ने कहा,एबीवीपी नीत डूसू दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों के लिए 365 दिन किसी भी परिस्थिति में उपस्थित रही है और आगे भी रहेगा। दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों की समस्याओं के निराकरण के लिए हम हमेशा से प्रतिबद्ध हैं। आज हम दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों की समस्याओं को जानने के लिए उनके छात्रावास, पीजी, फ्लैट्स में गए एवं उनके निवारण के लिए प्रयास भी किया।

संक्षिप्त खबरें

रेलवे ट्रैक पर चढ़ा पानी रेल यातायात हुआ प्रभावित

बरियारपुर (मुंगेर)। जमालपुर-भागलपुर रेल खंड पर रेलवे पुल संख्या 195 के गाडर मे बाढ के पानी स्पर्श होने के कारण रेल परिचालन बन्द हो गाया है। मध्यरात्री से जमालपुर भागलपुर रेल खंड पर रेल परिचालन बन्द होने से दैनिक यात्रियों में आक्रोश व्याप्त हो गया है। जहां रतनपुर बरियारपुर रेलवे स्टेशन के मध्य रेलवे पुल संख्या 195 के गाडर वाल में बाढ के पानी स्पर्श होने की सुचना रात्रीकालीन गस्ती दल द्वारा बरियारपुर सहायक स्टेशन पंकज कुमार सिंह ने इसकी सुचना मालदा कन्ट्रोल को दिया है। अधिक्षण अभियंता घटनास्थल पहुंच कर जांच प्रारम्भ कर आवागमन पर पूर्ण तह रोक लगा दिया है।

स्कूलों की पुताई गुलाबी और मैरून रंग से होगी

गिद्धौर। जमुई जिले में विद्यालयों की रंगाई-पुताई मरम्मत का कार्य अब जिला स्तर पर गठित समिति द्वारा प्राथमिकता निर्धारित करते हुए निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार और वित्तीय अधिसीमा के अनुकूल अधिकृत एजेंसी द्वारा कराया जाएगा।विद्यालय भवन के रंगाई पुताई के क्रम में प्रारंभिक विद्यालय वर्ग 1 से 8 तक के स्कूलों के बाहरी भाग को गुलाबी रंग बॉर्डर में मैरून रंग और भवन के अंदर में सफेद रंग का इस्तेमाल किया जाएगा। जबकि हाई स्कूल के बाहरी भाग में ग्रे रंग बॉर्डर में नीला रंग और भवन के अंदर में सफेद रंग का इस्तेमाल किया जाएगा। बता दें कि सरकारी विद्यालयों में आवश्यकता अनुरूप भौतिक सुविधाएं बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य कराया जाएगा। योजनाओं के चयन एवं प्राथमिकता का निर्धारण जिला पदाधिकारी और डीएम अनुपस्थिति में उप विकास आयुक्त की अध्यक्षता में गठित समिति करेगी।

बैठक के दौर से बाहर निकल बाढ़ पीड़ित को सरकारी सुविधा मुहैया कराए जिला प्रशासन : सपा

आपदा में अवसर तलाशने में जुटे हैं तमाम अधिकारी : पप्पू

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। जिले में बाढ़ की स्थिति किसानों के फसल नुकसान सहित जिले के मूलभूत समस्याओं पर आक्रोशित समाजवादी पार्टी के जिला पदाधिकारी की एक आवश्यक बैठक जिला मुख्यालय स्थित किला परिसर के शहीद स्मारक भवन में जिला अध्यक्ष पप्पू यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई । बैठक को संबोधित करते हुए सपा जिला अध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा कि आपदा के मौके तलाशने वाले अधिकारी बैठक के दौर से बाहर निकल बाढ़ पीड़ितो के बीच पहुंच कर सरकारी सुविधा का भरपूर लाभ दें अन्यथा जिले की स्थिति कभी भी भयावह हो सकती है वहीं उन्होंने सरकार और जिला प्रशासन को आगाह करते हुए कहा कि सरकार के सांसद विधायक व जिला प्रशासन सड़क अपराध और विद्युत की अनियमित आपूर्ति पर सजग हो अन्यथा समाजवादी पार्टी ऐसे अकर्मण्य नेताओं को क्षेत्र में घुसने नहीं देगी । बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित समाजवादी लोहिया वाहिनी के प्रदेश महासचिव रविकांत झा ने सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि यह सरकार लुटेरों की सरकार है जो आम जनता का शोषण कर रही है उन्होंने कहा कि सड़क मरम्मत के नाम पर जिला प्रशासन मुंगेर जमालपुर के सड़कों पर चिप्पी साट रही है जो और भी जानलेवा होगी और सरकार गाल बजा रही है । वहीं पार्टी के प्रधान महासचिव मनोज कुमार मधुकर ने कहा कि बाढ़ के भयावह स्थिति से हजारों परिवार बेघर हो गए किसानों की फसल नष्ट हो रही है सरकार अभिलंब किसानों के नष्ट हुए फसलों का सर्वे कराकर मुआवजा की घोषणा करें अन्यथा हम लोग आंदोलन के लिए सड़क पर उतरेंगे । बैठक के अंत में दिनांक 10 अक्टूबर को समाजवादी योद्धा पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव एवं 12 अक्टूबर को महान समाजवादी चिंतक विचारक डॉ राम मनोहर लोहिया के पुण्यतिथि का आयोजन करने एवं मूलभूत समस्याओं पर आंदोलन करने का निर्णय लिया गया । बैठक में जिला उपाध्यक्ष रामनाथ राय वरिष्ठ नेता सुरेश यादव मुंगेर नगर अध्यक्ष मो आजम सदर प्रखंड अध्यक्ष ईश्वर मंडल मीडिया प्रभारी मनोज क्रांति ने भी संबोधित किया। बैठक में गोपाल वर्मा मनिष यादव छडपन मंडल कुणाल रंजन सुनिल साव जितेंद्र यादव रंजीत सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

धर्म आस्था : 24 व 25 सितंबर को जिउतिया व्रत, 24 को सूर्योदय से पहले ओटधन

- चार साल बाद खरजिउतिया का दुर्लभ संजोग महिलाएं शुरू कर सकती है जिउतिया व्रत

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर। जिउतिया व्रत 24 और 25 सितंबर को होगा। इस वर्ष अमृत योग में जिउतिया व्रत का शुभारंभ होगा। जबकि ओटघन व स्त्रियों का विशेष भोजन 23 सितंबर को रात्रि के अंत अर्थात सूर्योदय से पहले होगा। इस बार जिउतिया का पारण 25 सितंबर को दिन के अंतिम भाग अर्थात संध्या काल 5 बजकर 5 मिनट के उपरांत डाली खोलकर पारण होगा।इस वर्ष दो दिन का व्रत हो जाने से पहली बार जिउतिया व्रत करने वाली महिलाओं के लिए थोड़ी कठिनाई हो सकती है।इस बार चार वर्ष बाद खरजिउतिया का भी दुर्लभ संजोग है। खरजिउतिया लगने पर ही स्त्रियां पहली बार व्रत करती है।जिसके लिए बहुत दिनों तक इंतजार में महिलाएं रहती है। यह जानकारी गिद्धौर थाना क्षेत्र के पतसंडा निवासी पंडित दीपू पांडे ने दी। मंगलवार या शनिवार को अगर अष्टमी व्रत लगता है तो खर जिउतिया लग जाता है। जिसमें पहली बार महिलाएं जिउतिया व्रत उठाती है। खरजिउतिया लगने पर व्रत उठाने वाली महिलाएं के संतान की अकाल मृत्यु नहीं होती है। अतः हरेक दृष्टिकोण से यह व्रत स्त्रियों के लिए बड़ी साधना है। इस व्रत में जल तक लेने का विधान नहीं है। गंगा पुलकित पंचांग और विद्यापति पंचांग अनुसार व्रत के दौरान संकट आने पर या विशेष परिस्थिति उत्पन्न होने पर जल,शर्बत,शुद्ध देसी गाय के दूध एवं जूस आदि ग्रहण कर व्रत पूर्ण किया जा सकता है। वंशवृद्धि के लिए बांस के पत्तों से पूजा आश्विन मास की कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि में प्रदोश काल में जीमुतवाहन भगवान की पूजा करने का विधान है।भविष्यपुराण में कहा गया है कि यह व्रत अष्टमी तिथि प्रदोष काल व्यापिनी ग्रहण करनी चाहिए।आश्विन मास के कृष्ण पक्ष अष्टमी जीवित पुत्रिका नाम से प्रसिद्ध है। जो सभी स्त्रियों के संतानों और अखंड सौभाग्य प्रदान करने वाली है। पूजा विधान के अनुसार आंगन में पोखर बना पाकड़ वृक्ष रोपें। उसमें गोबर-माटी से चिल्ली डाली पर एवं पुनः गोबर- माटी से सियारिनी वृक्ष के नीचे धोंधर में रखें। मध्य में जल से भरा हुआ कलश रखे। उस कलश पर कुश से निर्मित जीमुतवाहन भगवान की प्रतिमा स्थापित कर अनेक रंगों की पताका लगानी चाहिए। इसके बाद कुश,तिल,जल लेकर संकल्प कर अनेक पदार्थों से पूजन करें एवं जीमुतवाहन भगवान की कथा सुननी चाहिए। जीमुतवाहन व्रत उपवास में वंशवृद्धि के लिए बांस के पत्तों से पूजन करने की परंपरा है।

सरकारी अस्पताल की खुल रही पोल अस्पताल परिषर में किया गया तालाबंदी

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो जमुई : जमुई जिले के सोनो प्रखंड अंतर्गत काली पहाड़ी गाँव में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र काली पहाड़ी में डाक्टर, नर्स एवं कोई भी सरकारी कर्मियों के नहीं रहने के कारण दर्जनों ग्रामीण एकजुट होकर स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि सुनिल कुमार दास की निगरानी में रविवार को तालाबंदी कर दिया गया है । मुखिया प्रतिनिधि सुनिल कुमार दास ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र काली पहाड़ी में पिछले कई दिनों पुर्व से किसी भी डाक्टर एवं कोई भी नर्स अथवा एक भी सरकारी कर्मी नहीं है तथा मरिजों के लिए किसी भी बिमारी का इलाज के लिए कोई दवा उपलब्ध नहीं है। साथ ही अस्पताल के अंदर सभी बेड बिलकुल खाली पड़ा हुआ है । इसके अलावा डाकटरों को बेठनें के लिए कार्यालय भी खाली पड़ा रहता है । जिस कारण स्थानीय मरिजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । मौके पर उपस्थित गंदर पैक्स कुंदन यादव ने बताया कि इस अस्पताल में डाकटरों ओर नर्सों को नहीं रहने के कारण गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए अन्यत्र ले जाना पड़ता है । लिहाजा बाध्य होकर ग्रामीणों ने अस्पताल परिसर में तालाबंदी कर दिया है ।

प्रमंडलीय आयुक्त ने राजस्व से संबंधित समीक्षात्मक बैठक किया

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। मुंगेर प्रमंडल अंतर्गत सभी अपर समाहर्ता, भूमि सुधार उप समाहर्ता के साथ प्रमंडलीय आयुक्त संजय कुमार सिंह ने राजस्व से संबंधित समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में आयुक्त के सचिव अरविंद कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी दिलीप कुमार देव, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी देवव्रत मिश्रा एवं अन्य भी उपस्थित थे। विगत दिनों अत्यधिक वर्षापात के कारण कई जिलों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने के संबंध में आयुक्त ने जिलावार बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की। लखीसराय, बेगूसराय, मुंगेर, शेखपुरा, खगड़िया जिला में कई प्रखंडों के विभिन्न पंचायतों में जलस्तर बढ़ने से बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली गयी। आयुक्त को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सामुदायिक किचन की स्थापना प्रभावित लोगों के बीच पॉलिथीन सीट, स्वास्थ्य सुविधाएं, राहत शिविर, पशु के लिए पशु चारा की सुविधा, एंटी रैबिज और एंटी वेनम, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ की उपलब्धता एवं अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में अवगत कराया गया। बताया गया कि बेगूसराय जिला में आठ प्रखंड के 70 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। 47 सामुदायिक किचन की स्थापना की गयी है एवं राहत कार्य युद्धस्तर पर किए जा रहे हैं। मुंगेर जिला में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 20 राहत शिविर बनाया गया है। पॉलीथिन सीट एवं सूखा अनाज का भी वितरण किया जा रहा है। इसके अलावे सामुदायिक किचन के माध्यम से लोगों को भोजन मुहैया करायी जा रही है। वहीं खगड़िया जिला में चार प्रखंड बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बारह सामुदायिक किचन स्थापित किए गए हैं। पॉलीथिन सीट का वितरण किया जा रहा है। मेडिकल कैंप, पशु चारा पशु आश्रय स्थल की भी व्यवस्था की गयी है। गर्भवती महिलाओं के लिए वोट एंबुलेंस के माध्यम से उनकी स्वास्थ्य जांच एवं स्वास्थ्य की देखभाल की जा रही है। लखीसराय जिला में प्रभावित क्षेत्रों में राहत शिविर, सामुदायिक किचन का संचालन किया जा रहा है। साथ ही अन्य सभी व्यवस्थाएं भी की जा रही है।

आयुक्त ने पशु चारा एवं पशु आश्रय स्थल का भी विशेष रूप से व्यवस्था करने का निर्देश दिया। साथ ही तटबंधों की सुरक्षा, आवश्यक दवाएं यथा सर्प दंश, एंटि डायरिया, ओआरएस, हैलोजन टैबलेट आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। आयुक्त ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पीड़ितों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उन्हें मुहैया कराएं। किसी भी परिस्थिति में पीड़ितों को भोजन, पेयजल आदि की कमी न हो, इसका विशेष ध्यान रखें। राहत शिविरों में ब्लीचिंग छिड़काव के साथ ही साफ सफाई की भी समुचित व्यवस्था रखें, ताकि किसी प्रकार का संक्रमण न हो।आगामी 25 सितंबर को अध्यक्ष राजस्व पर्षद की अध्यक्षता में सभी प्रमंडलीय आयुक्त एवं जिलाधिकारियों की आहूत बैठक के संदर्भ में नीलाम पत्र वाद, न्यायालयों में लंबित मामलों एवं अन्य राजस्व संबंधित बिंदुओं पर जिलावार आयुक्त के द्वारा समीक्षा की गयी और लंबित मामलों के निष्पादन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में बिना सूचना एवं अनुमति के अनुपस्थिति को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए कई भूमि सुधार उप समाहताओं से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया गया, जिसमें भूमि सुधार उप समाहर्ता, मुंगेर सदर, बखरी, जमुई, शेखपुरा, बेगूसराय सदर, बलिया सम्मिलित हैं।

बाढ़ ने मचाई तबाही गांव से लेकर शहर जल मंगन

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। गंगा के बढ़ते जल स्तर से हर तरफ पानी ही दिखाई पड़ रहा है। मुंगेर जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत 13 पंचायत में से 11 पंचायत पूरी तरह से बाढ़ के चपेट में आ चुके हैं। लोग अब अपने घर को छोड़ ऊंचे स्थान पर गाय, भैंस, बकरी ,को लेकर अपना आशियाना विद्यालय या किसी अन्य जगहों पर बना चुके हैं। खास कर दियारा क्षेत्र के पंचायत में किसी भी घरों में लोगों को रहना खतरे से खाली नहीं है लोग डरे शहर में घर छोड़ अन्य जगहों पर रहने को मजबूर है। सदर प्रखंड अंतर्गत, तारापुर दियारा कुतलूपुर दियारा, जफर नगर, टिका रामपुर , महुली, शंकरपुर, मय, मिजार्पुर वरदह, जानकी नगर, नौवागढ़ी उत्तरी, तथा नौवागढ़ी दक्षिणी पंचायत के वार्ड संख्या 15,14 एवं 13 पूरी तरह से बाढ़ के चपेट में आ गए हैं लोग विद्यालय में जाकर रहकर अपना जीवन गुजर रहे हैं। वहीं बाढ़ प्रभावित पंचायत के मुखिया द्वारा बताया गया कि हम लोग अंचलाधिकारी सदर मुंगेर तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी सदर मुंगेर को लिखित आवेदन दे चुके हैं हमारे पंचायत के बाढ़ बाढ़ प्रभावित लोगों को रहने खाने से लेकर अन्य सुविधा देने की कृपा किया जाए।

पुल की मरम्मती को लेकर दिया गया एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] रविवार को जर्जर स्थिति में तब्दील हो रहे बरमसिया पुल की मरम्मती को लेकर विभिन्न सामाजिक संगठन की ओर से पुल के नजदीक गणेशी मंदिर के पास एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन की अध्यक्षता जन संघर्ष मोर्चा संयोजक सह बिहार किसान समिति जिलाध्यक्ष विनोद यादव के द्वारा किया गया। धरना प्रदर्शन कर रहे एक स्वर में जबतक पुल निर्माण नही किया जाता है तबतक आंदोलन जारी रहेगा। लोगों ने कहा कि बीते एक साल से बरमसिया पुल के पीलर के पास गडडा होते जा रहा है जिससे पुल की हालत जर्जर है और पुल का पीलर हवा में लटका हुआ है। विनोद यादव ने कहा कि पुल की स्थिति जर्जर होने और पीलर के नीचे गडडा होने से यह पुल कभी भी क्षतिग्रस्त होकर गिर सकता है जिससे कई गांवो का मुख्यालय से संपर्क टूट जाएगा। उन्होनें आगे कहा कि बरमसिया पुल प्रखंड मुख्यालय का प्रमुख पुल में शामिल है जहां प्रत्येक दिन हजारों की तादाद में लोगों को आवागमन होते रहता है। पुल अगर ध्वस्त होता है तो इसका प्रभाव स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यवसाय सहित दैनिक मजदूरों पर पड़ेगा। इसलिए दो दिन के अंदर पुल की जर्जर स्थिति पर अगर जनप्रतिनिधि या जिला प्रशासन की ओर से ठोस कदम नही उठाया गया तो 25 दिसंबर को बिहार के सीएम का पुलता दहन करेगे जिसकी जबाबदेही शासन प्रशासन की होगी। मौके पर मानव सेवा संघ के अध्यक्ष घनश्याम गुप्ता, कामरेड योगी रावत, गौरव सिंह राठौड़, अधिवक्ता मदन यादव, बसपा नेता राजू यादव, अरविंद दास, सोनू बरनवाल सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

बीजेपी देश में नफरत की राजनीति करती है : उमैर खान

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। कांग्रेस पार्टी हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सभी धर्मों का सम्मान करती है। कांग्रेस पार्टी सबको एक साथ लेकर देश की उन्नति चाहती है। उक्त बातें रविवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह मे बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे बिहार प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष उमैर खान ने कही। उन्होंने कहा कि बीजेपी देश मे नफरत की राजनीति करके लोगों को एक दूसरे से लड़ाने का काम कर रही है। कहा कि देश मे महंगाई और बेरोजगारी की समस्या से लोग परेशान हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जब दलितों, गरीबों, वंचितों, अल्पसंख्यकों की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इनकी धमकी से डरने वाली नही है, राहुल गांधी ही नही इस देश मे कांग्रेस के लाखों कार्यकर्ता देश की खातिर अपनी जान निछावर करने को तैयार है। कार्यक्रम मे अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष उमैर खान का जिला कांग्रेस अध्यक्ष सीताराम चौधरी, उप महापौर नाजिया हसन, प्रदेश प्रतिनिधि रामनारायण झा, जिला मीडिया प्रभारी, मो. असलम, जिला उपाध्यक्ष रेयाज अली खां, पूनम झा, अब्दुल हादी सिद्दीकी आदि नेताओं ने पाग-चादर से सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नवनियुक्त अध्यक्ष सरफराज अनवर ने अपने अध्यक्ष को संगठन को जिला से पंचायत और बूथ स्तर तक मजबूत करने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम मे, वरीष्ठ नेता, अय्यूब खान, आफताब आलम, जुबैर आलम, फैयाज खान, इबरार राजा, मो.नसीम हैदर, प्रो.खादिम हुसैन, राजा अंसारी, प्रिंस परवेज, शादाब अतिकी, प्रो.उदयशंकर मिश्र, पिंकू गिरी, तनवीर अनवर, एजाज अनवर, लुतफुर रहमान डाबर, प्रो.शिवनारायण पासवान, मो. अंसार हसन, गणेश चौधरी,शुशील कुमार सिंह, धनंजय सिंह,हसमत अंसारी, प्रो. मिथिलेश यादव, उदितनारायण चौधरी, मनोरंजन झा सहित सैकड़ों की संख्या मे कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी ताकत के साथ कार्य कर रही है

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । गंगा के जल स्तर में हुई अप्रत्याशित वृद्धि से जिले में उत्पन्न बाढ़ की विभीषिका से जहां आमजन परेशान हैं वहीं इस प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए जिला प्रशासन पूरी ताकत के साथ कार्य कर रही है। जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह द्वारा स्वयं ही बाढ़ प्रभावित विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। साथ ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के सभी संबंधित पदाधिकारी भी राहत एवं बचाव कार्य में पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रहे हैं। रविवार को भी जिलाधिकारी स्वयं बरियारपुर एवं हेमजापुर जाकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य की जानकारी लिए। साथ ही आमजन से मिलकर उन्हें कहा कि जिला प्रशासन आपके साथ है, आप सभी को जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि गंगा के जल स्तर में आज कोई वृद्धि नहीं देखी गई है और अनुमान लगाया जा रहा है कि अब गंगा का जल स्तर स्थिर रहेगा और कल से गंगा के जल स्तर घटने की भी संभावना जताई जा रही है। उन्होंने सभी लोगों से कहा की आप सभी को एसडीआरएफ की टीम द्वारा विभिन्न पंचायतों में रेस्क्यू कर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का भी कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। आप सभी धैर्य और संयम से रहें। जिला प्रशासन आपके साथ है। जिलाधिकारी ने बताया कि बाढ़ के दृष्टिगत झौवा बहियार और हरिण मार पंचायत ज्यादा प्रभावित हुआ है, वहां एसडीआरएफ की टीम द्वारा नावों के जरिए लोगों को सुरक्षित स्थानों अथवा राहत शिविरों में भेजा जा रहा है। साथ ही उन्हें प्लास्टिक, सुखा अनाज सहित अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा समाहरणालय और सूचना केंद्र के पास विस्थापित पशुओं को जिला पशुपालन पदाधिकारी द्वारा सुखा चारा भी उपलब्ध कराया जा रहा है। बरियारपुर पेट्रोल पंप, नीरपुर, हेमजापुर, बाहाचौकी, चोरगांव आदि स्थानों पर टैंकर के माध्यम से पेयजल की भी व्यवस्था की गई है। दुगार्पुर में बने बाढ़ राहत शिविर में लोगों का चिकित्सीय सुविधा के साथ स्वास्थ जांच भी किया जा रहा है। वहीं हेरू दियारा और तेलियाडीह सहित अन्य स्थानों पर अस्थाई शौचालय की भी व्यवस्था की गई है। इसके अलावा खड़गपुर और बरियारपुर अंचल सहित अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भी सभी वरीय अधिकारियों द्वारा लगातार भ्रमण कर बाढ़ पीड़ितों को सुखा अनाज और प्लास्टिक का भी वितरण किया जा रहा है तथा हर स्थिति पर भी नजर रखी जा रही है।

शिक्षा विभाग की लापरवाही- दूसरे स्कूलों में शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति व मजिस्ट्रेट के साथ उड़नदस्ता की टीम कर रही है मॉनिटरिंग

प्रात : किरण संवाददाता

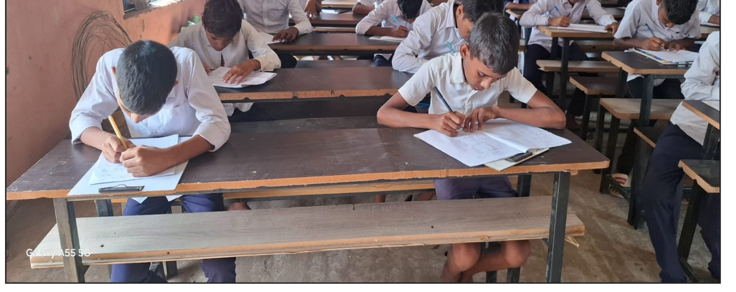

जमुई।अर्ध्य किताबों के साथ शुरू है अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन। यानी बच्चों को किताबें मिला नहीं और परीक्षा शुरू कर दी गई है। यह वानिगी जमुई जिले विद्यालयो में वर्ग एक से आठवीं तक के लिए चल रही अर्द्धवार्षिक परीक्षा है। जहां परीक्षा में शामिल कई बच्चों ने बताया कि नामांकन के छह माह बीत गए और अबतक किताबें नहीं मिली और परीक्षा शुरू हो गई।वह भी मूल्यांकन बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के तर्ज पर,जहां शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति के साथ मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस बल की तैनाती कर कदाचारमुक्त परीक्षा ली जा रही है। जो पूरी तरह से हास्यास्पद है। चुकिं जब बच्चों ने किताब ही नहीं देखा तो बिन पढ़ाई किए परीक्षा कैसे दे रहे हैं।बता दें कि जिले में 18 सितंबर से सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त प्रारंभिक विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं का अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन 2024 के तहत कुल 1808 विद्यालयों में परीक्षा ली जा रही है। सवाल यह है कि जब जिले के विद्यालयों में नामांकित बच्चों में आधे से अधिक के पास कई विषयों का किताब ही नहीं है उन विषयों का परीक्षा उनसे लेना क्रूर मजाक से काम नहीं है। जैसा कि अभिभावक व सामाजिक चिंतकों का कहना है। यह बात सोलह आने सच है। क्योंकि जिले के बहुत ऐसे प्राइमरी व मध्य विद्यालय है जहां के नामांकित बच्चों को नामांकन के छह माह बीतने के बावजूद कई विषयों के किताब अब तक नहीं मिल सका है। बच्चों के भविष्य के साथ हो रहा है खिलवाड़ पिछले 18 सितंबर से शुरू है जो 26 सितंबर को समाप्त होगा। जिसके लिए बजाप्ते परीक्षा संचालित करने का प्रोग्राम निकाला गया है। जहां दो पालियों में प्रथम पाली में 10 बजे पूर्वाह्न से 12 बजे तक जबकि द्वितीय पाली दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक विषयबार परीक्षा ली जा रही है।19 सितंबर को संस्कृत की परीक्षा ली गई।जिसमें दर्जनों ऐसे छात्र-छात्राएं मिली जिन्होंने संस्कृत की किताब तक देखा नहीं है।जब उन्हें किताब मिला ही नहीं है तो फिर परीक्षा देंगे कैसे। यह केवल संस्कृत विषय की बात नहीं है। 21 सितंबर को हिंदी की परीक्षा हुई। जहां के बच्चों को हिंदी की किताब तक नहीं है। यह स्थिति संस्कृति व हिंदी के किताब तक का मामला नहीं है। ऐसे कई विषय है जिसका किताब बच्चों को नसीब तक नहीं हो सका है।जिले के कई ऐसे विद्यालय है जहां के हेडमास्टर किताब उपलब्ध कराने को लेकर डिमांड भेजें है। हालांकि डिमांड पर एक सप्ताह पहले बीआरसी को किताब उपलब्ध कराया गया है।इस तरह बच्चों के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ के प्रति कौन जिम्मेदार है यह सवाल भी है। क्योंकि जब छात्र- छात्राओं को शिक्षा विभाग किताब उपलब्ध ही नहीं कर सकी है तो फिर यह कैसी मूल्यांकन है जो भी बोर्ड की तर्ज पर जहां एक विद्यालय से दूसरे विद्यालय के शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इतना ही नहीं जिला प्रशासन के आदेश पर मजिस्ट्रेट व पुलिस पदाधिकारी भ्रमण कर कदाचार मुक्त परीक्षा कराने में जुटे हैं। निःशुल्क मिलती है किताबें कन्या मध्य विद्यालय में पढ़ने वाली सातवीं की छात्रा कविता कुमारी ने बताया की किताब मिला ही नहीं है। वही कविता व अर्चना ने बताया कि एक भी विषय का किताब नहीं अब तक मिली है। जबकि परीक्षा दे रही है। वही आठवीं की छात्रा ज्योति,रिया,सोनाक्षी,लुशी ने कुछ इसी तरह की बात को बयां करते हुए कहा कि नामांकन के बाद से अब तक कोई किताब मिला ही नहीं है। ऐसे में उनसे पूछे जाने पर की फिर परीक्षा कैसे दे रही हो तो स्पष्ट नहीं बोल पायी। जबकि आधे से अधिक बच्चे बिना किताब पढ़े ही परीक्षा दे रहे हैं। विद्यालय में नामांकित बच्चों को शिक्षा विभाग द्वारा बच्चों को निःशुल्क किताब उपलब्ध कराया जाता है। ताकि बच्चों को पढ़ाई करने में आर्थिक परेशानी आड़े नहीं आये। सरकार की यह सोच काफी अच्छी है परंतु सोच को जमीन पर उतारे बिना परीक्षा लिया जाना यह अपने आप को एक गंभीर सवाल है। क्योंकि बाद में इस परीक्षा में शामिल होने वाले बच्चे खुद को ठगा महसूस करेंगे।लाजमी है। जब उन बच्चों को संबंधित विषयों की जानकारी ही नहीं होगी तो उनकी नींव खराब होगी ही।

कैदी की मौत के बाद थाना पर शव रख तीन घण्टे तक हंगामा

प्रात : किरण संवादाता

बोचहा। दो माह पूर्व आर्म्स एक्ट के मामले में जेल गए एक युवक की ईलाज के दौरान मौत के बाद रविवार को आक्रोशित स्वजनों ने तीन घण्टे तक हंगामा किया। इस दौरान आक्रोशित लोगों ने पुलिस की पिटाई से मौत होने का आरोप लगाकर नारेबाजी की। इस दौरान पुरानी दरभंगा रोड को जाम कर दिया। हंगामा की सूचना मिलते ही गरहां थाना, हथौड़ी थाना व गायघाट थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। करीब तीन घण्टे बाद मौके पर पहुंचे एएसपी सहरियार अख्तर ने आक्रोशित लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया। वहीं पीड़ित से मामले की लिखित शिकायत करने को कहा। मृत युवक की पहचान बोचहां थाना क्षेत्र के करनपुर दक्षिणी पंचायत के धरना निवासी भोला सहनी के 22 वर्षीय पुत्र उदय कुमार है। घटना को लेकर मृतक की मां कैलाशा देवी ने बताया की बीते 10 अगस्त को उसके बेटे को पुलिस ने उसके घर से गिरफ्तार किया। जिसमें पुलिस ने फर्जी तरीके से उसके घर से हथियार बरामद किया। इसके बाद उसे तीन दिन तक थाना में रखकर उसके साथ मारपीट की गई। इसके बाद बुरी तरह से पीटकर जेल भेज दिया गया। घटना के बाद से लगातार ही उसका तबियत लगातार खराब रह रहा था। ईलाज के दौरान शनिवार की रात एसकेएमसीएच में ईलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं मामले को लेकर एएसपी सहरियार अख्तर ने बताया कि मृतक दो माह पूर्व आर्म्स एक्ट में जेल गया था। उसके पास से हथियार बरामद किया गया था। जेल में उसकी तबियत बिगड़ने पर उसे एसकेएमसीएच में ईलाज कराया गया। जहां उसकी मौत हो गई। स्वजनों ने लिखित शिकायत की है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

हमारी विनाश सामग्री हमारी ही जेब में?

जब से मोबाईल फोन प्रचलन में आया है तब से देश में ऐसे सैकड़ों हादसों की खबरें आईं जिनसे पता चला कि मोबाइल फोन में ब्लॉस्ट हो गया। कभी उनकी बैटरी ओवर हीट होकर फट गयी तो कभी चार्जिंग में लगे सेलफोन में विस्फोट गया। याद कीजिये किसी समय में विश्व की सबसे बड़ी मोबाईल निमार्ता कम्पनी मानी जाने वाली ह्यनोकियाह्ल को अपने मोबाईल में होने वाले विस्फोट की घटनाओं के चलते 2007 में अपने बीएल-5सी मोबाइल फोन मॉडल की 46 मिलियन बैटरियों को वापस मंगाना पड़ा था। मोबाईल फोन फटने की इन घटनाओं में अनेक लोगों के बुरी तरह से घायल होने यहाँ तक कि दर्जनों लोगों की मौत होने तक की खबरें आई थीं। केरल में त्रिशूर जिले के तिरुविल्वमला में, राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में उत्तर प्रदेश के बरेली मेरठ व फरुर्खाबाद में, आंध्रप्रदेश के प्रकाशम जिले तथा ओडिशा आदि स्थानों में ऐसे अनेक हादसे हुये जहाँ मोबाईल में हुये विस्फोट के कारण लोगों को अपनी जानें तक गंवानी पड़ीं। इसी तरह पिछली रिकार्ड तोड़ गर्मी के दौरान बढ़ते तापमान के चलते अनेक एयर कन्डीशन के कम्प्रेसर फटने यहाँ तक कि इन विस्फोटों के परिणामस्वरूप घरों में आग लगने तक की खबरें आईं। इसके बाद 2017 में कोरियन स्मार्टफोन कंपनी सैमसंग ने अपने जिस फ़्लैगशिप स्मार्टफोन गैलेक्सी नोट 7 को लॉन्च किया था उसकी लांचिंग के केवल दो सप्ताह बाद ही इस मोबाईल में चार्जिंग के दौरान विस्फोट की शिकायत के कारण कंपनी ने इसकी बिक्री पर रोक लगा दी थी। बाद में गैलेक्सी नोट 7एस खरीद चुके नए स्मार्टफोन को कम्पनी ने बिना शर्त बदलने का निर्देश दिया। उसके साथ ही कम्पनी द्वारा दुनियाभर से गैलेक्सी नोट 7 वापस मांगे लिये गये। उस समय भारत में सैमसंग गैलेक्सी नोट 7 का मूल्य 59, 900 रुपये था। परन्तु इन सब दहशत पूर्ण घटनाओं के बावजूद जनमानस में भय व अविश्वास का ऐसा वातावरण कभी नहीं बना जैसा पिछले दिनों इस्राइल द्वारा छल कपट द्वारा लेबनान के विभिन्न शहरों में एक साथ अंजाम दिये गये पेजर व वॉकी टॉकी में हुये धमाकों और इनके परिणाम स्वरूप होने वाली तबाही के बाद उत्पन्न हुआ है। इन धमाकों में दर्जनों लोगों के मरने व तीन हजार से अधिक लोगों के घायल होने की खबरें हैं। पहले तो यह खबर थी कि लेबनान में धमाके से फटने वाले पेजर को ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक कंपनी गोल्ड अपोलो द्वारा बनाया गया था। जबकि गोल्ड अपोलो ने इस पेजर को बनाने से साफ इनकार कर रही है। गोल्ड अपोलो कंपनी, हंगरी की एक कंपनी को इसके निर्माण का जिम्मेदार बता रही है। गोल्ड अपोलो का दावा है कि लेबनान में एक साथ फटने वाले अफ-924 पेजर का निर्माण बुडापेस्ट स्थित इअउ कंसल्टिंग ङत्रह्ल ने किया था। जोकि एक सहयोग समझौते के तहत बीएसी लेबनान और सीरिया में पेजर की बिक्री के लिए गोल्ड अपोलो ब्रांड के ट्रेडमार्क का इस्तेमाल कर सकती है। परन्तु इसके निर्माण के लिए बीएसी ही जिम्मेदार है गोल्ड अपोलो नहीं। परन्तु हंगरी के अधिकारियों ने भी गोल्ड अपोलो के बयान को खारिज करते हुए कहा कि बुडापेस्ट में मौजूद कंपनी एक व्यापारिक मध्यस्थ है। वहां पर इसका कोई भी उत्पादन यूनिट नहीं है। फिर सवाल यह है कि आखिर लेबनान में फटने वाले पेजर का निर्माण किसने किया? पूरे विश्व को हतप्रभ कर देने वाले इस पूरे घटनाक्रम को लेकर यदि न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट को सच माना जाये तो लेबनॉन में विस्फोट होने वाले पेजर व वाकी टाकी के निर्माण से लेकर इसके विस्फोट तक में इस्राईली खुफिया एजेंसी मोसाद की ही भूमिका है। अज्ञात स्रोतों के हवाले से न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा कि इस्राईल ने पेजर के अंदर बम छिपाए और इसमें एक स्विच जोड़ा, जिसका प्रयोग बाद में उन्हें दूर से विस्फोट करने के लिए किया गया। मोसाद की ही खड़ी की गयी फर्जी कंपनी से ये हैंडसेट खरीदे भी गये थे। मोसाद ने ही ऐसा जाल बिछाया कि उसने लेबनान से पैसे लेकर उन्हें पेजर और वॉकी-टॉकी सेट बेचे और उन्हीं के द्वारा हिज्बुल्लाह के कई लड़ाकों को मार भी दिया। यानी पूरी चतुराई के साथ मारने वाले बम रुपी उपकरण को बनाने का मूल्य भी वसूल किया और उनका विस्फोट कर हत्याएं अंजाम देने का अपना लक्ष्य भी पूरा किया। और इससे भी बड़ी सफलता इस्राईल को तब मिली जब हिज्बुल्लाह ने भयवश पेजर और वाकी टॉकी जैसे इलेक्ट्रानिक उपकरण इस्तेमाल करना ही बंद कर दिया। गौर तलब है कि लोकेशन ट्रेस होने के भय से हिज्बुल्लाह पहले ही मोबाईल के इस्तेमाल बंद कर चुका है। ऐसे में इलेक्ट्रानिक व साइबर तकनीक पर आधारित होते जा रहे दौर में अपनाई जा रही वर्तमान आधुनिक रणनीति में हिज्बुल्लाह इस्राईली छल कपट का सामना कैसे कर सकेगा? इस घटना ने पूरे विश्व को यह भी सोचने को मजबूर कर दिया है कि क्या इलेक्ट्रानिक उपकरण पर आश्रित हो चुकी इस दुनिया का भविष्य भी अब मोसाद जैसी एजेंसियों के हाथों में जा चुका है?

आतंकी नजरें और मीरजाफरों की फौज

देश-दुनिया में आतंक का साय गहराता ही जा रहा है। हथियारों के सौदागर अपने उत्पादनों की बिक्री के लिए नित नये बाजार तैयार करने में जुटे हैं। वैध ढंग से कहीं ज्यादा अवैध ढंग से हथियारों की हो रही बिक्री ने जीवन के सामने चुनौतियां प्रस्तुत कर दी है। आतंकियों के खेमों में हथियारों की आपूर्ति करके राष्ट्रों के सामने सक्षम होने की मजबूरी पैदा की जा रही है। अहंकार के दावानल ने वर्चस्व की जंग शुरू कर दी है। मानसिक दुर्बल लोगों को भडकाने के लिए लालची मीरजाफरों की जमातें तैयार की जा रहीं हैं। कहीं मजहबी हुकूमत का सगूफा फैलाया जा रहा है तो कहीं सीमायें बढाने की जद्दोजेहद हो रही है। ताकत की दम पर सल्तनत हथियाने की तालीम देने वालों में अमेरिका, फ्रांस, चीन, ब्रिटेन, कनाडा जैसे देश हमेशा से ही अग्रणीय रहे हैं। हालिया हालातों में इजराइल के साथ हो रहे हिजबुल्लाह के युध्द में अब फ्रांस ने आमद दर्ज कर दी है। लेबिनान के साथ संबंधों की दुहाई पर उसकी सक्रियता इजराइल के साथ कथित रूप से खडे अमेरिका के लिए बाहर से दिखने वाली एक चुनौती है। ऐसी ही चुनौतियां दिखाकर अन्य देश सहानुभूति की मरहम के नाम पर खूनी चालें चल रहे हैं। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका ने जहां अफगानस्तान, यूक्रेन, पाकिस्तान, बंगलादेश जैसे राष्ट्रों को मानसिक गुलाम बना लिया वहीं चीन की कुटिल चालों में श्रीलंका, म्यांमार, ताइवान, मालदीप, नेपाल, पाकिस्तान जैसे देश पूरी तरह फंस चुके हैं। वे चाहकर भी उसे बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। ईरान से लेकर कतर तक, तुर्की से लेकर सीरिया तक आतंक की पाठशालाओं में वहां की सरकारें अपने छदम्मवेशधारी सेनायें तैयार करने में जुटी हैं। अत्याधुनिक हथियार, नवीनतम तकनीक और कुशल प्रशिक्षण के साथ-साथ भारी मात्रा में धनराशि मुहैया कराई जा रहीं हैं। कहीं हिजबुल्लाह सक्रिय है तो कहीं हूती, कहीं हमास का बोलबाला है तो कहीं अलकायदा। कहीं इस्लामिक स्टेट का फतवा जारी होता है तो कहीं जमात नुसरत अल-इस्लाम वल मुस्लिमीन लहू डूबी कलम से वर्तमान लिखने लगता है, कहीं अल शबाब की गोलियां चलतीं हैं तो कहीं लश्कर-ए-तैयबा के धमाके गूंजते हैं। कहीं अल-नुसरा फ्रंट के जहर बुझे हथियार लोगों की जानें लेते हैं तो कहीं जेमाह इस्लामिया की बारूद से सांसें खामोश होतीं हैं, कहीं अबू सय्याफ के फरमान जारी होते हैं तो कहीं बोको हराम के हमले होते हैं। समूची दुनिया को आतंक के झंडे तले झुकाने की कोशिश में लगे खास मुल्क और उनके खास सरपरस्तों की घातक चालें अब लाशों के कारोबार को बुलंदी पर पहुंचाने में लग गईं हैं। दूसरी ओर देश के अन्दर के हालात भी भीतर-भीतर सुलगती जा रही बारूद बनते जा रहे हैं। म्यामांर के रास्ते आतंकियों ने मणिपुर में कुकी बनकर पहाडों में बंकरों का निर्माण शुरू कर दिया है। गुप्त सूत्रों की मानें तो सीमापार से 900 प्रशिक्षित आतंकियों ने राकेट लांचर, ड्रोन, मिसाइल सहित अत्याधुनिक हथियारों के साथ मणिपुर में आमद दर्ज कर ली है। इन घुसपैठियों ने 30-30 के समूहों में विभक्त होकर पूरे इलाके को अपने कब्जे में ले लिया है। आतंकियों के नेटवर्क के साथ वहां के अनेक प्रशासनिक अधिकारियों के कदमताल करने की चचार्यें भी जोरों पर हैं जो केन्द्रीय बलों को सहयोग देने के स्थान पर भ्रमित करके षडयंत्रकारियों के मंसूबे पूरे करने में लगे हैं। ऐसे ही हालात जम्मू-कश्मीर में भी देखने को मिलते हैं जहां पाकिस्तान के दहशतगर्द देश के मीरकासिमों के सहयोग से अपने पांव फैला बैठे हैं। इन दुश्मनों को संरक्षण देने हेतु अनेक राजनैतिक दलों के जन्मजात नेता निरंतर उत्साहित देखे जाते हैं। हाल ही में कर्नाटक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बी श्रीशानन्द ने बैंगलुरु के बाजार से गोरीपाल्या तक मैसूर रोड फ्लाइओवर के भू भाग को पाकिस्तान में होने जैसी स्थिति का खुलासा करके कटु सच्चाई की ओर देश का ध्यानाकर्षित किया है। एक मामले की सुनवाई के दौरान उन्होंने तो यहां तक कहा कि ह्यमैसूर रोड फ्लाइओवर पर जायें तो हर रिक्शावाले के पास 10 आदमी हैं। वहां कितने भी सख्त अधिकारी भेज दें, उसे पीटा ही जायेगा। यह किसी चैनल पर नहीं दिखाया जा रहा है।

तिरुपति में प्रसादम से खिलवाड़ आस्था पर आघात

मन्दिर-व्यवस्थाएं मूल्यहीन और दिशाहीन हो रही है, उनकी सोच जड़ हो रही है। मिलावट, अनैतिकता, अपवित्रता और अविश्वास के चक्रव्यूह में मन्दिर मानो कैद हो गये है। यह तो दुर्भाग्यपूर्ण एवं विडम्बनापूर्ण है कि प्रसादम के साथ भी खिलवाड़ हो रहा है, सामान्य जन-जीवन में दूध, घी, मसाले, अनाज, दवाइयां तथा अन्य रोजमर्रा के उपयोग एवं जीवन निर्वाह की शुद्ध वस्तुएं किसी भाग्यशाली को ही मिलती होंगी। भारत के लोगों को न शुद्ध हवा मिल रही है और न शुद्ध पानी और न ही शुद्ध खाने का निवाला, कैसी अराजक शासन व्यवस्था है? इस भ्रष्ट एवं अनैतिकता की आंधी मन्दिरों तक पहुंच गयी है

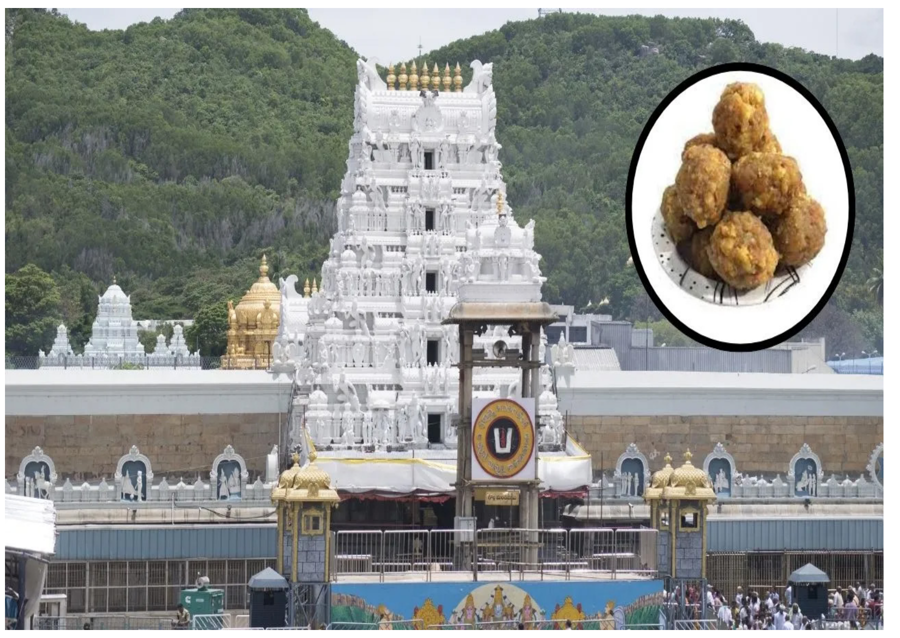

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

लाखों-करोड़ों हिन्दू श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र तिरुमाला भगवान वेंकटेश्वरस्वामी मंदिर में मिलने वाले लड्डू वाले प्रसाद में घी की जगह जानवरों की चर्बी और मछली के तेल का इस्तेमाल की शर्मनाक एवं लज्जाजनक घटना ने न केवल चौंकाया है बल्कि मन्दिर व्यवस्था पर सवाल खड़े किये हैं। यह मामला जितना सनसनीखेज है, उतना ही आस्था पर आघात करने वाला भी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने पहले यह कहा कि तिरुपति मंदिर में मिलने वाले लड्डुओं को बनाने में ऐसी सामग्री का इस्तेमाल किया जाता था, जिसमें पशुओं की चर्बी मिली रहती थी, फिर उन्होंने गुजरात की एक सरकारी प्रयोगशाला से मिली रपट के आधार यह कहा कि लड्डुओं को बनाने में जिस घी का उपयोग होता था, उसमें सचमुच पशुओं की चर्बी, मछली के तेल आदि का प्रयोग होता था। यह घटना हिन्दू आस्था, पवित्रता एवं मन्दिर संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्ठा एवं एक विडम्बनापूर्ण त्रासदी है। अगर प्रसाद के मिलावटी एवं अपवित्र होने की बात सही है तो इससे अधिक आघातकारी, अनैतिक एवं अधार्मिक और कुछ हो ही नहीं सकता। चौंकाने वाली बात यह है कि प्रसाद के तौर इन लड्डुओं का वितरण न केवल श्रद्धालुओं के बीच किया गया, बल्कि भगवान को भी भोग के तौर पर यही लड्डू चढ़ाया जाता था। अब इस मामले में केंद्र सरकार एवं प्रांत सरकार के दखल देने मात्र से संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता क्योंकि हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़ करने वाला यह प्रकरण अक्षम्य अपराध है, जिसकी गहन जांच होनी ही चाहिए, ताकि ऐसे जघन्य कृत्य अन्य मन्दिरों की अस्मिता के धुंधलाने के कारण न बने। प्रथम द्दष्टया मंदिर प्रबंधन प्रसादम से खिलवाड़ का दोषी है। जो मंदिर प्रतिदिन तीन लाख लड्डू बेचकर सालाना 500 करोड़ रुपये तक लाभ कमाता है, वह क्या इतना सक्षम नहीं कि गुणवत्ता जांच के लिए एक किफायत्ती प्रयोगशाला ही बना ले? मंदिर प्रबंधन के पास न तो अपनी जांच सुविधाएं हैं और न वह जांच कराने का इच्छुक था? देश के संपन्नतम मंदिरों में शुमार यह तीर्थ अगर गुणवत्ता, आस्था एवं पवित्रता से समझौता कर रहा है, तो देश के बाकी मंदिरों में क्या हो रहा होगा, सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। मन्दिरों एवं आस्थास्थलों पर दिनोंदिन बढ़ रही श्रद्धालुओं की आस्था एवं भीड़ से आर्थिक लाभ कमाने की मानसिकता न केवल घिनौनी है बल्कि शर्मनाक भी है। मंदिर तो भगवान भरोसे चल रहे हैं, पर मन्दिर-प्रबंधन स्वयं को अर्थपति बनाने में जुटा है, यही कारण है कि मन्दिर को धंधा बना दिया गया है, ऐसे मन्दिर प्रबंधकों, पूजारियों एवं पदाधिकारियों की श्रद्धा न तो भगवान के प्रति है और न भक्तों के प्रति। वे तमाम मंदिर, जो अपने यहां से प्रसाद वितरित करते हैं या बेचते हैं, उन सभी को गुणवत्ता, शुद्धता एवं पवित्रता जांच की व्यवस्था जरूर करनी चाहिए। एक बड़ा सवाल यह है कि ये कौन लोग हैं, जिन्हें पवित्रता एवं जन-आस्था की परवाह नहीं है। मंदिर ट्रस्ट ने प्रसादम से खिलवाड़ और मिलावट की पुष्टि की है। देश के एक पवित्रम श्रद्धा केंद्र तिरुपति मंदिर का प्रबंधन करने वाली संस्था तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम ने कहा है कि घी के आपूर्तिकताओं ने मंदिर में गुणवत्ता जांच की सुविधा न होने का फायदा उठाया है। अब सवाल उठता है कि मंदिर प्रबंधन की सफाई या स्वीकारोक्ति को कितनी गंभीरता से लिया जाए? क्या मंदिर प्रबंधन को अपराध की गंभीरता का अंदाजा है? क्या मंदिर प्रबंधन को मंदिर की पवित्रता का अनुमान है? देश एवं दुनिया के सबसे चर्चित आस्थास्थल से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जरूरी है। यह अफसोस की बात है कि मंदिरों में बाहर से चढ़ने वाला प्रसाद तो पहले से ही संदेह के दायरे में रहता है, पर अगर मंदिर की अपनी रसोई में तैयार होने वाले प्रसाद की भी विश्वसनीयता आहत हुई है, तो यकीन मानिए, इंसान फिर किन पर भरोसा करेगा? क्योंकि व्यापार में मिलावट तो चल ही रही है, अब मन्दिरों में यानी भगवान के दरबार में मिलावट से मनुष्यता गहरे रसातल में चली गयी है। मूल्यहीनता एवं अनैतिकता की यह चरम पराकाष्ठा है। गुणवत्ता एवं पवित्रता सुनिश्चित करने वाले अधिकारियों के लिए यह एक गंभीर चुनौती है और इस चुनौती को स्वीकार करते हुए युद्ध स्तर पर काम करने की आवश्यकता है।

इस खुलासे के बाद लोग अपना गुस्सा एवं आक्रोश भी जाहिर कर रहे हैं। कुछ ऐसा ही 1984 में भी हुआ था जब डालडा में चर्बी मिले होने का मामला सामने आया था, लेकिन वह व्यापार का मामला था, लेकिन तिरुपति प्रसादम में मिलावट का मामला आस्था का है। भूल, अपराध एवं लापरवाही की नब्ज को ठीक-ठीक समझना जरूरी है। भूल सही जा सकती है, लेकिन लापरवाही एवं आपराधिक सोच को सहन नहीं किया जा सकता। दरवाजे पर बैठा पहरेदार भीतर-बाहर आने-जाने वाले लोगों को पहचानने में भूल कर सकता है मगर सपने नहीं देख सकता। लापरवाही एवं अपराधिक मानसिकता विश्वसनीयता एवं पवित्रता को तार-तार कर देती है। बुराइयां जब भी मन पर हावी होती हैं, गलत रास्ते खुलते चले जाते हैं। मन्दिरों पर बुराइयां हावी होना चिन्ताजनक ही नहीं, गंभीर खतरों के संकेत हैं। मन्दिर प्रबंधन को अधिक चुस्त-दुरस्त, पारदर्शी एवं नैतिक बनाने की भी जरूरत है। प्रश्न है कि हिन्दू मन्दिरों में ही ऐसे मामले क्यों सामने आते हैं, क्या मन्दिर प्रबंधन अन्य समुदायों के मन्दिरों या धार्मिक-स्थलों की तरह पवित्र, गुणवत्ता पूर्ण, उच्च चारित्रिक एवं नैतिक देखभाल नहीं कर सकते?

यह मंदिर भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है, जिसे तिरुपति बालाजी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इन्हें भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। मान्यता है कि भगवान वेंकटेश्वर ने लोगों को कलियुग के कष्टों और परेशानियों से बचाने के लिए अवतार लिया था। यहां बालों का दान किया जाता है। मान्यता है कि जो व्यक्ति अपने मन से सभी पाप और बुराइयों को यहां छोड़ जाता है, उसके सभी दुःख देवी लक्ष्मी खत्म कर देती हैं।

एक राष्ट्र, एक चुनाव कराने से क्या बदलाव आएगा?

एक राष्ट्र एक चुनाव के संभावित लाभों के बावजूद, आलोचकों ने लोकतांत्रिक भावना, स्थानीय चिंताओं पर राष्ट्रीय मुद्दों के प्रभुत्व तथा संवैधानिक संशोधनों की आवश्यकता के बारे में चिंता व्यक्त की है। एक राष्ट्र एक चुनाव भारत में विभिन्न राज्यों की अद्वितीय राजनीतिक गतिशीलता और क्षेत्रीय हितों को कमजोर कर सकता है, क्योंकि यह एक समान चुनाव चक्र को बढ़ावा देता है। यह अलग-अलग राज्यों के विविध मुद्दों और आकांक्षाओं को नजरअंदाज कर सकता है, जिससे उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं की उपेक्षा हो सकती है। समकालिक चुनावों के साथ, एक जोखिम है कि राष्ट्रीय मुद्दे स्थानीय चिंताओं पर हावी हो जाएँगे। स्थानीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर पर्याप्त ध्यान और चर्चा नहीं हो सकती है, क्योंकि राजनेता राष्ट्रीय स्तर के प्रचार और एजेंडे पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं...

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

एक राष्ट्र एक चुनाव भारत में प्रस्तावित चुनावी सुधार है जो देश में सभी चुनावों को एक साथ कराने की वकालत करता है, चाहे वह संसदीय, राज्य विधानसभा या स्थानीय निकाय चुनाव हों, हर पाँच साल में एक बार एक साथ कराए जाने चाहिए। इस अवधारणा का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना, चुनाव से संबंधित खर्चों को कम करना, बार-बार होने वाले चुनावों से होने वाले व्यवधान को कम करना और अभियान से हटकर नीति कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करके शासन को बेहतर बनाना है। समर्थकों का तर्क है कि इससे मतदाताओं की भागीदारी भी बढ़ेगी और चुनावों का निरंतर चक्र समाप्त होगा। हालाँकि, कार्यान्वयन के लिए व्यापक संवैधानिक संशोधनों और राजनीतिक दलों और हितधारकों के बीच आम सहमति की आवश्यकता होती है। एक राष्ट्र एक चुनाव के पीछे का विचार भारत में लोकसभा (संसद का निचला सदन) और राज्य विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ समयबद्ध करना है। फिलहाल, भारत में हर पाँच साल में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए राष्ट्रीय चुनाव होते हैं। सरकार पर लागत का बोझ बढ़ाने के लिए, कुछ राज्य अपनी राज्य विधानसभाओं के लिए अलग-अलग चुनाव भी कराते हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव की अवधारणा के तहत सभी चुनाव एक साथ आयोजित करके, चुनावों की संख्या और उनके साथ होने वाले खर्चों को कम करके चुनावी प्रक्रिया को सरल बनाने की उम्मीद है। इस समन्वय के कारण मतदाता एक साथ कई चुनावों में भाग ले सकते हैं, जिससे चुनावी प्रक्रिया सुव्यवस्थित होगी और संभवतः मतदान में वृद्धि होगी। प्रशासन को चुनाव समय-सारिणी में सामंजस्य स्थापित करके शासन की प्रभावशीलता में सुधार करने की उम्मीद है। भारत में एक राष्ट्र एक चुनाव के क्रियान्वयन के कई संभावित लाभ हैं, विभिन्न स्तरों पर चुनावों को एक साथ कराने से चुनाव संबंधी व्यय में उल्लेखनीय कमी आएगी, जिसमें सुरक्षा, रसद और प्रचार की लागत शामिल है। बार-बार चुनाव होने से अक्सर शासन में व्यवधान पैदा होता है क्योंकि नीति कार्यान्वयन के बजाय चुनाव प्रचार पर ध्यान केंद्रित हो जाता है। एक राष्ट्र एक चुनाव से शासन को स्थिर करने की लंबी अवधि मिलेगी, जिससे निर्वाचित प्रतिनिधि नीतियों को लागू करने पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। बार-बार चुनाव होने से कभी-कभी मतदाता थक जाते हैं और मतदान में कमी आती है। एक साथ चुनाव होने से मतदाताओं को हर पाँच साल में केवल एक बार ही वोट डालना होगा, जिससे संभावित रूप से मतदाताओं की भागीदारी बढ़ेगी और वे अधिक सूचित निर्णय ले सकेंगे। एक साथ चुनाव होने से नीति निरंतरता सुनिश्चित होगी क्योंकि एक ही सरकार एक निश्चित अवधि के लिए सभी स्तरों पर सत्ता में रहेगी। इससे दीर्घकालिक योजना और सुसंगत नीति कार्यान्वयन में सुविधा होगी। अलग-अलग समय पर कई चुनाव कराने से प्रशासनिक मशीनरी पर दबाव पड़ता है। एक राष्ट्र एक चुनाव से चुनाव आयोगों पर बोझ कम होगा। समन्वित चुनावों से संभावित रूप से अधिक राजनीतिक स्थिरता आ सकती है, क्योंकि इससे बार-बार होने वाले मध्यावधि चुनावों, गठबंधन सरकारों और इससे जुड़ी अस्थिरता की संभावना कम हो जाएगी। भारत में एक राष्ट्र एक चुनाव के क्रियान्वयन में कई संभावित कमियाँ हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव भारत में विभिन्न राज्यों की अद्वितीय राजनीतिक गतिशीलता और क्षेत्रीय हितों को कमजोर कर सकता है, क्योंकि यह एक समान चुनाव चक्र को बढ़ावा देता है। यह अलग-अलग राज्यों के विविध मुद्दों और आकांक्षाओं को नजरअंदाज कर सकता है, जिससे उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं की उपेक्षा हो सकती है। समकालिक चुनावों के साथ, एक जोखिम है कि राष्ट्रीय मुद्दे स्थानीय चिंताओं पर हावी हो जाएँगे। स्थानीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर पर्याप्त ध्यान और चर्चा नहीं हो सकती है, क्योंकि राजनेता राष्ट्रीय स्तर के प्रचार और एजेंडे पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। भारत का संघीय ढांचा राज्यों को अपनी सरकारें और नीतियाँ रखने की अनुमति देता है। एक राष्ट्र एक चुनाव शक्ति और निर्णय लेने को केंद्रीकृत करके इस संघीय ढांचे को कमजोर कर सकता है, जिससे राज्यों की स्वायत्तता और स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने की उनकी क्षमता कम हो सकती है। बार-बार चुनाव होने से मतदाता थक सकते हैं, जहाँ नागरिक असंबद्ध हो जाते हैं और चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने में कम रुचि रखते हैं। एक साथ चुनाव कराने के लिए प्रचार उद्देश्यों के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय संसाधनों की आवश्यकता होती है। सीमित फंडिंग वाले छोटे दल या उम्मीदवार बड़े पैमाने पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं, जिससे संभावित रूप से राजनीतिक प्रतिनिधित्व में असंतुलन पैदा हो सकता है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में आवाजों की विविधता सीमित हो सकती है। भारत के विभिन्न राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराएँ, प्राथमिकताएँ और नीतिगत प्राथमिकताएँ हो सकती हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव नीति निरंतरता को बाधित कर सकता है, क्योंकि राष्ट्रीय स्तर की सरकारों में बदलाव से राज्य स्तर के शासन में महत्वपूर्ण बदलाव हो सकते हैं, जो संभावित रूप से दीर्घकालिक योजना और विकास को प्रभावित कर सकते हैं। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में समकालिक चुनावों को लागू करना महत्वपूर्ण तार्किक चुनौतियाँ पेश करता है। पर्याप्त सुरक्षा, कुशल प्रशासन और कई हितधारकों के बीच समन्वय सुनिश्चित करना जटिल हो सकता है

डिजिटल डिवाइस, मैसेजिंग ट्रिगर और युध्द की विभीषिका

ऋतुपर्ण दवे

संचार क्रांति के दौर में चौतरफा और रोजाना नित नई तकनीकों से दुनिया रू-ब-रू हो रही है। मोबाइल, जीपीएस, इण्टरनेट, बिना ड्राइवर की गाड़ियों से लेकर अब कृत्रिम मेधा यानी एआई (आर्टीफीसियल इण्टेलीजेन्स)के युग में 1950 के जमाने में न्यूयॉर्क सेनिकले पेजर, 74 वर्षों के बाद पहली बार और एक साथ सीरियल ब्लास्ट में तब्दील हो जाएंगे, भला किसने सोचा था?रेडियो फ्रिक्वेंसी पर चलने वाले पेजर का क्रेज अब न के बराबर है। लेकिन किसी पकड़ या सुराग के लिहाज से बेहद सुरक्षित पेजर का उपयोग आतंकी गतिविधियों में जरूर थोक में होने लगा। इसमें न जीपीएसहोता है और न ही कोईआईपीएड्रेस, इसलिएलोकेशन ट्रेसका सवाल ही नहीं। इसका नंबर भी बदला जा सकता है। इसीलिए इसका पता लगाना आसान नहीं होता। बसइसी चलते एक बड़ी साजिश को अंजाम देकर बड़े षड़यंत्र के तहत 9/11 जैसी बल्कि उससे भी बहुत बड़े दायरे में लेबनान में हर वो शख्स विस्फोट का शिकार हुआ जो साजिश के पेजर रखे था। लेकिन चिन्ता की बात यह कि मामला पेजर तक नहीं रुका बल्कि रेडियोवॉकी टॉकी जैसेदूसरी कम्युनिकेशन डिवाइस यहां तक कि घरों में लगे सोलर सिस्टम भी फटने की बातेंसामने आईं। धमाकों का शक इजराइल पर जताया जा रहा है। इन विस्फोटों को लेकर पूरी दुनिया हैरान है। इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच जारी तनाव और बढ़ गया है। पूरे मिडिल ईस्ट में युद्ध के खतरेकी स्थिति बन चुकी है। वायरलेस उपकरणों में सीरियलविस्फोटों के बाद कई घरों, दुकानों, बाइक और दूसरे वाहनों में भी आग लग गई। एक तरह से पूरा क्षेत्र विस्फोटों की जद में आ गया। वहां अबलोग इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के उपयोग को लेकर डरेहुए हैं। हर कोई हैरान है कि पेजर जैसा साधारण उपकरण बम में कैसे बदल गया? इसको लेकर पुख्ता तौर पर तो अभी किसी तरह की सच्चाई सामने नहीं है। लेकिन विस्फोट को लेकर तरह-तरह के कयास जरूर हैं। संभावनाओं में पेजर में लगी लीथियम बैटरी शक में है जो अत्याधिक गर्म होने पर फट सकती है। लेकिन इस थ्योरी पर भी ज्यादा भरोसा नहीं है। वहीं दूसरी दमदार संभावना साजिश के पेजरों को बनाते के वक्त ही इनमें विस्फोटक छुपानेकी है जिससे सप्लायर अन्जान हो?यकीनन साजिश बहुत बड़ी रही जिसको लेकर किसी नतीजे पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। बैटरियों में खराबी या गुणवत्ता की कमींके चलते मोबाइल में विस्फोट तो हो जाते हैं। लेकिन एक तयशुदा वक्त पर रेडियो फ्रिक्वेंसी आधारित छोटे से उपकरण में सीरियल ब्लास्ट का ट्रिगर दबना-दबाना, हैरान कर रहा है। क्या किसी कोडिंग से ऐसा हो पाया? या वजह कुछ और है? ऐसी तमाम बातों की पर्तों को खुलने में वक्त लगेगा। आखिर ऐसी कौन सी रासायनिक श्रृंखला प्रतिक्रिया को अंजाम दिया गया जो अलग-अलग और काफी दूर-दूर तक ट्रिगर में बदल गईं? हैकर ने ट्रिगरिंग सिग्नल भेजने के लिए कौन सा तरीका अपनाया?फिलाहाल केवल कयास हैं। रेडियो नेटवर्क से संचालित पेजर पर ऐसा कौन सा सिग्नल भेजा गया जो बैटरियां गर्म हुईं और इतनी कि कथित तौर पर साथ रखे घातक विस्फोटक फटे जिन्हें लॉट विशेष में छिपानेकी संभावना कही जा रही है। एक सच जरूर है कि कुछ महीने पहले थोक में खरीदे पेजर ही फटे ऐसे में उनमें खतरनाक ज्वलनशील विस्फोटक को छुपाने की थ्योरीजरूर बनती है। सच के लिए इंतजार करना होगा। लेकिन एक सवाल हर किसी के दिमाग में कौंधनेलगा है कि मोबाइल या दूसरे इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स कितने सुरक्षित? कभी लिंक क्लिक करने से खाते खाली होना तो कभी हैक हो जाना, कभी क्लोनिंग के जरिए पूरा डेटा चुरा लेने जैसी घटनाओं को लेकर दुनिया भर में सायबर सिक्योरिटी पर न केवल जोर है बल्कि पूरी गंभीरता है। इसी बीच इतना बड़ा डिजिटल अटैक बहुत बड़ीचुनौती है। इस घटना को चाहे जो नाम दें, दो देशों की दुश्मनी या दुनिया में अशांति का जिम्मेदार बताएं लेकिन इसने संचार क्रान्ति के दौर में बड़े दुरुपयोग का बहुत ही बड़ा मैसेज जरूर दे दिया। युध्द की नई तकनीक रूपी पेजर अटैक ने दुनिया भर के कम्युनिकेशन सिस्टम कोबहुत बड़ी चुनौती दे डाली। छोटा सा पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जिसे बीपर भी कहते हैं, इतना खतरनाक..! बेहद हैरानी वाली बात है।

संक्षिप्त खबरें

इंडो नेपाल सीमा पर एसएसबी जवानों ने मानव श्रृंखला से स्वच्छता का दिया संदेश

प्रातः किरण संवाददाता

बगहा। रविवार को इंडो नेपाल सीमा गंडक बराज के समीप अंतर्राष्ट्रीय राजमार्ग पर एसएसबी 21 वीं बटालियन के बी समवाय के जवानों के द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत वृहत मानव श्रृंखला बनाकर लोगो को स्वच्छता के लिए जागरूक किया। यह मानव श्रृंखला एसएसबी चेक पोस्ट से 3 आरडी के बीच बनाया गया जो करीब एक किलोमीटर लम्बा श्रृंखला था। इस श्रृंखला में एसएसबी के करीब 30 अधिकारी व जवान समेत आमजन मानस महिला और पुरुष सैकड़ो की संख्या में शामिल हुए। बतादें की एसएसबी स्वच्छता जागरूकता अभियान चला रही है इसी क्रम में रविवार के दिन इस क्षेत्र को नेपाल से जोड़ने वाले अंतर्राष्ट्रीय राजमार्ग 3 आरडी से गंडक बराज एसएसबी चेक पोस्ट तक मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। एसएसबी के सहायक कमांडेंट जयंत बोरा,निरीक्षक प्रदीप कुमार मंडल, उप निरीक्षक अश्वनी,सहायक उप निरीक्षक गिरवर सिंह,सीता राम मुख्य आरक्षी एल टंडन,अमित कुमार, आरक्षी अमित, जितेंद्र समेत बड़ी संख्या में अन्य लोग शामिल हुए।

हैंडबॉल में भाग लेने के लिए 42 सदस्यीय बालिका टीम दरभंगा रवाना

प्रातः किरण संवाददाता

मशरक। राज्य स्तरीय अंतर जिला स्कूली खेलकूद हैंडबॉल बालिका अंडर 14/17/19 में भाग लेने के लिए सारण जिला से 42 सदस्यीय बालिका टीम रविवार के सुबह मशरक जंक्शन से पाटलिपुत्र एक्सप्रेस से रवाना हुई। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण एवम जिला प्रशासन दरभंगा द्वारा 23 से 28 सितम्बर तक आयोजित तीन आयु वर्ग के बालिका हैंडबॉल प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का चयन जिला स्कूली खेल कूद प्रतियोगिता के परिणाम के आधार पर हुआ है। सारण टीम को जिला खेल पदाधिकारी मो शमीम अंसारी , प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मशरक डॉ वीणा कुमारी , जिला स्कूली हैंडबॉल संयोजक संजय कुमार सिंह ने रवाना किया। मौके पर सुजीत कुमार , अवधेश प्रसाद , यशपाल सिंह , कुंदन कुमार, मो खुर्शीद आलम सहित अन्य थे। बालिका अंडर 14 टीम मैनेजर शिवानी सिंह प्रशिक्षक अंजली कुमारी , अंडर 17 के टीम मैनेजर अभिषेक कुमार सिंह , प्रशिक्षक पुष्पा कुमारी एवम अंडर 19 के टीम मैनेजर राजा कुमार सिंह एवम प्रशिक्षक जितेंद्र कुमार पांडेय टीम बनाए गए है। टीम में शामिल खिलाड़ियों में अंडर 14 में अर्चना कुमारी , गुड्डी कुमारी, खुशी कुमारी , प्रिया कुमारी , सोनी कुमारी , रीमा कुमारी , करिश्मा कुमारी, नेहा कुमारी , मुस्कान कुमारी, पूजा कुमारी, आर्या सिंह , राज अंजनी बालिका अंडर 17 में निधि कुमारी , तृप्ति कुमारी, रागिनी कुमारी , सिमरन कुमारी, खुशी कुमारी , आदिति, दीपशिखा कुमारी, अंजली, नसीमा परवीन, आलिशा खातून , कल्पना कुमारी , साक्षी कुमारी जबकि अंडर 19 बालिका में मुस्कान कुमारी, रिया कुमारी, मनीषा कुमारी, शबाना खातून, खुशबू कुमारी, खुशी कुमारी , दूजा कुमारी , सुनीता, रिंकी कुमारी, गुड़िया कुमारी, नेहा कुमारी, अंकू कुमारी के नाम शामिल है।

जातीय जनगणना और सामाजिक परिवर्तन विषय पर सेमिनार आज

- राष्ट्रीय संगोष्ठी की तैयारी लगभग पूरी, अधिकांश अतिथिगण छपरा पहुंचे

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा । भारत में जातीय जनगणना और सामाजिक परिवर्तन विषय पर सोमवार को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय संगोष्ठी की समस्त तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। विभिन्न विश्वविद्यालयों के विषय विशेषज्ञ, शिक्षकों एवं सेमिनार में शिरकत करने के लिए प्रतिभागियों का आना प्रारंभ हो गया है। अभी तक कोलकाता विश्वविद्यालय कोलकाता तथा काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी के प्रोफेसर के साथ ही दरभंगा में रह रहे अनुग्रह नारायण सिन्हा संस्थान, पटना के पूर्व निदेशक प्रो. डी. एम. दिवाकर छपरा पहुँच चुके हैं। इस आशय की जानकारी प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से सेमिनार के प्रायोजक पाटलिपुत्रा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, दिल्ली के मानद निदेशक डॉ. प्रमोद कुमार, बिहार समाज विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष डॉ. लालबाबू यादव, संगोष्ठी के मुख्य संरक्षक प्रो. वीरेन्द्र नारायण यादव, एमएलसी, सह-संयोजक डॉ. दिनेश पाल एवं आयोजन समिति के सदस्य सह सारण जिला माध्यमिक शिक्षक संघ के सचिव विद्यासागर विद्यार्थी ने शिक्षक संघ भवन में दी। विदित हो कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संगोष्ठी की कार्यवाही पूर्वाह्न 9:30 बजे से प्रारंभ होगी, जिसमें उद्घाटन सत्र तथा संगोष्ठी की विषय वस्तु की प्रस्तुति की जाएगी। दूसरे तकनीकी सत्र में ह्यलोकतंत्र और सामाजिक न्यायह्न उप-विषय पर आधे दर्जन वक्ता अपने विचार एवं शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे,तथा आवश्यकता पड़ने पर प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर भी देंगे। संगोष्ठी के तीसरे सत्र में ह्यप्रतिनिधित्व एवं समावेशी विकासह्न पर विमर्श होगा। चतुर्थ सत्र सह समापन सत्र में संगोष्ठी के विमर्श का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा तथा इस सत्र को प्रख्यात लेखक चिंतक एवं पूर्व विधान पार्षद प्रेमकुमार मणि सहित अन्य वक्तागण संबोधित करेंगे। आयोजन समिति के अनुसार अब तक जिन अन्य वक्ताओं के आने की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है, उनमें महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी के डॉ. मृत्यंजय कुमार, जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया के डॉ. शुभनित कौशिक, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के डॉ. राहुल कुमार मौर्या, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद के डॉ. रामानुज यादव, डॉ. भीमराव आंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर के डॉ. राकेश रंजन, कोलकाता विश्वविद्यालय कोलकाता के डॉ. शिवम दयाल चौधरी के साथ ही पटना विश्वविद्यालय के डॉ. मनोज प्रभाकर, डॉ. सुधीर कुमार, डॉ. अनिल कुमार, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा के प्रो. घनश्याम राय, मुजफ्फरपुर के डॉ. जी शंकर आदि का नाम शामिल हैं। संगोष्ठी के मुख्य आकर्षण प्रख्यात सामाजिक चिंतक तथा पूर्व राज्यसभा सदस्य अली अनवर अंसारी होंगे।

खोया मोबाइल ले कर सबके चेहरे खिल उठे

प्रातः किरण संवाददाता

चनपटिया। मुस्कान योजना के तहत सिरसिया पुलिस ने छह लोगों के खोया व गुम हुए मोबाइल को ढुढ़ कर पीड़ित लोगों के हवाले कर दिया।महगें दामों के मोबाइल पाकर पुर्व मुखिया निर्भय राय उर्फ मुन्ना, रामाशंकर राय, सत्येन्द्र साह, शीला देवी ,मो यासीर, सुजीत कुमार के चेहरे खिल उठे। सभी लोग बेतिया पुलिस के साथ सिरसिया पुलिस को धन्यवाद दिया। मौके पर थानाध्यक्ष मदन कुमार मांझी, अपर थानाध्यक्ष कार्वेन्द्र पासवान,परि दारोगा राकेश कुमार, आदि ने आमलोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति से मोबाइल नहीं खरीदे । अन्यथा कभी भी कानकुन के शिकंजे में आ सकते हैं। पुलिस के इस कारवाई से चोरी या फिर गुम हुए मोबाइल फोन खरीद फरोख्त करने वालों में दहशत है।

न्यायालय के आदेश के आलोक में दो वारंटियों को पकड़कर भेजा गया जेल

प्रातः किरण संवाददाता

बगहा। बगहा पुलिस जिला न्यायालय के आदेश के आलोक में फरार चल रहे दो अभियुक्तों को पकड़कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।नौरंगिया थाना कांड संख्या 05/21 के फरार अभियुक्त जरलहिया सिरिसिया निवासी जंगली चौधरी और जंगल विभाग के केस के तहत सिरिसिया निवासी लुटावन मुखिया को उनके निवास स्थान से पकड़ कर जेल भेज दिया गया है। इन दोनों अभियुक्तों को पकड़ने के लिए एसएचओ अजय कुमार के नेतृत्व में टीम बनाई गई थी। इस टीम में एएसआई धर्मेंद्र कुमार के साथ अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल थे।

सदर प्राथमिक शिक्षक संघ के अमरेन्द्र अध्यक्ष एवं दिग्विजय बने सचिव

डोरीगंज । सदर प्रखण्ड के अर्जुन सिंह मध्य विधालय विष्णुपुरा मे प्राथमिक शिक्षक संघ की एक बैठक आयोजित की गयी जिसमे चुनाव पर्यवेक्षक संजय कुमार एवं मतदान पदाधिकारी शहुद आलम की उपस्थिति मे सदर प्रखण्ड प्राथमिक शिक्षक संघ चुनाव संपन्न कराया गया ।जिसमे सर्वसम्मति से सदर प्रखण्ड प्राथमिक शिक्षक संघ का गठन किया गया जिसमे अमरेन्द्र कुमार सिंह को अध्यक्ष , दिग्विजय नारायण सिंह को अंचल सचिव , राकेश कुमार सिंह , देवेन्द्र प्रसाद राय को वरिय उपाध्यक्ष , मुकेश कुमार , रोहित कुमार एवं रविरंजन को उपाध्यक्ष , पंकज प्रसुन , अश्विनी कुमार यादव को उप अंचल सचिव , अशोक माँझी , अर्चना कुमारी एवं पंकज कुमार गुप्ता को उप सचिव , धर्मेन्द्र कुमार सिंह को कार्यालय सचिव , नमन को कोषाध्यक्ष एवं कृष्णा कुमार सिंह को अंकेक्षण के पद पर मनोनीत किया गया ।

सरकार चला रही है स्वच्छता ही सेवा सप्ताह, सड़कों पर पसरी गंदगी

मशरक। मशरक नगर क्षेत्र के सड़कों पर कचरों का अंबार लगा हुआ है वहीं सरकार स्वच्छता ही सेवा अभियान चला रही है जो 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक चलेगा। जिसमें प्रतिदिन सफाई को लेकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। पर इस कार्यक्रम के उल्टा मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के स्टेशन रोड, थाना चौक, अस्पताल चौंक, महावीर चौंक समेत अन्य इलाकों में गंदगी पसरी हुई है। जिससे अंधेर नगरी चौपट राजा वाला कहावत चरितार्थ होता नजर आ रहा है। वहीं स्थानीय लोगों की शिकायत और सफाई मजदूरों की अनिश्चितकालीन हड़ताल का कोई भी समाधान होता नहीं दिख रहा है। वहीं नगर पंचायत के सफाई पर प्रतिमाह 16 लाख रुपए खर्च किए जा रहे हैं। सड़कों पर चौंक चौराहे पर गंदगी से लोग परेशान है।

पोषण मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन सीडीपीओ कुमारी ममता ने किया उद्घाटन

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। बाल विकास परियोजना के तहत शहर के कटहरी बाग मुहल्ला में स्थित शुभारंभ पैलेस में पोषण मेला सह प्रदर्शनी का अयोजन किया गया। मेला का उदघाटन बाल विकास परियोजना पदाधिकारी शहरी कुमारी ममता, पर्यवेक्षिका सोनम सिंह ने द्वीप प्रज्वलित कर और फीता काट कर किया।मेला में गर्भवती महिला और नवजात बच्चों को कुपोषण से बचने के तौर तरीके पर व्यापक जानकारी दी गई। मेला में विभिन्न प्रकार के पोषण वाले स्टाल लगाए गए थे जहां लोगों को पोषण संबधी जानकारियां दी जा रही थी। इस अवसर पर परियोजना पदाधिकारी ने कहा कि कुपोषण के विरुद्ध इस जंग में गर्भवती महिलाओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। बच्चों को कुपोषणसे बचने के लिए पोषण युक्त भोजन देना बहुत ही जरूरी है।

इस अवसर पर उन्होंने गर्भवती महिलाओं और किशोरियों को भी पोषक आहार लेते हुए स्वछता पर विशेष ख्याल रखने की नसीहत दी। पर्वेक्षिका सोनम सिंह ने कहा कि यह मेला का आयोजन समाज से कुपोषण को खत्म करने के लिए चलाया जा रहा है जब समाज में महिलाएं और बच्चे स्वस्थ होंगे तभी हमारा समाज भी स्वस्थ और पोषणयुक्त होगा और तभी हम स्वस्थ और सशक्त देश का निर्माण कर सकेंगे। मेला में महिलाओं के द्वारा रंगोली, पेंटिंग के साथ आहार से संबंधित प्रदर्शनी लगाई गई और महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। मौके पर डाटा ऑपरेटर अभिषेक कुमार, आंगनबाड़ी सेविका मीरा कुमारी, शर्मिला देवी, चंचल देवी, बबिता देवी, पुष्पा कुमारी, सुनीता देवी समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे कार्यक्रम का समापन सेविका मीरा कुमारी के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ।

लायंस क्लब ऑफ छपरा के द्वारा आयोजित ऐतिहासिक मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर को किया गया समापन

- लायंस क्लब ऑफ छपरा ने किया 2734 रोगियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। लायंस क्लब ऑफ छपरा द्वारा सारण के खालपुरा स्थित मेगा हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के 26 प्रतिष्ठित डॉक्टर्स ने 2734 रोगियों का निःशुल्क चेकअप किया और साथ ही निःशुल्क खून जांच और दवाइयों का वितरण भी किया गया। कैंप का उद्घाटन सुबह 8 बजे शहर के प्रमुख नेत्र चिकित्सक और लायंस क्लब के पूर्व जिलापाल डॉ. एस.के. पांडेय, सीपीएस ग्रुप के चेयरमैन डॉ. हरेंद्र सिंह, खालपुरा गांव के मुखिया, डिस्ट्रिक्ट ट्रेजरर डॉ. मनोज कुमार वर्मा (संकल्प), आरसी लायन विक्की आनंद, कैंप के चेयरपर्सन डॉ. बबन कुमार सिंह और डॉ. निशु कुमार सिंह, लायंस क्लब ऑफ छपरा के अध्यक्ष डॉ. विकाश कुमार सिंह, तथा जेडसी सुशील कुमार वर्मा ने संयुक्त रूप से दीप जलाकर किया। निःशुल्क कैंप में सुबह से ही रोगियों की भारी भीड़ लगी रही।

कैंप में उपस्थित डॉक्टर्स जैसे डॉ. मकेश्वर चौधरी, डॉ. जितेंद्र तिवारी, डॉ. सुधांशु शेखर, डॉ. एस.के. पांडेय, डॉ. प्रियंका भारती, डॉ. निशु कुमार सिंह, डॉ. संदीप कुमार सिंह, डॉ. इशिका सिंह, डॉ. बृजेश मिश्रा, डॉ. बबन कुमार सिंह, डॉ. आशुतोष रंजन, डॉ. अशोक कुमार सिंह, डॉ. प्रियंका साही, डॉ. विधि सिंह, डॉ. इंदु खरे सिंह, डॉ. गुंजन रानी, डॉ. नताशा, डॉ. अमित रंजन, डॉ. अमित राज, डॉ. उज्जवल कुमार वर्मा, डॉ. ओपी गुप्ता, डॉ. सोनल, डॉ. राजकुमार सिंह, डॉ. रितेश कुमार रवि, डॉ. केके बोस और डॉ. एके श्रीवास्तव ने शिविर में अपनी निःशुल्क सेवाएं दीं। खून जांच के लिए डॉ. मंजय शर्मा अपने दल-बल के साथ अंकिता डायग्नोस्टिक की ओर से तैनात रहे। डॉक्टर्स ने अपने स्तर पर निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया, और साथ ही सदर के सिविल सर्जन डॉ. सागर दुलाल सिन्हा ने सदर अस्पताल द्वारा भी निःशुल्क दवाइयों का वितरण कराया।

वाहन जाँच के दौरान चोरी की मोटरसाईकिल के साथ दो व्यक्तियों को किया गया गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा । रिविलगंज थानान्तर्गत ग्राम खैरवार से नयका बाजार जाने वाली सड़क पर गस्ती टीम के द्वारा वाहन चेकिंग किया जा रहा था। वाहन चेकिंग के दौरान गस्ती टीम के द्वारा मोटरसाईकिल सवार संदिग्ध व्यक्तियों की जाँच/तलाशी ली जा रही थी। वाहन चेकिंग के क्रम में 01 मोटरसाईकिल पर 02 सवार व्यक्ति से पूछ-ताछ एवं जाँच में उक्त मोटरसाईकिल के संबंध में पूछा गया तो व्यक्ति द्वारा मोटरसाईकिल से संबंधित कोई कागजात उपस्थित नहीं किया गया तथा बताया गया कि यह मोटरसाईकिल चोरी का है तथा किसी और व्यक्ति से उनके द्वारा यह मोटरसाईकिल 10,000 रू0 में खरीदा है एवं किसी दूसरे के नंबर प्लेट का इस मोटरसाईकिल में उपयोग किया जा रहा था। लूट की गाड़ी खरीद कर इस्तमाल करने एवं गाड़ी का नंबर प्लेट बदल कर चलाने के आरोप में रिविलगंज थाना कांड सं0-279/24 दिनांक-21.09.2024 धा317(4)/318(4)/336(3)/338/3(5) बी0एन0एस0 दर्ज कर अभियुक्त 1.गोपाल कृष्ण यादव उर्फ मौला यादव, पिता- हिरालाल यादव, साकिन- बसडिला 2. कुन्दन कुमार सिंह, पिता- हरेन्द्र कुमार सिंह, साकिन- अनवल देवरिया दोनों थाना- कोपा, जिला- सारण को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

गिरफ्तार आरोपियों का नाम एवं पता

1. गोपाल कृष्ण यादव उर्फ मौला यादव, पिता- हिरालाल यादव, साकिन- बसडिला, थाना- कोपा, जिला- सारण।
2. कुन्दन कुमार सिंह, पिता- हरेन्द्र कुमार सिंह, साकिन- अनवल देवरिया, थाना- कोपा, जिला- सारण।

चोरी की गई मोटरसाईकिल भी बरामद हो चुकी है। वहीं टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारियों में पु0अ0नि0 सुभाष पासवान थानाध्यक्ष रिविलगंज थाना, प्र0पु0अ0नि0 मणिकांत कुमार मणी, सि0/458 रविरंजन कुमार, सि0/583 विनित कुमार एवं रिविलगंज थाना के अन्य कर्मी शामिल थे।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के पुर्नगठन समिति की हुई बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

माँझी प्रखंड के शिवाजी नगर स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर परिसर में पुनर्गठन स्थानीय समिति की प्रथम आयोजित बैठक में लिये गये कई महत्वपूर्ण निर्णय समिति के अध्यक्ष पृथ्वी नाथ ओझा अध्यक्ष द्वारा प्रांतीय प्रतिनिधि सुरेश प्रसाद सिंह संकुल संयोजक की अनुमति से नए जुड़े सदस्यों को समिति के अंग वस्त्र व विद्यालय के पुस्तक से सम्मानित किया गया वहीं समिति के सदस्यों ने बैठक में शिशु मंदिर के विकास साथ-साथ नये छात्रों की संख्या बढाने पर गहनता से विचार विमर्श किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि विद्यालय के विकास के लिए आचार्य एवं प्रचार्य द्वारा समन्वय बनाकर शिशु सम्पर्क चलाकर विद्यालय के बच्चे और उनके अभिभावक से मिलकर शैक्षणिक स्थिति की जानकारी ली जाएगी उन्होंने समिति को बताया की विद्यालय में छात्रों की संख्या बढ़ोतरी हो रही है। शिशु मंदिर में ज्यादा से ज्याद छात्रों का नामांकन हो इसके लिए अभिभावकों का समन्वय स्थापित करने की जरूरत है।

हेचरी,तालाब व पार्क का निर्माण कर दह पुरैना ताल को पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा: उदय शंकर सिंह

प्रातः किरण संवाददाता

माँझी। सारण जिले के रिविलगंज प्रखंड क्षेत्र से सटे पश्चिम माँझी के कौरुधौरु पँचायत अंतर्गत 58 एकड़ में फैले दह पुरैना ताल के दिन जल्द ही बहुरेंगे तथा आने वाले दिनों में दह पुरैना ताल के एक सिरे पर दो करोड़ रुपये की लागत से पँचायत सरकार भवन का निर्माण होगा।

इसके अलावा लगभग तीन करोड़ रुपये की लागत से ताल के बीचोबीच हेचरी,तालाब एवम पार्क का निर्माण कर सौंदर्यीकरण कराया जाएगा।

इसकी जानकारी देते हुए कौरुधौरु पँचायत के मुखिया पति उदय शंकर सिंह ने बताया कि सारण वन प्रमण्डल द्वारा दह पुरैना ताल के सौंदर्यीकरण के लिए भेजे गए प्रस्ताव को सारण जिला प्रशासन ने स्वीकार कर लिया है।

बता दें कि सारण जिला प्रशासन से उक्त महत्वाकांक्षी योजना को मूर्त रूप देने के लिए वन विभाग को प्रारूप तैयार करने का अनुमोदन कर दिया है। श्री सिंह ने बताया कि उक्त महत्वाकांक्षी योजना के पूरा कर लिए जाने के बाद वहाँ मछली पालन के अलावा मछली के बीज।जीरा।उत्पादन एवम पार्क व बृक्षारोपण आदि में स्थानीय किसानों व युवाओं के लिए रोजगार के अनेक अवसर सृजित होंगे तथा सारण के राजस्व बृद्धि के मामले में जबरदस्त तरीके से उछाल आएगा।

भूमि अतिक्रमण ने दह पुरैना ताल को बनाया संकरा व बदसूरत

मुखिया पति ने बताया कि क्रमशः 52 एकड़ तथा अलग से छह एकड़ में फैले दह पुरैना ताल की जमीन पर अतिक्रमणकारियों द्वारा दशकों से भूमि अतिक्रमण करके उसे संकरा बना दिया गया है। जिससे मछली पालन तथा जल से कमल के फूल व पत्तल की आवक पर विपरीत असर पड़ा है। उन्होंने बताया कि दह पुरैना ताल की भूमि पर ठेकेदारों द्वारा अवैध तरीके से की गई खुदाई से कई लोग असमय काल कवलित भी हो चुके हैं। माँझी की कई पंचायतों की पानी के संग्रह एवम सिंचाई हेतु अंग्रेजों ने कराया था ताल का निर्माण।

मुखिया पति ने बताया कि दशकों पूर्व उक्त ताल में कौरुधौरु पँचायत के अलावा माँझी, सोनबरसा, मरहा, मदनसाठ तथा बनवार आदि पँचायत क्षेत्रों से उक्त ताल में पानी के संग्रहन की सामुदायिक ब्यवस्था की गई थी। इधर दशकों पूर्व से ही ताल की सम्पर्क नलियों पर अतिक्रमणकारियों द्वारा अनैतिक तरीके से अतिक्रमण कर लिए जाने से कारण आसपास के क्षेत्रों से सिर्फ बाढ़ व बरसात के पानी का ही संग्रहन हो पाता है। उन्होंने बताया कि सारण जिला प्रशासन द्वारा जल्द ही उक्त सरकारी भूमि की मापी कराकर दह पुरैना ताल को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा तथा इस महत्वाकांक्षी योजना को मूर्त रूप देकर इसे पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

बगहा समेत पर्यटन नगरी में गर्मी और उमस से लोग हुए बेहाल

प्रातः किरण संवाददाता

बगहा। बगहा समेत पर्यटन नगरी वाल्मीकिनगर में इन दिनों लोग भीषण गर्मी और उमस से परेशान नजर आ रहे हैं।जबकि सितंबर के महीने में पर्यटन नगरी वाल्मीकिनगर में गुनगुना ठंढ का एहसास होने गलता है लेकिन इस सीजन में सितंबर माह उमस और गर्मी का कहर बरपा रहा है। जिससे लोगवाग परेशान हो चलें है।बतादें की बगहा और वाल्मीकिनगर समेत आसपास के इलाके में पिछले कई दिनों से बारिश नहीं हो रही है।जिस कारण वीटीआर परिक्षेत्रों में उमस और गर्मी प्रचंड रूप धारण किए हुए है।

रोहतास भारत स्काउट व गाइड ने मनाया अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस

प्रातः किरण संवाददाता

करगहर (रोहतास) बिहार राज्य भारत स्काउट और गाइड जिला रोहतास के तत्वाधान में जिला संगठन आयुक्त अरविंद कुमार सिंह के नेतृत्व में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करगहर में अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस मनाया गया।

मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं बीसीओ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी व प्रधानाध्यापक ने संयुक्त रूप से झंडातोलन कर किया। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर स्काउट गाइड के माध्यम से स्वच्छता अभियान चलाने की आगाज की गई। अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्काउट और गाइड को सम्मानित किया गया। भारत स्काउट और गाइड ने मैसेंजर ऑफ पीस का सिंबल बनाकर देशवासियों को अमन चयन एवं शांति से रहने का संदेश दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हम सभी को ध्यान में रखना चाहिए की स्वछता हमारे लिए जरूरी है। स्वच्छता के साथ-साथ सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाया जाएगा। मौके पर विद्यालय के शारीरिक शिक्षक संजीव कुमार एवं स्काउट मास्टर उमेश प्रसाद गाइड कैप्टन कुमारी कृति लता, पीयूष कुमार, शुभम कुमार पटेल, रंजीत कुमार, गुलशन राज, गाइड में रोशन आरा, पिशु कुमारी, खुशबू कुमारी, खुशी कुमारी, अंजनी कुमारी, जागृति राज के साथ सैकड़ो स्काउड व गाइड उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ की गई।

भाजपा में नये सदस्यों को जोड़ने के लिए चलाई जा रही सदस्यता अभियान को लेकर पार्टी की बैठक संपन्न

सदस्यता अभियान कार्यक्रम की दूसरा चरण 19 से 25 सितंबर चलाया जा रहा है

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय।भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान के तहत महा सदस्यता अभियान कार्यक्रम की दूसरा चरण 19 से 25 सितंबर चलाया जा रहा है, इसी क्रम को आगे बढ़ाने के लिये छपरा नगर मण्डल के विवश बैठक स्नेही भवन में नगर अध्यक्ष राजेश फैशन के अध्यक्षता में हुआ।

बैठक कि शुरूआत पंडित दीन दयाल उपाध्याय ,श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर वन्दे मातरम से शुरूआत हुआ। जिला अध्यक्ष रंजीत सिंह ने कहा कि सभी कार्यकर्ता इस अभियान में अपने अपने बूथ पर 200 सौ नया सदस्य 8800002024 पर मिस्ट कॉल करके आन -लाइन फॉर्म को समिट कर सदस्य बनाया जाय। सारण जिला पूरे बिहार में 5 वा स्थान पर है हमे आप सभी कार्यकताओं के बल से सारण जिला को 1-3 में लाना है।

छपरा के विधायक डॉ सी एन गुप्ता ने कहा कि सारण जिला को छपरा विधानसभा में भाजपा के सदस्य सबसे ज्यादा बने इसकी हम सभी बूथ स्तर से लेकर वरिष्ट कार्यकर्ता का जबाबदेही बनता है। जिले के संगठन के दृष्टिकोण से 39 मण्डल में सबसे ज्यादा 22 शक्ति केंद्र का मण्डल है सबसे ज्यादा सदस्य यहाँ से बनने का प्रयास किया जाय। छपरा विधानसभा के संयोजक सह जिला भाजपा के मुख्य प्रवक्ता धर्मेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि छपरा नगर के सभी टीम के कार्यकर्ता सदस्य बनाने में लगे है बस थोड़ा सक्रियता बढ़ाने की जरूरत है। खासकर युवा मोर्चा एवं महिला मोर्चा टीम को ज्यादा मेहनत करने की जरूरत है । हमे पूरा विश्वास है कि छपरा जिला पूरे बिहार में 1-3 में सदस्य बंनाने में रहेगा साथ ही छपरा विधानसभा जिला का अपना स्थान अच्छा रहेगा

बैठक में मुख्य रूप से पूर्व जिला महामंत्री शांतनु कुमार, पूर्व मण्डल अध्यक्ष सुशील सिंह, महिला मोर्चा के मण्डल अध्यक्ष ममता मिश्रा, नगर महामंत्री अनूप यादव, सन्नी प्रकाश चंदू, संदीप कुमार,अति पिछड़ा मोर्चा के जिला महामंत्री शत्रुध्न चौधरी, अनुरंजन प्रसाद, मनीष मिश्रा, अजित सोनी, बिक्की श्रीवास्तव, पीढ़ी बाबा,गोकुल कुमार, सहित मांग मण्डल के सभी पदाधिकारी, मोर्चा,मंच के अध्यक्ष, शक्ति केंद्र के प्रभारी उपस्थित हुए।

नगर मण्डल अध्यक्ष राजेश फैशन ने कहा कि हम पूरे जिले में छपरा नगर सदस्य बनाने में एक नम्बर स्थान रहेगा सभी स्थानों पर कैम्प लगातार लगाया जा रहा है।

कुपोषण को ले गर्भवती महिलाओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत: परियोजना पदाधिकारी

- एक दिवसीय पोषण मेला सह प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा ' बाल विकास परियोजना के तहत शहर के कटहरी बाग मुहल्ला स्थित शुभारंभ पैलेस में पोषण मेला सह प्रदर्शनी का अयोजन किया गया। मेला का उदघाटन बाल विकास परियोजना पदाधिकारी शहरी कुमारी ममता, प्रवेक्षिका सोनम सिंह ने द्वीप प्रज्वलित और फीता काट कर किया। मेला में गर्भवती महिला और नवजात बच्चों को कुपोषण से बचने के तौर तरीके पर व्यापक जानकारी दी गई। मेला में विभिन्न प्रकार के पोषण वाले स्टाल भी लगाए गए थे, जहां लोगों को पोषण संबधी जानकारियां दी जा रही थी। इस अवसर पर परियोजना पदाधिकारी ने कहा कि कुपोषण के विरुद्ध इस जंग में गर्मभवटी महिलाओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए पोषण युक्त भोजन देना आवश्यक है। इस अवसर पर उन्होंने गर्भवती महिलाओं और किशोरियों को भी पोषक आहार लेते हुए स्वछता पर विशेष ख्याल रखने की नसीहत दी। पर्वेक्षिका सोनम सिंह ने कहा कि यह मेला का आयोजन समाज से कुपोषण को खत्म करने के लिए चलाया जा रहा है जब समाज में महिलाएं और बच्चे स्वस्थ होंगे तभी हमारा समाज भी स्वस्थ और पोषणयुक्त होगा,और तभी हम स्वस्थ और सशक्त देश का निर्माण कर सकेंगे। मेला में महिलाओं द्वारा रंगोली, पेंटिंग के साथ आहार से संबंधित प्रदर्शनी लगाई गई और, महिलाओं ने बढ़ -चढ़ कर हिस्सा लिया। मौके पर डाटा ऑपरेटर अभिषेक कुमार, आंगनबाड़ी सेविका मीरा कुमारी, शर्मिला देवी, चंचल देवी, बबिता देवी, पुष्पा कुमारी, सुनीता देवी समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे ' कार्यक्रम का समापन सेविका मीरा

नेपाल नेशनल चितवन पार्क प्रशासन 8 नए मेहमानों के आगवानी की तैयारियों में जुटा

- चितवन प्रजनन केंद्र की 8 गर्भवती हाथिनी बच्चे को देगी जन्म

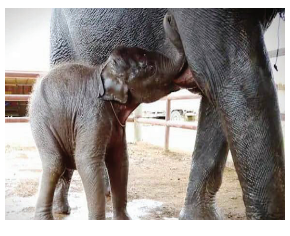

प्रातः किरण संवाददाता

बगहा। नेपाल स्थित चितवन नेशनल पार्क के खसरा हाथी प्रजनन केंद्र की 8 हाथियाँ गर्भवती हैं जो इस साल के अंतिम माह में बच्चे को जन्म देगी।इसके लिए चितवन नेशनल पार्क के प्रजनन केंद्र अधिकारी तैयारियां शुरू कर दिया है। बतादें की इस प्रजनन केंद्र में 11 वयस्क हाथी और करीब 10 बच्चे हैं जिनमे 8 हाथियाँ गर्भवती हैं।अधिकारी सूत्रों के मुताबिक प्रजनन केंद्र में मनकली,हिमाली,रिमझिम,देवकली,कनाली,तमोर,चितवन और लोकतंत्र कली है।बतातें चलें कि बच्चे जन्म के 3 वर्ष पूरे होने पर उनको प्रशिक्षित किया जाता है और प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात उन्हें चितवन के स्थित दूसरे दूसरे पोस्टो समेत जंगल सफारी के कार्यों में लगा दिया जाता है।अधिकारी सूत्रों की माने तो पिछले 25 वर्षों में 67 बच्चों ने प्रजनन केंद्र में जन्म लिया है।

संक्षिप्त खबरें

डेहरी को जिला बनाने को लेकर डेहरियंस टीम ने किया नुक्कड़ नाटक को मंचन

प्रातः किरण संवाददाता

तिलौथू (रोहतास) डेहरी को जिला बनाने की मांग को लेकर टीम डेहरियंस के सदस्यों ने तिलौथू बाजार में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। इस दौरान टीम डेहरियंस के सदस्यों के द्वारा रणनीति और आंदोलनात्मक चर्चा किया गया और डेहरी को जिला बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई। इस दौरान स्थानीय लोगों ने भी टीम डेहरियंस के इस मुहिम को तन मन धन से समर्थन करने की बात कही। टीम डेहरियंस के सदस्यों ने कहा कि जन जागरूकता के लिए जनप्रतिनिधियों का सहयोग भी जरूरी है टीम डेहरियंस के सदस्यों ने 92 पंचायत एवं चार नगर निकायों को लेकर जिला गठन की मांग किया और इसकी रूपरेखा साझा किया। टीम डेहरियंस के संयोजक आरके सिंह बताया कि डेहरी को जिला बन जाने से नौहट्टा, रोहतास,तिलौथू, डेहरी अकोढ़ी गोला, राजपुर , काराकाट, नासरीगंज प्रखंडों में धन का आवंटन अधिक होगा जिसे आर्थिक मजबूती मिलेगी। मौके पर टीम डेहरियंस के सदस्य माधव कुमार, अनिल गुप्ता, सत्यानंद कुमार,आयुष कुमार, छोटन कुमार, अभिषेक कुमार, कुंडू कुमार आदि उपस्थित थे।

काराकाट स्वच्छता कर्मियों की हुई स्वास्थ्य की जांच

प्रातः किरण संवाददाता

काराकाट(रोहतास) : काराकाट प्रखंड क्षेत्र में संचालित स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत रविवार को स्वच्छता कर्मियों के स्वास्थ्य जांच के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोड़ारी में विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया । जिसमे प्रखंड क्षेत्र के स्वच्छता कर्मियों की स्वास्थ्य जांच किया गाय । स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले स्वच्छता अभियान में स्वच्छता के विभिन्न पहलुओं पर अलग-अलग कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिसमें स्वच्छता कर्मियों के द्वारा बरती जाने वाली स्वच्छता, उनके कार्यों को बेहतर बनाने आदि को लेकर आयोजन किया गया । आयोजित शिविर को लेकर स्वच्छता कर्मी बेहद उत्साहित दिखे । शिविर में जरूरी स्वास्थ्य जांच के लिए प्रखंड क्षेत्र के स्वच्छता कर्मियों की भीड़ उमड़ पड़ी ।विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में सभी कर्मियों का स्वास्थ्य जांच करते हुए उन्हें जरूरी चिकित्सकीय परामर्श व दवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराया गया ।

शौच करने गई किशोरी के साथ मुंह दबाकर दुष्कर्म का प्रयास, आरोपी धराया

प्रातः किरण संवाददाता

बगहा। बगहा के रामनगर थाना क्षेत्र में रेल्वे गुमटी के पिछे बासवारी में शौच करने गई एक 18 वर्षीय लड़की के साथ दुष्कर्म करने की नीयत से एक लड़के ने पीछे से पकड़ कर जबरजस्ती गलत काम करने लगा। जब लड़की ने गलत होता देखा तो किसी तरह से वो चिल्लाने लगी ।चील्लाने की आवाज सुनकर ग्रामीणों ने भाग रहे लड़के को पकड़ लिया। और पुलिस को इसकी जानकारी दी पुलिस ने मौके पर पहुंच कर लड़के को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले में करवाई करते हुए आरोपी को न्यायिक हिरासत मे जेल भेज दिया।

रोहतास एसपी ने सरपंच हत्याकांड मामलें में चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

त्वरित कार्रवाई कर एक घंटे के अंदर ही हत्याकांड का किया खुलासा

- छानबीन में पुलिस ने घटनास्थल से हथियार व कारतूस को किया बरामद

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) विगत शनिवार की देर शाम बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के शिवपुर पंचायत के वर्तमान सरपंच सह प्रखंड सरपंच संघ अध्यक्ष सतीश सिंह की शनिवार की देर शाम उनके अपने ही भतीजा बादल कुमार ने गोली मारक र हत्या कर दी थी। सूत्रों के मुताबिक घटना को अंजाम उनके घर पर ही उसके भतीजा द्वारा दिया गया। हत्यारा भतीजा द्वारा सरपंच के शरीर पर दो गोली मारी गई। जिसमें एक गोली उनके पेट में और दूसरा गोली सिर में लगी। जिस घटना में 60 वर्षीय सरपंच सतीश सिंह की मौत हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल एसडीपीओ कुमार संजय और स्थानीय थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच जांच शुरू कर दिया था। इस घटना मामले में परिजनों से एसडीपीओ ने जानकारी लेते हुए कांड के उदभेदन में जुट गए। ग्रामीणों ने बताया कि घटना दौरान मृतक सरपंच की पत्नी व पुत्र दोनों रांची में थे। मृतक अपने गांव अपने भाई के साथ रह रहे थे। दूसरी तरफ घटना की सूचना मिलते ही मामले को त्वरित संज्ञान में लेते हुए रोहतास एसपी रौशन कुमार अपने पुलिस बल के साथ शिवपुर पंचायत गांव के घटनास्थल पर पहुंच स्वयं छानबीन शुरू कर दी। एसपी द्वारा करीब एक घंटे चले जांच में कांड

मामले का उद्भेदन सामने आया। जिस घटना का मुख्य कातिल मनोज कुमार सिंह का पुत्र बादल कुमार एवं मामले में प्रयुक्त हथियार को छुपाने के आरोप में पुलिस ने कातिल के पिता जो मृतक सरपंच के भाई मनोज कुमार सिंह ,पवन कुमार सिंह एवं शयेंद सुमन को मौके वारदात से गिरफ्तार किया गया। साथ ही साथ पुलिस ने घटना में उपयोग लाइसेंसी एक दो नाली बंदूक,12 बोर का तीन जिंदा कारतूस,12 बोर का दो खोखा व 315 बोर का एक कट्टा को भी बरामद किया। वही हत्या मामले में मृतक की पत्नी द्वारा प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इसकी जानकारी एसडीओ कुमार संजय ने दी। उन्होंने बताया कि इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों को हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

रोहतास में भूमि विवाद को लेकर फायरिंग कर रहे शख्स को पुलिस ने हथियार के साथ किया गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

रोहतास जिले के डिहरी मुफस्सिल थानाक्षेत्र के गोपी बीघा गांव में एक व्यक्ति द्वारा लाइसेंसी बंदूक से पुरानी भूमि विवाद को लेकर शनिवार की देर शाम फायरिंग की गई । जिसमें किसी की हताहत की सूचना नहीं है। जिसके बाद रोहतास एसपी रौशन कुमार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अरझ कोटा किरण कुमार के नेतृत्व में डेरी मुफस्सिल थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों के द्वारा छापेमारी कर फायरिंग कर रहे मिथिलेश कुमार को लाइसेंसी एक दोनाली बंदूक ,एक पिस्टल तथा भारी संख्या में कारतूस एवं दो मैगजीन के साथ गिरफ्तार कर लिया है। डिहरी मुफस्सिल थाना पर आयोजित पत्रकार वार्ता में अरझ कोटा किरण कुमार ने बताया कि गोपी बीघा गांव में शनिवार की देर शाम एक युवक द्वारा लाइसेंसी हथियार से फायरिंग किया जा रहा था। जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर तत्काल टीम गठित कर घटनास्थल पर पुलिस टीम पहुंची। पुलिस टीम के पहुंच कर फायरिंग कर रहा युवक को गिरफ्तार किया गिरफ्तार युवक गांव के शिव प्रसाद सिंह के पुत्र मिथिलेश कुमार बताया जाता है ।जो अपनी लाइसेंसी दुनाली बंदूक से फायरिंग कर रहा था । हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं है। जिस दो नाली बंदूक को पुलिस ने जप्त कर ली है। वहीं पुलिस टीम ने घटनास्थल से एक पिस्टल, दो मैगजीन , 13 जिंदा कारतूस , तीन खाली खोखा एवं एक छड़ बरामद की है ।वहीं आरोपी मिथिलेश कुमार को गिरफ्तार कर ली है। पुलिस टीम में डिहरी मुफस्सिल थाना अध्यक्ष विद्याभूषण के साथ-साथ पुलिस अवर निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह, शुभम कुमार, नवीन कुमार एवं नीरज कुमार सभी डिहरी मुफस्सिल थाना के पुलिस अवर निरीक्षक पुलिस टीम में शामिल थे।

एसीएमओ डॉ केएन सिन्हा अपने मेडिकल टीम के साथ बाढ़ क्षेत्रों में किया दौरा

प्रातः किरण संवाददाता

आरा :एसीएमओ,भोजपुर ,डॉ के एन सिन्हा बाढ़ समस्याओं मे चिकित्सा सहायता की मॉनिटरिंग करने रविवार को भी क्षेत्र का दौरा किये। सबसे पहले डॉ सिन्हा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बड़हरा गए ,जहां डॉ गौरव कश्यप कार्य करते हुए मिले। मालूम हुआ कि डॉ संपत ,एकौना अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गए थे जहां 7 बच्चे बीमार थे। डा सुदामा प्रसाद की ड्यूटी नाव पर थी।डॉ ओमप्रकाश बबुरा बाढ़छेत्र गए थे।एसीएमओ ने इमरजेंसी रजिस्टर का अवलोकन किया ।पता चला कि एक पागल कुत्ता चार व्यक्तियों को काट दिया है और सभी को ए आर वी की सुई पड़ गई है। पागल कुत्ता को किसी ने मार दिया । कल एक व्यक्ति को सांप ने काटा था ।उसे ए वी एस सुई देने के बाद आरा रेफर कर दिया गया ।केंद्र पर एएनएम कृष्णा कुमारी , जीएनएम पूजा कुमारी, एएनएम कुमारी मंजू कार्यरत पाई गई ।एसीएमओ के साथ एएनएम सीशीला मरांडी, कुमारी प्रतिमा और प्रतिमा कुमारी एएनएम तथा संजीव कुमार साथ में क्षेत्र का दौरा कर पीड़ित लोगों को मदद पहुंचाए। एसीएमओ डॉ सिन्हा वहा के बाढ़ कैंप गए जहां बाढ़ पीड़ित लोगों को दवा दिया जा रहा था ।इस केंद्र से 48 लोगों को भिन्न-भिन्न तरह की दवाइयां दी गई थी जैसे बुखार, पैखाना ,पेट दर्द ,उल्टी आदि का। डॉक्टर सिन्हा ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा चिकित्सा शिविर की समस्याओं को समझ कर उन्हें दूर करने का निर्देश दिए।

बड़हरा की पूर्व विधायक आशा देवी ने बाढ़ प्रभावित गांवो का किया दौरा

- बोली : बाढ़ से आम जन जीवन प्रभावित, प्रशासन व्यापक स्तर पर करें मदद
- बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में सिर्फ खानापूर्ति नही करें प्रशासन, आम जनों को उपलब्ध कराएं सुविधाएं
- खाद्य सामग्री का किया वितरण, जरूरतमंदों को दिया आर्थिक मदद

प्रातः किरण संवाददाता

आरा/बड़हरा। बड़हरा की पूर्व विधायक आशा देवी ने नाव से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कोईलवर प्रखण्ड के ज्ञानपुर और बड़हरा प्रखंड के बखोरापुर समेत अन्य बाढ़ प्रभावित गांवों में जाकर लोगों से मुलाकात की। साथ ही उन्हें खाद्य सामग्री समेत जरूरतमंदों को आर्थिक मदद भी की। बाढ़ प्रभावित लोगों ने बताया कि सरकारी राहत कार्यों में काफी लापरवाही हो रही है, समुचित स्तर पर उन्हें मदद की दरकार है। इस दौरान आशा देवी ने लोगों को हो रही समस्याओं को जानने के बाद कहा कि बड़हरा के कई गांव बाढ़ के चपेट में है जिसके कारण आम जन काफी प्रभावित है।

पूर्व विधायक आशा देवी ने जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ राहत कार्य मे तेजी लाने और व्यवस्था के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति नही कर, आम जनों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा है।

उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में अधिक से अधिक जगहों पर सामुदायिक किचन की व्यवस्था हो, सुखा भोजन का पैकेट वितरण किया जाए, जरूरतमंदों को त्रिपाल, पशुओं के लिए चारा, बुरी तरह बाढ़ से घिरे लोगो को ऊंचे स्थान पर रुकवाने की व्यवस्था, बीमार लोगो को मेडिकल की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है।इस दौरान अवधेश यादव लालजी बिंद, नंद कुमार चौधरी, अरुण सिंह, भिखारी सिंह, रिंकू सिंह समेत अन्य शामिल थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा बिहार के नेतृत्व में मरीजों के बीच किया गया फल वितरण

प्रातः किरण संवाददाता

आरा : भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा भोजपुर के द्वारा सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम सदर अस्पताल आरा में आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि मनोज कुमार सिंह प्रदेश अध्यक्ष किसान मोर्चा बिहार के नेतृत्व में मरीजों को फल वितरण किया गया, साथ में रितेश कुमार सिंह प्रदेश प्रवक्ता किसान मोर्चा, हरेंद्र पांडेय प्रदेश कार्य समिति सदस्य, प्रहलाद राय प्रदेश प्रवक्ता किसान मोर्चा, राजीव रंजन तिवारी, ज्योति प्रकाश कुशवाहा प्रदेश सोसल मीडिया प्रभारी, अध्यक्षता विद्या सागर पांडेय जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा, वरुण सिंह महा मंत्री किसान मोर्चा, नरेन्द्र तिवारी महामंत्री भाजपा, उदय प्रताप सिंह, अभिमन्यु सिंह, विनय मिश्रा, जयराम सिंह, नेहा सिंह, ब्रजेश पांडेय, राकेश कुमार सिंह, पुरुषोत्तम पांडेय, राजीव कुमार, अरुण भारती, आर्यन पांडेय , काफी संख्या में पार्टी कार्यकताओं की उपस्थिति हुई, सदर अस्पताल में भर्ती सभी मरीजों को फल वितरण किया गया, प्रदेश अध्यक्ष श्री मनोज कुमार सिंह ने बताया कि सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम प्रधान मंत्री जी के जन्मदिन पर कार्यकताओं द्वारा प्रत्येक वर्ष चलाया जाता है, जो 17 सितम्बर प्रधानमंत्री जी के जन्म दिवस से 2 अक्टूबर महात्मा गांधी के जयंती तक सेवा के रूप में मनाया जाता है

भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला भोजपुर विशुद्ध बिभु जैन के नेतृत्व में रक्तदान महादान का किया गया आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा : शांति मेमोरियल ब्लड बैंक बाबू बाजार भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला भोजपुर विशुद्ध बिभु जैन के नेतृत्व में रक्तदान महादान का आयोजन किया गया के माननीय यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिन को सेवा पखवाड़ा के रूप मे मनाया जा रहा है। रक्त महादान के कार्यक्रम प्रभारी कुमार प्रतीक जिला मंत्री के देख रेखय में हुआ भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष दुगार्राज जी के निर्देशन में कार्यक्रम का शुरूआत हुआ जिला अध्यक्ष ने सर्वप्रथम रक्तदान कर शुरूआत किया इस कार्यक्रम में रक्तदान करने में आदि सिंह आदि, रविशेक कुमार, अंकुर जैन,संजय सिंह, रणविजय प्रताप, रविकांत सिंह, रितिक सिन्हा,अंकित कुमार, रौशन श्रीवास्तव, प्रतीक चंद्रवंशी, कुमार मंगलम, नीरज सिंह, अमलेश यादव, लवकुश पंडित, निशांत सिंह सेंगर, शशांक शेखर,परदेश कार्यसमति किसान मोर्चा और युवा नेता राम दिनेश यादव द्वारा युवाओं को रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया गया और बढ़-चला के इसमें भाग लेने के लिए कहा गया बहुत स्वीकार करता हूं उन्हें रक्तदान में भाग लिया जिसकी

स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत जिले में जागरूकता के उद्देश्य से कार्यक्रम का किया जा रहा है आयोजन

आरा। स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण द्वारा आयोजित स्वच्छता ही सेवा-2024 कार्यक्रम अंतर्गत लगातार में जिले में जागरूकता के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के आयोजन से आम जन के बीच ना सिर्फ जागरूकता का संचार हो रहा बल्कि इससे वातावरण भी स्वच्छ,शुद्ध एवं सुंदर हो रहा है। 17 सितम्बर से लगातार एक पखवाड़े तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में प्रतिदिन गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है जिसका प्रयोजन हर हाल में गाँव को स्वच्छ एवं सुंदर बनाना हैं। जिले के सभी प्रखंडों में आज धार्मिक स्थल,नदी,तालाब,पोखर आदि के साफ-सफाई का कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चल रहा है। इसके साथ ह्यएक पेड़ माँ बीके नामह्व के तहत गाँव में पौधा-रोपण का कार्यक्रम भी चलाया गया है। आज के कार्यक्रम में पौधारोपण का अभियान मुख्य रूप से जिला जिले में स्वच्छता समिति भोजपुर, मनरेगा एवं जीविका के द्वारा करवाई जा रही है ।आज अभियान के तहत सभी प्रखंडों में अब तक लगभग 240 जगह पौधारोपण किया जा चुका है साथ ही 100 धार्मिक स्थल एवं जल-स्त्रोतों के आस-पास की सफाई की गई है।

मिथिला स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) । लीगल लिटरेसी क्लब द्वारा शहर के आनंद नगर स्थित सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सभागार में मिथिला आर्ट स्पॉट पेंटिंग का आयोजन किया गया । जिसमें विद्यालय के करीब 200 छात्र- छात्राओं ने भाग लिया ।विद्यालय के प्रभारी प्रधानाचार्य मिथिलेश कुमार, लीगल लिटरेसी क्लब विद्यालय के प्रभारी सत्येंद्र कुमार सिंह, शिक्षक धर्मराज सिंह , जितेंद्र कुशवाहा, रंजन कुमार, शशि रंजन, विनोद सिंह, सुनील दुबे, कृष्ण चंद्र सिंह और मोहन शर्मा ने इस कार्यक्रम को चित्रकला के माध्यम से मूर्त रूप दिया । कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के छात्राओं द्वारा स्वागत गान से शुरू हुआ । इसके बाद कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव कुमार, प्रखंड शिक्षा अधिकारी सुधीर कांत शर्मा, लोक अदालत प्रभारी देवेंद्र कुमार , अधिवक्ता श्याम सुंदर मिश्रा, राजू रंजन सिंह व चित्रकार कौशलेश पांडेय ने विधिवत रूप से दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया । ऑन द स्पॉट कार्यक्रम में स्कूली बच्चों ने मिथिला पेंटिंग को बड़े मनोभाव से कागज पर उकेरा । कागज पर लगाए गए उनके द्वारा चटकदार रंग और साथ में बारीक नक्काशीदार रेखाओं की सबने भूरी-भूरी प्रशंसा की । नन्हे कलाकारों द्वारा बनाई कुछ कलाकृतियां ने तो बेहद सम्मोहित किया । मुख्य अतिथि दंडाधिकारी ने सभी प्रतिभागियों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धन्यवाद दिया । अपने संबोधन भाषण में उन्होंने कहा कि मिथिला पेंटिंग आज विश्व में अपनी पहचान बन चुकी है । विश्व के कई कलाकार इसे देखने और सीखने के लिए भारत आते हैं । यह लोक कला हमारे भारत की एक पहचान है । कार्यक्रम में बच्चों द्वारा पूछे गए कई सवालों के उत्तर भी उन्होंने दिए और सफलता का मूल मंत्र बताया । वही प्रखंड शिक्षा अधिकारी सुधीरकांत शर्मा ने कहा कि हमारी मिथिला कला विश्व में पताका फहरा रही है । मिथिला पेंटिंग के नाम से भी भारत की एक विशिष्ट पहचान बन रही है । आज बड़े-बड़े शहरों की दीवारों पर मिथिला पेंटिंग देखने को मिल जाया करती है । जिस पेंटिंग प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों को मेडल व पाठ्य सामग्री आदि देकर सम्मानित किया गया । वही टॉप 10 में अन्य प्रतियोगियों को मोमेंटो से सम्मानित किया गया । इस आयोजन में चुने हुए कलाकारों में प्राजंली कुमारी, सुहानी कुमारी, कली कुमारी, खुशबू राज, आसिता, मैंना, काजल शर्मा, तान्या कुमारी, भैरवी वर्मा, शबनम परवीन की कलाकृतियां की जमकर सराहना हुई । साथ ही राष्ट्रगान के साथ इस कार्यक्रम का समापन हुआ ।

भिखारी ठाकुर लोकोत्सव 2024 के आयोजन पर स्मारिका का होगा प्रकाशन

- आयोजन को ले की गई तैयारी समिति की बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

आरा (भोजपुर)22 सितंबर। स्थानीय पटेल बस पड़ाव परिसर स्तिथ भिखारी ठाकुर सांस्कृतिक मंच पर दिसम्बर माह में होने वाले भिखारी ठाकुर लोकोत्सव 2024 के सफल आयोजन को लेकर तैयारी समिति की बैठक आयोजित हुई। आज की बैठक की अध्यक्षता डॉ किरण कुमार ने व संचालन संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष पत्रकार नरेंद्र सिंह द्वारा की गई।बैठक के दौरान कई बिंदुओं पर चर्चा करते हुए डॉ अरविंद राय,कोषाध्यक्ष राम जी प्रसाद , बीएसएफ जवान संतोष कुमार,व्यास कमलेश पासवान आदि ने कहा कि इस बार के उत्सव में भिखारी ठाकुर रचित नाटक पिया निसइले की प्रस्तुति कराई जाए जो आज प्रासंगिक है। बिहार में शराब बंदी के बाद भी नशे पर लगाम नहीं लग पा रहा है। बैठक में वर्षो से बंद स्मारिका के प्रकाशन को लेकर आम सहमति बनाते हुए इस बार स्मारिका प्रकाशन पर सहमति जताई गई। क्योंकि किसी आयोजन का साहित्यिक पक्ष मजबूत हो जाए।स्मारिका प्रकाशन हेतु जिले और राज्य सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आलेखों को मंगाने को लेकर एक रणनीति बनाई गई ताकि देश भर के लोक और सांस्कृतिक की झलक उक्त स्मारिका के माध्यम से समाज के बीच प्रदर्शित हो सकें।आज की बैठक में लोकोत्स्व आयोजन की जन सहभागिता हेतु आयोजन को लेकर ब्राउचर बनवाकर जनता और जनप्रतिंधियों के बीच वितरण करने पर चर्चा की गई।बैठक में मुख्य रूप से गांधी जी, डीएनटीवी हेड गौतम कुमार,दिनेश मिस्त्री, समाज सेवी अमरदीप कुमार जय आदि उपस्थित थे।

दुर्गा पूजा को लेकर थाने में हुई बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

दावथ (रोहतास) दुर्गा पूजा को लेकर जहां शनिवार को शांति समिति की बैठक कराई गई वहीं रविवार को दावथ थाने में विभिन्न पुलिस पदाधिकारियों के बीच एक बैठक का आयोजन किया गया। मालूम हो कि दुर्गा पूजा से संबंधित विभिन्न पूजा पंडालों को लेकर चल रहे विवाद एवं इस पूजा में पंडाल से संबंधित तथा इसमें प्रयुक्त संसाधनों के ऊपर विचार विमर्श किया गया तो पूजा से संबंधित कई तरह के निर्देश भी लोगों को दिया गया। वही एक अन्य मामले में दावथ प्रखंड मुख्यालय के बाजार स्थित दुर्गा पूजा मंडप को बनाने को लेकर असमंजस की स्थिति भी दूर की गई जहां सड़क किनारे पूजा पंडाल बनाने से संबंधित रुकावटें अब दूर हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सड़क किनारे की भूमि जो कि सरकार के अधीन है ,इस पर किसी व्यक्तिगत लोगों के द्वारा न तो दावा किया जा सकता है और न ही उसे अतिक्रमण करने का अधिकार है। इस संबंध में अंचल अधिकारी दावथ सौरभ कुमार के हवाले से बतलाया गया कि अनाधिकृत जमीन पर किसी व्यक्ति के द्वारा एकाधिकार की अनुमति नहीं दी जाएगी और किसी तरह के कोई व्यवधान खड़ा करने की भी अनुमति लोगों को नहीं है। यह पूजा शांतिपूर्वक मनाई जानी चाहिए। रविवार को हुए इस बैठक में थाना अध्यक्ष दावथ कृपाल जी के अलावे डीएसपी ज्योति कुमारी, श्वेता कुमारी ,सी आई बिक्रमगंज तथा दुर्गा पूजा समिति के लोग उपस्थित रहे।

रोहतास में भाजपा का सदस्यता अभियान बिहार में रचेगा इतिहास : निवेदिता

प्रातः किरण संवाददाता

नोखा (रोहतास) भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता ने नोखा नगर परिषद में नगर अध्यक्ष मनोज चंदेल के नेतृत्व में बिहार विधान परिषद सदस्य निवेदिता सिंह की उपस्थिति में सदस्यता अभियान चलाया। जिसमे सैकड़ों पुरुष सहित महिलाओं ने विधान पार्षद के समक्ष सदस्यता ग्रहण किया। अवसर पर मुख्य अतिथि विधान पार्षद निवेदिता सिंह ने बताया कि विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा का सदस्यता अभियान जोरो से पूरे देश में चल रहा है। जिस कार्य को भाजपा से सभी कार्यकर्ता गांव,बूथ व पंचायत में जाकर लोगो को भाजपा की सदस्यता लोगों को दिला रहे है। जिनके बदौलत बिहार का रोहतास जिला सदस्यता में बिहार में टॉप 3 में स्थान बना चुका है। जो इतिहास रचने के सराहनीय पथ पर अग्रसर हो चला है। अवसर पर जिला महामंत्री विजय सिंह,बृजबिहारी प्रसाद,जितेंद्र सिंह,विशाल कुमार,बिंदेश्वरी सिंह,उमेश पासवान,पुलकित सिंह,राजीव सिंह,गोरख नाथ तिवारी,रमता यादव,मनीष कसेरा, संतोष कुमार,रमता यादव,रामप्रवेश गुप्ता,हरेंद्र मिश्र,ताराचंद गुप्ता,वशिष्ठ पांडे सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मेदांता व कैट आरा द्वारा लगाई गई नि:शुल्क जांच शिविर

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। पटना मेदांता और कैट आरा के माध्यम से पूरे शहरवासियों के लिए फ्री में इलाज के लिए मेडिकल कैंप नागरी प्रचारिणी में कैट भोजपुर ज़िला के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक अंजन की अध्यक्षता में लगाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सिविल सर्जन डॉ. शिवेंद्र कुमार सिन्हा थे। वही आरा नगर निगम की महापौर इंदु देवी ने उद्घाटन किया और कहा कि स्वक्छता अभियान निगम के द्वारा चलाया जा रहा है आप सब भी इस मुहिम में जुड़िये और रोग मुक्त आरा को बनाइए इस तरह का फ़्री हेल्थ चेकअप लगने से हमारे आरा नगर के मरिजो का बहुत स्वास्थ लाभ मिलेगा इस तरह का कैम्प हमेशा लगना चाहिए ।इस में मुख्य रूप से कैट के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार वर्मा सहित प्रशासनिक सचिव सलाहकार कैट के प्रशांत भूषण श्रीवास्तव, भोजपुर जिला के कैट के अध्यक्ष प्रेम पंकज उर्फ ललन जी, महासचिव डॉ. आदित्य विजय जैन, कार्यकारी अध्यक्ष आलोक अंजन, कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल सहित मेदांता के कई नामचिन डॉक्टर मौजूद थे।

कैट के महासचिव डॉ आदित्य विजय जैन ने मंच संचालन के साथ साथ आये हुवे अतिथियो का स्वागत किया और कहा कि आगे भी हमलोग मिलकर समाज कल्याण के लिए इस तरह का कार्यक्रम करते रहेंगे

इस शिविर मेंफिजीसियन ,डाइटीसियन डॉक्टर के साथ हड्डी रोग, हृदय रोग, किडनी व मूत्र रोग के डॉक्टरों ने मरीजो की जांच की । उन्हें चिकित्सा परामर्श दिये गये। शिविर में मुख्य रूप से मेदांता हॉस्पिटल के मार्केटिंग मैनेजर अभिमन्यु कौशिक, डॉ. शशी कुमार, डॉ. कौशिक राजा, डॉ सदाशिव पांडे, डॉ राहुल कुमार, डॉ अमरीन थी। जहां विशेषज्ञ डॉक्टर की टीम ने इस शिविर में आने वाले मरीजों की जांच किये गए। बड़ी संख्या में लोगों ने इस शिविर का लाभ भी उठाया। जांच के अलावा हृदय रोग से ग्रसित मरीजों का ईसीजी इको भी जांच करते हुए रिपोर्ट भी दिए गये। साथ ही उन्हें कैसे अपने आप को स्वस्थ रखना है। इसके बारे में विशेषज्ञ डॉक्टरों ने परामर्श दिये आरा के मरीजो के साथ बाहर से आने वाले मरीजों ने इस शिविर का लाभ उठाया। ।मौके पर मरीजों ने कहा कि इस तरह की स्पेशलिस्ट डॉक्टर की टीम आरा में भी बेहद जरूरी है, क्योंकि उम्र बढ़ाने के बाद और आज के समय में बीमारियां अपना पांव फैला रही है। ऐसे में विशेषज्ञ डॉक्टरों के द्वारा जांच होना भी अति आवश्यक है। मरीज ने कहा कि जो सभी तरीके से समर्थ लोग हैं। वह तो अपना इलाज बाहर करवा लेते हैं, लेकिन गरीब मरीज के लिए सरकारी अस्पताल ही एक सहारा होता है। ऐसे में सरकारी अस्पताल में भी विशेषज्ञ डॉक्टर की बेहद ही जरूरी है। कैट भोजपुर के अध्यक्ष प्रेम पंकज ने कहा कि लगभग 400 से ऊपर मरीज ने जय प्रभा मेदांता हॉस्पिटल से आये चिकित्सकों से अपना जांच कराया। वही अशोक वर्मा ने कहा कि मेदांता और कैट के तत्वावधान में इस तरह का कार्यक्रम पूरे बिहार में हो रहा है और समाज के कल्याण के लिए आगे भी होता रहेगा ,सुबह 10 बजे से ही जय प्रभा मेदांता हॉस्पिटल के डॉक्टरों के द्वारा जॉच चालू हो गया था और शाम 4.30 बजे तक चला आरा शहर के कई वार्ड पार्षदों ने अपने वार्ड से बीमार रोगियों को लाकर आरा के नागरी प्रचरणी में दिखाने का काम किया। जिसमें श्रीकांत, डॉ. जितेंद्र कुमार, पूर्व पार्षद पुत्र नीरज कुमार, , सीता देवी, साथ ही समाजसेवी पंकज प्रभाकर ,रणधीर कुमार ,अरिहंत विजय जैन,सिद्ध विजय जैन ,आदित्य सिंह आदि,अनिल सिंह ,विशाल गुप्ता,राजेंद्र सिंह ने इस निशुल्क जांच शिविर में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपना पूरा योगदान दिया ।

सीएसपी संचालक से बदमाशों ने 2 लाख रुपए से भरा बैग लूटा

- पीड़ित ने थाने में दर्ज कराई प्राथमिकी,जांच में जुटी पुलिस

प्रातः किरण संवाददाता

दुर्गावती (कैमूर) थाना क्षेत्र दुर्गावती चैनपुर पथ में एक बाइक सवार से अज्ञात बदमाशों ने सीएसपी के संचालक से दो लाख रुपये लूट लिए। बदमाश एक ही बाइक पर तीन की संख्या में सवार थे। घटना के बाद पीड़ित सीएसपी संचालक ने अज्ञात बदमाशों के विरुद्ध स्थानीय थाना में एफआईआर दर्ज करा दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ दिलीप कुमार व थानाध्यक्ष गिरीश कुमार ने मामले की जांच की। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्थानीय भारतीय स्टेट बैंक शाखा के सीएसपी संचालक अनिल कुमार पाण्डेय जो भभुआ थाना क्षेत्र के जिगनी गांव के निवासी हैं। जो मनिहारी बाजार में सीएसपी का संचालन करते हैं। इन्होंने अपने दिए गए आवेदन में लिखा है कि 19 सितंबर को दोपहर 3 बजे पैसा निकासी करने के लिए अपने बाइक से स्थानीय दुर्गावती बाजार स्थित भारतीय स्टेट बैंक के शाखा में पहुंच 2 लाख एक हजार रुपए का निकासी किया। इसके बाद दोपहर 4:10 मिनट पर ब्रांच से बाहर निकलकर सीएसपी मिनी ब्रांच लिए प्रस्थान के निकल पड़ा। इसी क्रम में जैसे ही दुर्गावती थाना क्षेत्र के मचखिया मोड़ समीप पीछे से सफेद रंग की अपाचे बाइक पर सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने पीछे झपट्टा मारा।

जदयू कार्यकताओं ने पार्टी की मजबूती को लेकर की बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

सासाराम (रोहतास) जनता दल यूनाइटेड के कार्यकर्ता ने सासाराम स्थित कार्यालय में की एक बैठक। जिसकी अध्यक्षता पार्टी जिलाध्यक्ष अजय सिंह कुशवाहा ने किया।

बैठक में पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए कार्यकर्ता ने विचार विमर्श किया। संबोधित करते हुए प्रमंडल प्रभारी चंद्रशेखर प्रसाद ने कहा कि बैठक का उद्देश्य पार्टी को पंचायत स्तर तक मजबूत बनाना है। इस क्रम में प्रखंड अध्यक्ष प्रखंड प्रभारी और विधानसभा क्षेत्र प्रभारी अपने-अपने प्रखंड के पंचायत में जाएंगे और पंचायत कमेटी का विस्तार एवं नवीनीकरण करेंगे। साथ ही नए सक्षम और ऊजार्वान व्यक्ति जो पार्टी तथा प्रदेश के हित में काम करना चाहते हो उनको नई जिम्मेदारी दी जाएगी। ताकि पार्टी को पंचायत स्तर तक मजबूत किया जाएगा। जबकि जिलाध्यक्ष अजय सिंह कुशवाहा ने बताया कि अगला विधानसभा चुनाव हम कार्यकताओं के लिए एक अग्नि परीक्षा के समान है। जिस परीक्षा के लिए अभी से है

सभी को कमर कसने की जरूरत है। जिससे पुनः एक बार बिहार के विकास पुरुष नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बन सकें। अवसर पर राज किशोर प्रसाद, प्रभात रंजन, धर्मेंद्र कुमार सिंह, मनोज उपाध्याय, संजय चंद्रवंशी, दिवाकर कुमार,अंजनी कुमार सिंह, परशुराम,वशिष्ठ सिंह ,नागेन्द्र चंद्रवंशी, श्याम बिहारी ,राम बिंदा चंद्रवंशी, अशोक चौधरी,बदरी भगत, धनंजय पटेल, संगीता सिंह, सन्तोष शुक्ला , अलख निरंजन, राजेश सोनकर ,उपेन्द्र पटेल ,डोमा राम, राजेश पाटीदार ,अजय महतो, राजेश सिंह,मोहन कुशवाहा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अब करण जौहर भी ओटीटी डेब्यू को तैयार, लेकर आ रहे हैं मेगा बजट सीरीज

संजय लीला भंसाली के बाद अब करण जौहर भी ओटीटी डेब्यू करने जा रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि लोकप्रिय निर्माता-निर्देशक भी उसी प्लेटफॉर्म पर अपना प्रोजेक्ट पेश करेंगे, जिस पर भंसाली ने किया। जी हां, नेटफ्लिक्स पर करण जौहर एक सीरीज लेकर आ रहे हैं, जिसका निर्देशन वे खुद करेंगे और यह एक मेगा बजट सीरीज बताई जा रही है।

कब शुरू होगा प्रोडक्शन?

बड़े परदे पर एक से बढ़कर एक फिल्म बना चुके करण जौहर अब ओटीटी के दर्शकों के लिए दिलचस्प प्रोजेक्ट लेकर पहुंच रहे हैं। करण जौहर के लिए यह प्रोजेक्ट बेहद खास है, जिसमें मशहूर हीरोइनों की जमात नजर आएगी। कहा जा रहा है कि वेब सीरीज की स्क्रिप्ट फाइनल हो गई है। हालांकि, अभी इसका टाइटल तय नहीं हुआ है। इसका प्रोडक्शन साल 2025 की शुरुआत में शुरू होगा।

कास्टिंग पर चल रहा काम

करण जौहर अपनी टीम के साथ मिलकर व्यापक स्तर पर इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। वे डिजिटल दुनिया में आगाज को लेकर बेहद उत्साहित हैं। फिलहाल सीरीज की कास्टिंग का काम चल रहा है। कई नामी सितारों को सीरीज में एक साथ लाने की तैयारी है। करण जौहर की यह सीरीज नेटफ्लिक्स का सबसे महत्वाकांक्षी आगामी प्रोजेक्ट कहा जा रहा है।

कब से होगी स्ट्रीम?

सूत्रों के मुताबिक, वर्ष 2025 में इसकी शूटिंग चलेगी और 2026 में इसे रिलीज किया जाएगा। इस सीरीज से जुड़ी अन्य जानकारी अभी आना बाकी हैं। इस सीरीज के बाद करण जौहर फिर बड़े परदे पर वापसी करेंगे। वे धमाकेदार एक्शन फिल्म लेकर आने की तैयारी में हैं।

आईसी 814- द कंधार हाईजैक पर छिड़े विवाद पर दीया मिर्जा ने तोड़ी चुप्पी

नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज आईसी 814 – द कंधार हाईजैक अपनी स्ट्रीमिंग के बाद से ही सुर्खियों में है। यह तथ्यों की कथित गलत बयानी के कारण विवादों में घिर गई है। शो में दो अपहरणकर्ताओं के लिए उपनाम भोला और शंकर का उपयोग किया गया है, जिसके कारण कुछ दर्शकों ने इस पर आतंकवादियों की वास्तविक पहचान को अस्पष्ट करने का आरोप लगाया। ये व्यक्ति इस्लामी चरमपंथी समूहों से जुड़े थे। वहीं, अब इस पर अभिनेत्री दीया मिर्जा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।
दीया मिर्जा ने वेब सीरीज आईसी 814- द कंधार हाईजैक में एक पत्रकार की भूमिका निभाई है। इसी बीच अभिनेत्री ने गलाटा प्लस के साथ बातचीत में ऑनलाइन छिड़े विवाद पर प्रतिक्रिया दी। दीया ने कहा, मुझे लगता है कि जो मायने रखता है वह इरादा है। मुझे नहीं लगता कि शो का इरादा कोई बखेड़ा खड़ा करना है। यह सबसे महत्वपूर्ण बात है और यही हमारी सच्चाई है। दूसरी बात यह है कि मुझे लगता है कि जिस भी चीज पर सवाल उठाया जा रहा है वह सत्यापन योग्य और तथ्यात्मक है। आप उस पर कैसे बहस करते हैं।
सीरीज में कैप्टन देवी शरण की भूमिका निभाने वाले अभिनेता विजय वर्मा ने इस विवाद में मीडिया द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, मैंने इसमें मीडिया की उल्लेखनीय भूमिका देखी। मुझे लगता है कि बहुत सारे लोग सिर्फ शो के लिए बोल रहे हैं। और जब ऐसा होता है, तो मुझे लगता है कि यह सबसे बड़ी जीत है। दीया ने विजय की बात में आगे जोड़ा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि वे जानकारी को सत्यापित कर सकते हैं। विजय वर्मा ने आगे कहा, हां, और लोग वास्तव में संबंधित पक्षों को यह समझाने में सक्षम हैं कि वास्तव में क्या हुआ था। ये नाम दिए गए थे और यह जनवरी 2000 में केंद्रीय मंत्री द्वारा दी गई प्रेस विज्ञप्ति का हिस्सा था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वे अब एक साथ आ रहे हैं और शो के साथ खड़े हैं। जानकारी हो कि सीरीज में पांच अपहरणकर्ताओं को कोड नामों से संदर्भित किया गया है, जो चीफ, डॉक्टर, बर्गर, भोला और शंकर हैं। अंतिम दो नामों के उपयोग से उनके धार्मिक अर्थों के कारण ऑनलाइन आक्रोश फैल गया। इस विवाद के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स भारत के कंटेंट प्रमुख को तलब किया और उन्हें धार्मिक संवेदनशीलताओं का ध्यान रखने का निर्देश दिया। बाद में सीरीज ने अपहरणकर्ताओं के वास्तविक नामों को स्पष्ट करने के लिए शुरुआत में एक अस्वीकरण जोड़ा। आईसी 814- द कंधार हाईजैक कैप्टन देवी शरण और पत्रकार सृंजय चौधरी की 2000 की किताब फ्लाइट इनटू फियर- द कैप्टन स्टोरी पर आधारित है।

आइफा में नोरा फतेही हिट सॉन्ग्स पर प्रस्तुति देंगी

हिंदी फिल्मों में हिट आइटम सॉन्ग्स लाखों दिलों पर राज करने वाली अभिनेत्री नोरा फतेही अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार (आइफा) के 24वें संस्करण में एक से बढ़कर एक आइटम सॉन्ग पर थिरकती हुई नजर आएंगी। नोरा फतेही ने कहा, वह अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए ज्यादा इंतजार नहीं कर सकती हैं। नोरा ने एक बयान में कहा कि वह भव्य (आइफा) वीकेंड में प्रस्तुति देने के लिए बेहद उत्साहित हैं। आइफा के दौरान, भारतीय सिनेमा का जश्न, दर्शकों की भारी भीड़, एक से बढ़कर एक प्रस्तुति, इसे वास्तव में अविस्मरणीय बनाता है। नोरा फतेही ने कहा, मैं अबू धाबी के शानदार यास द्वीप पर (आइफा) मंच पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और प्रशंसकों और साथी कलाकारों के साथ इस असाधारण क्षण को साझा करने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। अभिनेत्री ने कहा, (आइफा) में प्रदर्शन करना मेरे लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, तैयार हो जाइए, क्योंकि यह अनुभव शानदार होने वाला है, प्रशंसकों को शानदार ट्रीट मिलेगी, जिसे वह भुला नहीं सकेंगे। हिंदी, तेलुगु और मलयालम फिल्मों में काम कर चुकी नोरा ने हिंदी फिल्म रोअर- टाइगर्स ऑफ द सुंदरबन से अपने अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद उन्हें टेम्पर, बाहुबली- द बिगिनिंग और किक 2 जैसी तेलुगु फिल्मों में विशेष भूमिकाओं में देखा गया। 32 वर्षीय अभिनेत्री ने सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले विवादास्पद रियलिटी शो बिग बॉस में भाग लिया था। बाद में उन्होंने दिलबर, गर्मी, साकी साकी, कुसु कुसु, जेडा नशा, एक तो कम ज़िंदगानी, पछताओगे और माणिके जैसे गानों में अपने डांस से अपार लोकप्रियता हासिल की। नोरा को आखिरी बार विद्युत जामवाल अभिनीत क्रैक और फिर कुणाल खेमू द्वारा निर्देशित मडगांव एक्सप्रेस में देखा गया था, जिसमें दिव्येंदु, प्रतीक गांधी, अविनाश तिवारी, उपेंद्र लिमये और छाया कदम भी हैं।

करीना कपूर ने सह कलाकारों को दिया सफल फिल्मों का श्रेय

करीना कपूर हिंदी फिल्मों की मशहूर और लोकप्रिय अभिनेत्री हैं। उन्होंने अपने करियर में कई शानदार फिल्मों में काम किया है। करीना अपनी खूबसूरती के अलावा अपनी बहुमुखी अभिनय क्षमता के लिए भी जानी जाती हैं। करीना ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक यादगार किरदार किए हैं। उन्होंने हाल में ही फिल्म इंडस्ट्री में अपने 25 साल पूरे किए हैं। इस दौरान उन्होंने जब वी मेट, अशोका और ओमकाराजैसी कई फिल्मों यादगार अभिनय किया है। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने इन जैसी बेहतरीन फिल्मों में अपने साथी कलाकारों की ऊर्जा का लाभ उठाया है।
हाल में ही एक कार्यक्रम के दौरान करीना ने कहा कि उन्होंने जब वी मेट और अशोका जैसी बेहतरीन फिल्मों में अपने साथी कलाकार शाहिद कपूर और शाहरुख खान के योगदान को भी स्वीकार किया है। अभिनेत्री ने कहा कि इन फिल्मों की सफलता का श्रेय उनके सह-कलाकारों को भी देना होगा। उन्होंने कहा कि इसकी सफलता श्रेय सह-कलाकारों के साथ अविश्वसनीय उर्जा के आदान-प्रदान को भी जाता है। करीना ने कहा,, मुझे अपनी कई फिल्मों का श्रेय अपने सह-अभिनेताओं को देना होगा। अभिनेता एक-दूसरे की ऊर्जा का लाभ उठाते हैं। जब वी मेट और ओमकारा जैसी बेहतरीन फिल्मों में, हमने हमेशा एक-दूसरे की ऊर्जा का लाभ उठाया है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि वह अपनी सभी शानदार फिल्मों के साथी कलाकारों को धन्यवाद देना चाहती है, क्योंकि उनके बिना इनमें से कोई भी फिल्म वैसी नहीं होती, जैसी वो हैं। उन्होंने कहा कि थ्री इडियट्स में आमिर खान से भी उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला। इस दौरान करीना कपूर खान ने सैफ अली खान के साथ अपनी फिल्म ओमकारा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उन्हें निर्देशकों और दोस्तों से तारीफ की उम्मीद थी, लेकिन लंगडा त्यागी के रूप में सैफ अली खान के प्रदर्शन ने उन्हें फीका कर दिया था।

पंचायत के निर्देशक दीपक मिश्रा की फिल्म में नजर आएंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा?

बॉलीवुड अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा कथित तौर पर एक आगामी फीचर फिल्म के लिए निर्माता एकता कपूर के साथ बातचीत कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन दीपक मिश्रा द्वारा किया जाएगा, जो लोकप्रिय वेब सीरीज पंचायत बनाने के लिए जाने जाते हैं। फिल्म के 2025 की दूसरी छमाही में फ्लोर पर जाने की उम्मीद है। यह फिल्म एकता कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स और द वायरल फीवर (टीवीएफ) के बीच एक डील का हिस्सा है। एक सूत्र ने प्रकाशन को बताया, एकता कपूर और टीवीएफ ने अनूठी लेकिन व्यावसायिक कहानियों को बड़े पर्दे पर लाने के लिए साझेदारी की है। यह बालाजी और टीवीएफ के बीच डील का एक हिस्सा है और सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ इस पर चर्चा चल रही है। सूत्र ने आगे खुलासा किया कि यह फिल्म नाटक और भावनाओं से भरपूर होगी, जो हिंदू पौराणिक कथाओं में निहित लोककथाओं की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। उन्होंने कहा, निर्माताओं के पास फीचर फिल्म के साथ कंतारा जैसा एक अनूठा सिनेमाई अनुभव बनाने का दृष्टिकोण है। उम्मीद है कि मल्होत्रा नवंबर में फाइनल नरेशन सुनेंगे और उसके बाद ही फिल्म को साइन करेंगे। एकता कपूर की फिल्म पर काम शुरू करने से पहले सिद्धार्थ मल्होत्रा, दिनेश विजान द्वारा समर्थित एक रोमांटिक कॉमेडी की शूटिंग पूरी करेंगे। इस फिल्म की शूटिंग नवंबर में शुरू होने वाली है। अभिनेता के रेस 4 के कलाकारों में शामिल होने की भी उम्मीद है, जिसकी शूटिंग 2025 की पहली तिमाही में शुरू होने वाली है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रमेश तौरानी के पास इन-हाउस लेखकों की एक टीम है जो रेस 4 के मूल कथानक पर काम कर रही है। उन्होंने कहानी को विकसित करने के लिए अनुभवी लेखकों और निर्देशकों को लाया है। सिद्धार्थ मल्होत्रा को सैफ अली खान के साथ लाने के लिए बातचीत शुरू हो चुकी है। सिद्धार्थ रेस फेंचाइजी के प्रशंसक हैं और इस भूमिका को निभाने के इच्छुक हैं।

जयम रवि ने केनिशा फ्रांसिस से अफेयर की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

तमिल अभिनेता रवि जयम ने पत्नी आरती से अपनी शादी के 15 सालों के बाद तलाक की घोषणा की है। तलाक की सोशल मीडिया पर अभिनेता की घोषणा के बाद जयम की पत्नी आरती का अपडेट आया है। आरती ने कहा कि उन्हें नहीं पता था कि उनके पति उनको तलाक दे देंगे। इस बात की जानकारी उनको सोशल मीडिया के जरिए हुई है। इस बीच जयम रवि को लेकर चर्चा होने लगी कि उनका गायिका केनिशा फ्रांसिस के साथ अफेयर की बात हो रही है।

मेरा नाम खराब करना आसान नहीं

बातचीत के दौरान जयम रवि ने कहा, जब लोग मेरी उस छवि को खराब करने की कोशिश करते हैं, जिसे मैंने सालों की मेहनत और स्क्रिप्ट के चयन के जरिए बनाया है, तो मैं बस हंस सकता हूं। मेरा नाम खराब करना आसान नहीं है। अगर आप सोच सकते हैं कि घोषणा के साथ ही पूरी बात सामने आ गई, तो ऐसा नहीं है।

पहले घर पर भेजा था नोटिस

जयम ने कहा, उन्होंने अपने वकील के माध्यम से आरती को तलाक का नोटिस भेजा था, जिसे उनके पिता ने स्वीकार कर लिया था। उन्होंने अपनी पूर्व पत्नी के इस दावे को खारिज कर दिया कि सार्वजनिक घोषणा पर चर्चा नहीं की गई और बताया कि कैसे उनके माता-पिता दोनों वहां मौजूद थे। फिर ये कैसे सच हुआ कि किसी को पता नहीं था और सोशल मीडिया से पता चला है। उन्होंने बताया, आरव का जन्मदिन जून में था और मैं उसे मनाने के लिए चेन्नई में था। जन्मदिन के जश्न की तस्वीरें भी हैं। वे कहते हैं कि मेरी कार को अलग-अलग तारीखों पर अलग-अलग शहरों में देखा गया था। मुझे अपनी कार को जहां भी ले जाना है, ले जाने का पूरा अधिकार है। आखिरकार, मैंने उसे अपनी मेहनत की कमाई से खरीदा है। साथ ही, मैंने आरव के साथ इस मुद्दे पर खुलकर बात की है क्योंकि अयान ऐसी चीजों को समझने के लिए बहुत छोटा है। आरव जाहिर तौर पर चाहता है कि हम साथ रहें।

किसी का नाम घसीटना ठीक नहीं

जयम रवि से जब गायिका केनिशा फ्रांसिस को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा, किसी का नाम घसीटना ठीक नहीं है। मैं उस व्यक्ति को जानता हूं क्योंकि मैं आध्यात्मिक केंद्र खोलना चाहता था। जिस व्यक्ति का नाम इंटरनेट पर घूम रहा है, वह एक प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक है, जिसने कई लोगों को अवसाद से बाहर निकाला है। यह ठीक नहीं है। मैं निश्चित रूप से अपने जीवन में एक बाधा से टकराया हूं, लेकिन यह अंत नहीं है।

ट्रोल्स का गम नहीं, पीठ पीछे बुराई करने वालों से लगता है डर!

अभिनेत्री क्रिस्टल डिसूजा फिल्म विस्फोट को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। वह कई बार सोशल मीडिया पर ट्रोल्स का शिकार भी हो चुकी हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने एक साक्षात्कार में साझा किया कि ऐसी कोई बात नहीं जो लोगों ने उन्हें कही ना हो। क्रिस्टल ने साक्षात्कार में अपना पक्ष रखते हुए कहा कि पहले इन सब चीजों से उन्हें फर्क पड़ता था, लेकिन अब नहीं पड़ता। अभिनेत्री ने कहा मुझे ट्रोल्स से डर नहीं लगता, बल्कि रियल लाइफ में जो लोग उनसे जुड़े हैं। वह पीछे भला-बुरा कहते हैं, लेकिन मुंह पर नहीं बोलते। उन्होंने कहा कि वह जैसी हैं वैसे ही अपनी जिंदगी जिएंगी।

डिफेंस स्टॉक देने जा रहा है 16वीं बार डिविडेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। जिन डिफेंस कंपनियों ने शेयर बाजार में निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है उसमें कोचिन शिपयार्ड एक है। कंपनी अब निवेशकों को डिविडेंड देने जा रही है। इस डिविडेंड के लिए घोषित रिकॉर्ड डेट कल यानी सोमवार को है। बता दें, पिछले हफ्ते आखिरी कारोबारी दिन को कोचिन शिपयार्ड के शेयरों में अपर सर्किट लगा था। जिसकी वजह से कंपनी के शेयरों का भाव 10 प्रतिशत बढ़ गया।

आ रहा है तगड़ा आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी आईपीओ में पैसे लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए अगले सप्ताह बेहद ही खास होने वाला है। अगले सप्ताह कई कंपनियों के आईपीओ लॉन्च होंगे। इनमें एक मेन बोर्ड का जबरदस्त आईपीओ भी शामिल है। दरअसल, हम जिस आईपीओ के बारे में बता रहे हैं

आंध्र प्रदेश स्थित तिरुपति बालाजी दुनिया का सबसे अमीर मंदिर

● इसके पास 11,329 किलो सोना और 18,817 करोड़ रुपये कैश है ● ट्रस्ट ने 2024-25 के लिए 5,141.74 करोड़ का बजट मंजूर किया है

नई दिल्ली, एजेंसी। आंध्र प्रदेश स्थित तिरुपति बालाजी मंदिर इन दिनों अपने लड्डू प्रसाद को लेकर चर्चा में है। राज्य की चंद्र बाबू नायडू सरकार ने जगन मोहन रेड्डी की अगुवाई वाली पिछली सरकार के दौरान मंदिर के प्रसाद में मिलावट का आरोप लगाया है। तिरुपति बालाजी मंदिर को दुनिया का सबसे अमीर मंदिर माना जाता है। सोने की कीमत में रेकॉर्ड तेजी के बावजूद भक्तों ने पिछले साल इस मंदिर को जमकर दान दिया। साल 2023 में इस मंदिर को 1,031 किलो सोने का चढ़ावा मिला जिसकी कीमत करीब 773 करोड़ रुपये है। तिरुपति ट्रस्ट के पास कुल 11,329 किलो सोना है जिसकी कीमत करीब 8,496 करोड़ रुपये है। आइए जानते हैं कि इस मंदिर से सरकार को क्या फायदा होता है।

तिरुपति बालाजी मंदिर का प्रबंधन करने वाले ट्रस्ट तिरुमला तिरुपति देवस्थानम ने गोल्ड मॉनेटाइजेशन स्कीम के तहत विभिन्न बैंकों में गोल्ड जमा कर रखा है। तिरुपति के भक्त चढ़ावे के रूप में कैश और गोल्ड देना पसंद करते हैं। मंदिर से जुड़े विभिन्न ट्रस्टों ने बैंकों में 13,287 करोड़ रुपये एफडी के रूप में जमा किए हैं जिस पर

सालाना 1,600 करोड़ रुपये का ब्याज मिलता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल, 2024 तक तिरुपति ट्रस्ट के पास रेकॉर्ड 18,817 करोड़ रुपये का कैश बैलेंस है। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम ने इस साल 1,161 करोड़ रुपये की एफडी कराई है जो पिछले 12 साल में सबसे ज्यादा है।

5,000 करोड़ से अधिक का बजट

आंकड़ों के मुताबिक पिछले 12 साल में केवल तीन बार ही ट्रस्ट के द्वारा कराई गई एफडी की रकम 500 करोड़ रुपये से कम रही। साल 2021 और 2022 में कोरोना महामारी के कारण मंदिर की कमाई प्रभावित हुई थी। ट्रस्ट ने 2024-25 के लिए 5,141.74 करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया है। यह पहला मौका है जब ट्रस्ट का बजट 5,000 करोड़ रुपये के पार पहुंचा है। ट्रस्ट को प्रसादम की बिक्री से 600 करोड़ रुपये की कमाई होने का अनुमान है। इसी तरह दर्शन टिकट से 338 करोड़ रुपये, कर्मचारियों को दिए गए लोन और एडवांसेज से 246.39 करोड़ रुपये की उम्मीद है। ट्रस्ट को 129 करोड़ रुपये अन्य पूंजी प्राप्तियों से, 150 करोड़ रुपये अर्जित सेवा टिकट से, 151.5 करोड़ रुपये कल्याणकत्ता रिसीट से और 147 करोड़ रुपये कल्याण मंडपम रिसीट से मिलने का अनुमान है। साथ ही ट्रस्ट रिसीट से 85 करोड़ रुपये, रेंट, इलेक्ट्रिक और अन्य रिसीट के रूप में 60 करोड़ रुपये मिलेंगे। इसी तरह टोल फी कलेक्शन के रूप में 74.5 करोड़ रुपये और 35.25 करोड़ रुपये पब्लिकेशन रिसीट के रूप में मिलने का अनुमान है। इसी तरह चढ़ावे के रूप में 1,611 करोड़ रुपये मिलने की संभावना है।

सरकार को कितना फायदा

बजट के मुताबिक ट्रस्ट 1,733 करोड़ रुपये एचआर पेमेंट्स के रूप में खर्च करेगा जो पूरे साल के हुंडी कलेक्शन से 122 करोड़ रुपये ज्यादा है। इसी तरह ट्रस्ट 751 करोड़ रुपये मटीरियल्स की खरीद पर और 750 करोड़ रुपये कॉर्पस और दूसरे इन्वेस्टमेंट पर खर्च करेगा। 350 करोड़ रुपये इंजीनियरिंग वर्क्स और 53 करोड़ रुपये श्रीनिवास सेतु के काम के लिए रखे गए हैं। 60 करोड़ रुपये एसवीआईएमएस हॉस्पिटल में इंजीनियरिंग के काम पर खर्च होंगे जबकि अस्पताल को 80 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जाएगा। 190 करोड़ रुपये इंजीनियरिंग मेंटनेंस के काम पर खर्च होंगे और 80 करोड़ रुपये फैसिलिटी मैनेजमेंट सर्विसेज में यूज होंगे। बजट के अनुसार टीटीडी 113.5 करोड़ रुपये विभिन्न संस्थानों को अनुदान के रूप में देगा। 108.5 करोड़ रुपये हिंदू धर्म प्रचार परिषद को मिलेंगे। लोन और एंडवास पर 166.63 करोड़ रुपये का खर्च आएगा। 100 करोड़ रुपये पेंशन और ईएचएस फंड कंट्रीब्यूशन के लिए दिए जाएंगे जबकि 62 करोड़ रुपये इलेक्ट्रिकल चार्जेज के लिए होंगे। पब्लिकेशंस और एडवरटाइजमेंट में 10 करोड़ रुपये खर्च होंगे। टीटीडी 50 करोड़ रुपये राज्य सरकार को कंट्रीब्यूशन के रूप में देगा। यह ट्रस्ट के कुल बजट का करीब एक फीसदी है।

एशियन पेंट्स नियोभारत ने ग्रामीण भारत के प्रगति के रंग दिखाने के लिए यूट्यूब क्रिएटर्स के साथ साझेदारी की है

मुंबई, एजेंसी। अग्रणी पेंट और डेकोर ब्रांड एशियन पेंट्स, जो भारत भर में घरों और जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, की ओर से गर्व से पेश है 'प्रगति के रंग', एक ऐसी कंटेंट सीरीज़ जो एशियन पेंट्स के नियोभारत लेटेक्स पेंटद्वारा शामिल की गई प्रगति की भावना को कैप्चर करती है। यह सीरीज़ यूट्यूब क्रिएटर्स और छोटे शहरों के व्यक्तियों की प्रेरक कहानियों की सराहना करती है और इसमें एक सुनहरे भविष्य की ओर उनकी इस बदलाव यात्रा को दिखाया जा रहा है। 'प्रगति के रंग' सिर्फ व्यक्तिगत विकास को ही नहीं दिखाती है बल्कि यह ग्रामीण भारत में नियोभारत लेटेक्स पेंट के प्रभाव को भी दिखाती है। एशियन पेंट्स का लक्ष्य इन दूरदर्शी कहानियों की मदद से ग्रामीण भारत के समुदायों की कहानियाँ दिखाकर ग्रामीण ऑडियंस से जुड़ना है और इस बात पर ध्यान दिलाना है कि ये समुदाय देश की प्रगति में कैसे योगदान देते हैं। एशियन पेंट्स के प्रगति के रंग में चार यूट्यूब क्रिएटर्स की प्रेरक कहानियाँ हैं, जो भले ही छोटे शहरों से आते हैं, फिर भी अपनी प्रेरणादायक कहानियों और कंटेंट की मदद से सोशल मीडिया पर उनके बड़ी संख्या में फॉलोअर्स हैं। इस सीरीज़ में सोनीपत के एक फिटनेस क्रिएटर और राष्ट्रीय क्रिएटर पुरस्कार विजेता अंकित बैयानपुरिया को दिखाया गया है, जो नियोभारत लेटेक्स पेंट्स के साथ मिलकर एक स्थानीय अखाड़े को फिर से एक नया रूप देकर इसकी दीवारों को युवा पहलवानों के सपनों को दिखाने वाले ग्राफ़िक आर्टवर्क से भर रहे हैं। दूसरे एपिसोड में जामताड़ा के ट्रक ड्राइवर और यूट्यूब स्टार राजेश रवानी को दिखाया गया है, जो ह्॥-33केएक पसंदीदा ढाबे में बदलाव लातेहैं। यह ढाबा, जो आराम करने के लिए है, अब इसकी दीवारों पर ऐसे ग्राफिक आर्टवर्क लगे हुए हैं जो भारत की प्रगति में ट्रक ड्राइवरों की महत्वपूर्ण भूमिका का आदर करते हैं।

पोको के एमआरपी कैंपेन का अंतर्गत फ्लिपकार्ट की बिग बिलियन डेज़ सेल में स्मार्टफोन पर मिलेगी शानदार छूट

मुंबई, एजेंसी। उपभोक्ताओं के दिलों में तेजी से अपनी जगह बनाने वाला मशहूर टेक्नोलॉजी ब्रांड पोको इंडिया अपना रोमांचक एमआरपी कैंपेन ले कर आ रहा है। इस कैंपेन के साथ यह फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज़ में धमाल मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। पोको ने अपना खुद का मैड रिटेल प्राइस लॉन्च किया है। जिससे 'एमआरपी पूरी तरह से बदल गई है। इस इन्नोवेटिव पहल से ग्राहकों को शानदार छूट पाने का सुनहरा मौका मिलेगा। यह पहल रिटेल मूल्य निर्धारण के कांसेप्ट को एक नई परिभाषा देती है जिससे प्रीमियम टेक्नोलॉजी बेहतरीन रूप में किफायती बनती है। अपने टॉप स्तर के उपकरणों पर शानदार छूट देकर पोको यह सुनिश्चित कर रहा है कि अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी अब सभी की पहुंच में संभव है। इतना ही नहीं ग्राहक चुनिंदा बैंक ऑफ़र के साथ इंस्टेंट बचत का लाभ भी उठा सकते हैं। इसका मतलब यह सेल टेक्नोलॉजी के प्रेमियों के लिए सबसे बड़ा त्यौहार बन जाएगी।

2032 तक 10 लाख करोड़ डॉलर होगी देश की जीडीपी, आईआईपी में अमेरिका, चीन, जर्मनी, जापान छूटेंगे पीछे

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की अर्थव्यवस्था 2032 तक बढ़कर 10 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच जाएगी। अगले छह वर्षों तक हर 18वें महीने में इसमें एक लाख करोड़ डॉलर की बढ़त होगी। आईडीबीआई कैपिटल ने शनिवार को जारी रिपोर्ट में कहा, 2030 तक भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरेगा। रिपोर्ट के अनुसार, देश की तेज वृद्धि मुख्य रूप से विनिर्माण क्षेत्र के दम पर होगी। यह क्षेत्र सकल मूल्यवर्धित (जीवीए) में 32 फीसदी का योगदान कर सकता है। मेक इन इंडिया जैसी प्रमुख पहलों से देश की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने और भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना महामारी के कारण अर्थव्यवस्था को बढ़ने में थोड़ी देरी हुई। इससे 2024 के अंत तक चार लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने की समयसीमा बढ़ गई, लेकिन अब आने वाले वर्षों में तेजी से विकास के लिए देश तैयार है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में अमेरिका, चीन, जर्मनी, दक्षिण कोरिया व जापान जैसे देशों को पछाड़कर विनिर्माण के क्षेत्र में अग्रणी वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं से आगे निकल जाएगा।

1 करोड़ वेतन के बावजूद एक दिन में ही छोड़ी ईवाई की नौकरी, अशनीर के वीडियो पर हर्ष गोयनका बोले

नई दिल्ली, एजेंसी। अर्न्स्ट एंड यंग की कर्मचारी अन्ना सेबेस्टियन पेरायिल की कथित तौर पर अधिक काम के कारण हुई मौत के कुछ दिनों बाद, भारतपे के सह-संस्थापक अशनीर ग्रोवर का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर फिर से सामने आया है, जिसमें वे विषाक्त कार्य संस्कृतियों के बारे में बात कर रहे हैं। वीडियो में, शार्क टैंक इंडिया के पूर्व जज ने एक करोड़ रुपये पैकेज मिलने के बावजूद एक दिन के भीतर श्वङ्क छोड़ने के अपने फैसले के बारे में बताया था।

क्लिप में अशनीर ग्रोवर यह बताते दिखते हैं कि कैसे उन्होंने एक दिन में ही ईवाई की नौकरी छोड़ दी। ग्रोवर ने कहा, मैं कार्यालय में गया, चारों ओर देखा और बाहर निकलने के लिए सीने में दर्द होने का नाटक किया। उन्होंने कार्यालय के माहौल को बेजान बताते हुए अपने फैसले को उचित ठहराया। उन्होंने वहां के कर्मचारियों के मृत और लाश जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। हालांकि, उन्होंने एक विवादास्पद विचार भी सामने रखा कि सबसे अच्छे दफ्तर वे होते हैं जिन्हें विषाक्त माना जाता है क्योंकि उनके अनुसार, यहीं पर काम होता है। अशनीर ग्रोवर ने कहा, अगर कोई कह रहा है कि किसी दफ्तर में

विषाक्त संस्कृति है, तो वह सबसे अच्छा है। वीडियो को अरबपति उद्योगपति हर्ष गोयनका ने शेयर करते हुए अशनीर ग्रोवर की आलोचना की थी और कहा था कि वह विषाक्त कार्य वातावरण को बढ़ावा दे रहे हैं। गोयनका ने एक्स पर लिखा, किसी को भी विषाक्त वातावरण की वकालत करते देखना हैरान करने वाला है।

26 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट अन्ना सेबेस्टियन, जो चार महीने पहले श्वङ्क के पुणे कार्यालय से जुड़ी थीं की जुलाई में मृत्यु हो गई। कथित तौर पर उनकी मौत अत्यधिक काम के दबाव को झेलने कारण हुई। अन्ना की मां ने एक पत्र में दावा किया कि उनकी बेटी की मृत्यु अधिक काम के कारण हुई और कंपनी पर कर्मचारियों की भलाई की उपेक्षा करने का आरोप लगाया। शोकाकुल मां ने यह भी कहा कि श्वङ्क से कोई भी अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुआ और उन्होंने कंपनी से भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के लिए अपनी कार्य संस्कृति का पुनर्मूल्यांकन करने का आग्रह किया। उन्होंने लिखा, मुझे उम्मीद है कि मेरा पत्र वास्तविक बदलाव लाएगा ताकि किसी अन्य परिवार को वह दुख न सहना पड़े जो हमें सहना पड़ा।

एक बयान में, श्वङ्क इंडिया के चेयरमैन राजीव मेमानी ने 26 वर्षीय अन्ना की मौत पर बात की और वादा किया कि जब तक कंपनी एक सही मायने में सामंजस्यपूर्ण कार्यस्थल नहीं बना लेती, तब तक वे आराम नहीं करेंगे। उन्होंने लिंक्डइन पर लिखा, मैं एक सामंजस्यपूर्ण कार्यस्थल को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हूं, और जब तक यह उद्देश्य पूरा नहीं हो जाता, मैं आराम नहीं करूंगा। उन्होंने इस बात पर भी खेद व्यक्त किया कि श्वङ्क से कोई भी अन्ना के अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हुआ, उन्होंने इसे कंपनी की संस्कृति के पूरी तरह से खिलाफ बताया।

5 स्कीमों ने किया मालामाल, 6500 रुपये से सालभर में लखपति...

नई दिल्ली, एजेंसी। म्यूचुअल फंड स्कीमों के बारे में एक बात अक्सर कही जाती है। वह यह है कि लंबी अवधि में ये स्कीमें अच्छा रिटर्न देती हैं। हालांकि, म्यूचुअल फंड की कुछ स्कीमों ने कम समय में भी अच्छा रिटर्न दिया है। ईटी नाउ ने ऐसी ही 5 स्कीमों की पहचान की है। उसकी रिपोर्ट पिछले एक साल में 55 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न देने वाली 5 म्यूचुअल फंड स्कीमों पर आधारित है। फंड हाउस की कई सेक्टोरल/थीमेटिक म्यूचुअल फंड स्कीमों ने शानदार प्रदर्शन किया है। इनमें से टॉप 10 स्कीम ने एक साल में 45 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है। टॉप 5 स्ब्न स्कीम ने तो 50 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है। डाटा से पता चलता है कि सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली म्यूचुअल फंड स्कीम

एचडीएफसी फंड हाउस की है। इसने पिछले साल 80 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है। अगर किसी निवेशक ने टॉप 5 स्कीम में हर महीने 6500 रुपये का एसआईपी किया होता तो उनका कॉर्पस 1 लाख से रुपये ज्यादा हो गया होता। क्वांट हेल्थकेयर फंड लगभग एक साल पुरानी स्कीम है। इसने पिछले एक साल में अपने डायरेक्ट प्लान में 59.91 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। अगर किसी ने एक साल तक हर महीने इसमें 6500 रुपये का एसआईपी किया होता तो उनका कॉर्पस 1,03,679 रुपये हो गया होता। एचडीएफसी ट्रांसपोर्टेशन एंड लॉजिस्टिक्स फंड पिछले साल 17 अगस्त को लॉन्च हुई थी। इस सेक्टोरल स्कीम के डायरेक्ट प्लान ने पिछले एक साल में 63.25 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इस स्कीम में एक साल तक हर महीने 6,500 का एसआईपी करने पर कॉर्पस 1,04,317 रुपये हो गया होता। क्वांट बिज़नेस साइकिल फंड 30 मई, 2023 को लॉन्च हुई थी। इसके डायरेक्ट प्लान ने पिछले एक साल में 67.35 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इस स्कीम में हर महीने 6500 रुपये का एसआईपी करने पर कॉर्पस 1,02,572 हो गया होता। क्वांट मैन्युफैक्चरिंग फंड 14 अगस्त, 2023 को लॉन्च हुआ था। म्यूचुअल फंड की इस स्कीम में हर महीने 6500 रुपये का एसआईपी करने पर कॉर्पस 1,02,206 रुपये हो गया होता। इसके डायरेक्ट प्लान ने एक साल में 68.44 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। एचडीएफसी डिफेंस फंड इस कैटेगरी की विजेता स्कीम है। इसे पिछले साल 2 जून को लॉन्च किया गया था। इसके डायरेक्ट प्लान ने एक साल में 82.11 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। इसमें हर महीने 6500 रुपये का एसआईपी करने पर कॉर्पस 1,03,695 रुपये हो गया होता।

टाटा में घर वापसी से भी नहीं सुधरी एयर इंडिया की हालत

नई दिल्ली, एजेंसी। अपनी घड़ियां सेट करो दोस्तों, हम अपने तय समय पर हैं। जेआरडी टाटा ने एयर इंडिया की पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ान पर यह टिप्पणी की थी। यह उड़ान 8 जून, 1948 को बंबई (अब मुंबई) से काहिरा और जिनेवा होते हुए लंदन के लिए रवाना हुई थी और अगले दिन सही समय पर अपने गंतव्य पर पहुंची थी। लेकिन अब एयर इंडिया के यात्रियों के लिए अब वह बात नहीं रह गई है। एयरलाइन की लंबी और मध्यम दूरी की उड़ानों में लगातार देरी की शिकायतें आ रही हैं। एयर इंडिया की सात दशक बाद फिर से टाटा ग्रुप में वापसी हुई है लेकिन इसका ऑन टाइम परफॉर्मेंस लगातार खराब होता जा रहा है। एयर इंडिया के मुकाबले विस्तारा समय की ज्यादा पाबंद थी। अब 12 नवंबर को इसका एयर इंडिया में विलय होने जा रहा है।

एयर इंडिया के यात्रियों की परेशानी को एक उदाहरण से समझ सकते हैं। 31 अगस्त, 2024 को मुंबई और लंदन की उड़ान संख्या ढ्ढ 129 अपने निर्धारित प्रस्थान समय सुबह 5.15 बजे से लगभग नौ घंटे बाद रवाना हुई। उसी दिन मुंबई-न्यूयॉर्क फ्लाइट 12 घंटे की देरी के बाद रवाना हुई। उड़ान ट्रैकिंग साइट्स से पता चलता है कि ढ्ढ 129 फ्लाइट 28, 29 और 30 अगस्त को दोपहर 2 बजे के बाद रवाना हुई। इसी तरह 23 और 24 अगस्त को यह सुबह 8 बजे के बाद रवाना हुई। देरी की सूची अंतहीन है। अपने निर्धारित

प्रस्थान/आगमन समय से 15 मिनट के भीतर ऑपरेट होने वाली उड़ान को समय पर माना जाता है।

खराब रेकॉर्ड

एयर इंडिया की घरेलू उड़ानों का रिकॉर्ड भी पाबंदी के मामले में बहुत खराब है। ष्ठत्रष्ट के आंकड़ों के अनुसार हाल के महीनों में केवल स्पाइसजेट और एलायंस एयर का ऑन टाइम परफॉर्मेंस इससे खराब रहा है। लेकिन यात्रियों के पास घरेलू मार्गों पर विकल्प हैं। वर्ष 2023 में एयर इंडिया की घरेलू बाजार हिस्सेदारी 9.7 प्रतिशत थी। हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय बाजार की बात अलग है। एयर इंडिया उत्तरी अमेरिका, यूरोप, सुदूर पूर्व और ऑस्ट्रेलिया के लिए मीडियम से लेकर अल्ट्रा लॉन्ग हॉल नॉनस्टॉप उड़ानें संचालित करती है। दिल्ली से शिकागो, सैन फ्रांसिस्को और वाशिंगटन, मुंबई से मैन फ्रांसिस्को और बेंगलुरु से सैन फ्रांसिस्को जैसे कई रूट्स पर एयर इंडिया ही एकमात्र सीधी सेवा है। उत्तरी अमेरिका के लिए एयर इंडिया की सीधी उड़ानें सबसे तेज विकल्प हैं क्योंकि एयरलाइन रूस से होकर गुजरती है और सबसे छोटा रास्ता अपनाती है। इन उड़ानों में देरी से उन यात्रियों के धैर्य का बांध टूट रहा है जो एयर इंडिया के लॉयल कस्टमर हैं। अप्रैल 2024 में भारत से इंटरनेशनल फ्लाइट्स में एयर इंडिया की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत, इंडिगो की 17 प्रतिशत और एमिरेट्स की 7 प्रतिशत थी। इस बारे में एयर इंडिया की तरफ से फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं आई।

डीजीसीए का हस्तक्षेप

हाल ही में लगातार लंबी दूरी की तीन उड़ानों में देरी के कारण डीजीसीए को हस्तक्षेप करना पड़ा। 24 मई को मुंबई-सैन फ्रांसिस्को के बीच एयर इंडिया की उड़ान में 18 घंटे की देरी हुई। इसी तरह 30 मई को दिल्ली-सैन फ्रांसिस्को फ्लाइट में 30 घंटे से अधिक की देरी और 1 जून को दिल्ली-वैंकूवर फ्लाइट में 20 घंटे से अधिक की देरी हुई। डीजीसीए के नोटिस में कहा गया था कि एयर इंडिया बार-बार यात्रियों की उचित देखभाल करने में विफल रही है। डीजीसीए अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए ओटीपी के आंकड़े नहीं देता है।

टीओआई ने एयर इंडिया के खराब प्रदर्शन का कारण जानने के लिए स्टेकहोल्डर्स के एक वर्ग से बात की। इसमें इंजीनियरिंग और रखरखाव संबंधी मुद्दे सबसे कॉमन रहे। इस कारण विमानों को बार-बार ग्राउंड होना पड़ता है। स्पेयर्स की कमी और खराब क्रू प्लानिंग के कारण भी एयर इंडिया की फ्लाइट्स में देरी होती है। सूत्रों का कहना है कि एयर इंडिया ने अपनी क्षमता से अधिक उड़ानें अपने हाथ में ले ली हैं। इससे विमानों का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है। कंपनी ने कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें जोड़ी हैं।

जमीनी हकीकत से दूर है मैनेजमेंट

कई स्टेकहोल्डर्स का कहना है कि मैनेजमेंट जमीनी हकीकत से दूर है और नए मैनेजर्स पुरानी टीम को साथ लेने को तैयार नहीं है। इससे पुराने कर्मचारी नाराज चल रहे हैं। बहुत से लंबे समय से काम कर रहे कर्मचारी अब खुद को अलग-थलग महसूस करते हैं। सूत्रों ने कहा कि हर चीज के लिए कई ऐप और ईमेल हैं। अगर कुछ रिपोर्ट करना है, तो ईमेल से करें। जवाब मिलने में कई दिन लग सकते हैं।

एयर इंडिया के अंदरूनी लोगों का भी मानना है कि केवल नए विमान लाने से ये मुद्दे हल नहीं होंगे।

एयर इंडिया के निजीकरण के समय एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड (ढ्ढश्वस्रु) को अलग कर दिया गया था। सूत्रों ने कहा कि सिस्टम और प्रक्रियाएं लागू होनी चाहिए। हमारी लंबी दूरी की उड़ानें विमानों की अधिकतम वहन क्षमता के साथ संचालित होती हैं। यहां तक कि एक छोटी सी समस्या का मतलब है यात्रियों या सामान को पीछे छोड़ना, उड़ानों में देरी या रद्द करना। बॉम्बे हाउस (टाटा का मुख्यालय) इस मामले से अवगत है। वह स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और पूछे जाने वाले सवाल पूछ रहा है।

उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक ने अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए, नई शाखा मध्यप्रदेश के तिलहरी, जबलपुर में खोली

जबलपुर, एजेंसी। उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (उत्कर्ष एसएफबीएल) ने आज मध्यप्रदेश राज्य के जबलपुर के तिलहरी में अपनी नई शाखा की शुरू की। इस नई शाखा की शुरूआत से, मध्यप्रदेश में कुल शाखाओं की संख्या 42 और देश भर में कुल संख्या 966 तक पहुंच गई है। इस नई शाखा की शुरूआत के अवसर पर बोलते हुए उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री गोविंद सिंह ने कहा, हमें इस बात की खुशी है कि हमारे बैंकिंग नेटवर्क का विस्तार जबलपुर के तिहारी जैसे तेजी से बढ़ते क्षेत्र में हो रहा है। नई शाखा इस बात का प्रमाण है कि हम मध्यप्रदेश में अपनी एक और उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। तिलहरी, जबलपुर अपने शानदार संस्कृति और महत्वपूर्ण कृषि गतिविधियों के लिए मशहूर है, जहां विकास के सभी तरह के अवसर उपलब्ध हैं। यह नया बैंकिंग आउटलेट निश्चित तौर पर अपनी विस्तृत और व्यापक आर्थिक सेवाओं का लाभ स्थानीय लोगों को देगा, इसका मुझे पूरा विश्वास है। बैंक के द्वारा अपने ग्राहकों को तमाम तरह के वित्तीय उत्पाद और सेवाएं प्रदान कराई जाती हैं जिनमें सेविंग और करेंट अकाउंट्स, फिक्स्ड डिपाजिट और रेकरिंग डिपाजिट जैसी सेवाएं शामिल हैं।

संजू सैमसन-रिकी भुई के शतक

अर्शदीप की घातक गेंदबाजी

श्रेयस अय्यर की टीम ने 257 रन से जीता मैच

नईदिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2024 के तीसरे चरण के मुकाबले में श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली इंडिया डी टीम का सामना अभिमन्यू ईश्वरन की कप्तानी वाली इंडिया बी टीम के साथ हुआ। श्रेयस की टीम ने अपने पहले दो मुकाबले गंवाए थे, लेकिन तीसरे मैच में इस टीम ने संजू सैमसन और रिकी भुई की शतकीय पारी साथ ही अर्शदीप सिंह की घातक गेंदबाजी के दम पर इंडिया बी को 257 रन के बड़े अंतर से हराने में सफलता हासिल की। इस मुकाबले में इंडिया डी ने पहली पारी में संजू सैमसन की शतकीय पारी के दम पर 349 रन बनाए और फिर इंडिया बी ने पहली पारी में कप्तान अभिमन्यू की शतक के दम पर 282 रन बनाए। पहली पारी में इंडिया डी को 67 रन की बढ़त मिली और फिर इस टीम ने दूसरी पारी में रिकी भुई की नाबाद शतकीय पारी के दम पर 305 रन बनाए और अपनी कुल बढ़त 372 रन करते हुए इंडिया बी को जीत के लिए 373 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में इंडिया बी की टीम दूसरी पारी में अर्शदीप की घातक गेंदबाजी के सामने 115 रन पर ही सिमट गई और उसे 257 रन से हार मिली।

इंडिया डी के लिए इस मैच की पहली पारी में संजू सैमसन ने 101 गेंदों पर 3 छक्के और 12 चौकों की मदद से 106 रन की पारी खेली जबकि देवदत्त पडीक्कल ने 50 रन, केएस भरत ने 52 रन और रिकी भुई ने 56 रन की पारी खेली। पहली पारी में कप्तान श्रेयस अय्यर डक पर आउट हो गए थे जबकि इंडिया बी की तरफ से नवदीप सैनी ने सबसे ज्यादा 5 विकेट लिए। वहीं पहली पारी में इंडिया बी के कप्तान अभिमन्यू ने 116 रन की पारी खेली जबकि वाशिंगटन सुंदर ने 87 रन बनाए थे। पहली पारी में इंडिया डी की तरफ से सौरव कुमार ने 5 विकेट जबकि अर्शदीप सिंह ने 3 विकेट लिए जबकि आदित्य ठाकरे ने 2 सफलता हासिल की। दूसरी पारी में इंडिया डी की तरफ से रिकी भुई ने नाबाद शतकीय पारी खेली और 124 गेंदों पर 3 छक्के और 15 चौकों की मदद से नाबाद 119 रन की पारी खेली। दूसरी पारी में इंडिया डी के कप्तान श्रेयस अय्यर ने तेज बल्लेबाजी की और 40 गेंदों पर एक छक्का और 7 चौकों की मदद से 50 रन बनाए। संजू सैमसन ने दूसरी पारी में 45 रन टीम के लिए बनाए। दूसरी पारी में इंडिया बी के लिए मुकेश कुमार ने 4 विकेट जबकि नवदीप सैनी ने 3 विकेट हासिल किए। सूर्यकुमार यादव इस मैच की दोनों पारियों में फेल रहे। पहली पारी में उन्होंने 5 रन बनाए जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 16 रन बनाए। दूसरी पारी में इंडिया बी 115 रन पर निपट गई और अर्शदीप सिंह ने 6 विकेट लिए जबकि आदित्य ठाकरे ने 4 विकेट लिए। अर्शदीप ने इस मैच में कुल 9 विकेट लिए।

तेंदुलकर ने 200 टेस्ट में बनाया था जो कीर्तिमान अश्विन ने उसे 101वें मैच में ही किया ध्वस्त; कोहली, कुंबले, जडेजा की बराबरी की

चैन्नई, एजेंसी। भारत ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में चेन्नई में बांग्लादेश को 280 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। इस मैच में आर अश्विन ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया और प्लेयर ऑफ द मैच बने। अश्विन अब टेस्ट प्रारूप में भारत के लिए सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच प्लस प्लेयर ऑफ द सीरीज (दोनों मिलाकर) खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने इस मामले में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया। वहीं इस मैच में प्लेयर ऑफ द मैच खिताब जीतने के बाद उन्होंने विराट कोहली, अनिल कुंबले और रविंद्र जडेजा की भी बराबरी कर ली।

अश्विन ने तेंदुलकर को पीछे छोड़ा – अश्विन ने अपने 101वें टेस्ट मैच को अपने प्रदर्शन के जरिए यादगार बना दिया और बांग्लादेश के खिलाफ ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। पहली पारी में उन्होंने टीम के लिए 113 रन की पारी खेली और गेंदबाजी में भी कमाल का प्रदर्शन किया। पहली पारी में उन्होंने कोई विकेट हासिल नहीं किया था, लेकिन दूसरी पारी में सारी कसर पूरी करते हुए 21 ओवर में 88 रन देकर 6 विकेट लिए। अपने इस प्रदर्शन के दम पर वो प्लेयर ऑफ द मैच बने।

सचिन तेंदुलकर ने अपने 200 टेस्ट मैच के दौरान मैन ऑफ द मैच प्लस मैन ऑफ द सीरीज का खिताब 19 बार जीता था, लेकिन अश्विन ने 101 वें टेस्ट मैच में ही उन्हें पीछे छोड़ दिया। अश्विन ने टेस्ट करियर के 101 मैच में ही मैन ऑफ द मैच प्लस मैन ऑफ द सीरीज का खिताब 20 बार जीतकर उन्हें पीछे छोड़ दिया। इस लिस्ट में राहुल द्रविड़ तीसरे, अनिल कुंबले चौथे और सहवाग व कोहली संयुक्त रूप से 5वें नंबर पर हैं।

टेस्ट मैचों में भारत के लिए सबसे ज्यादा मैन ऑफ द मैच पुरस्कार

14 – सचिन तेंदुलकर
11 – राहुल द्रविड़
10 – रवि अश्विन
10 – रविंद्र जडेजा
10 – विराट कोहली
10 – अनिल कुंबले

टेस्ट में भारत के लिए सबसे ज्यादा मैन ऑफ द मैच प्लस मैन ऑफ द सीरीज खिताब जीतने वाले खिलाड़ी

20 - रवि अश्विन
19 - सचिन तेंदुलकर<ड्ढह्>15 ड्ड राहुल द्रविड़
14 - अनिल कुंबले
13 - वीरेंद्र सहवाग
13 - विराट कोहली</श्च>

अश्विन ने कर ली कोहली, जडेजा और कुंबले की बराबरी – अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में 10वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता और रविंद्र जडेजा, विराट कोहली और अनिल कुंबले की बराबरी कर ली। इन तीनों खिलाड़ियों ने भी 10-10 बार ये खिताब टेस्ट में जीते थे। इस लिस्ट में सचिन तेंदुलकर पहले नंबर पर हैं जबकि राहुल द्रविड़ दूसरे नंबर पर हैं। वहीं अश्विन अब जडेजा, कोहली और कुंबले के साथ संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर आ गए।

शतरंज ओलंपियाडः

भारत ने जीता ऐतिहासिक स्वर्ण, विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर डी गुकेश ने फाबियानो को हराया

बुडापेस्ट (हंगरी), एजेंसी। हंगरी की राजधानी में आयोजित शतरंज ओलंपियाड में भारत ने ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने में सफलता पाई है। विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर डी गुकेश ने फाबियानो को हरा दिया है। शतरंज ओलंपियाड में भारत को पहली बार स्वर्ण पदक मिला है।

भारतीय पुरुष टीम ने 45वें शतरंज ओलंपियाड के 10वें दौर में मजबूत अमेरिका को 2.5-1.5 से हराकर एक दौर शेष रहते ही ऐतिहासिक स्वर्ण पदक पर

कब्जा तय कर लिया है। भारत 19 अंक के साथ शीर्ष स्थान पर कायम है। अगले दौर में हारने पर भी उच्च टाईब्रेक स्कोर के कारण चैंपियन बन जाएगा। गुकेश-अर्जुन ने बाजियां जीतीं। डी गुकेश ने फाबियानो कारुआना को शिकस्त दी।

हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में आयोजित प्रतियोगिता में ग्रैंडमास्टर और विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर डी गुकेश ने फाबियानो कारुआना को शिकस्त देकर भारत को पुरुष वर्ग में पहली बार शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण दिलाने में मदद की। इसकी पुष्टि ग्रैंडमास्टर प्रवीण थिप्से और प्रगनानंदा के कोच आर बी रमेश ने भी की। आर बी रमेश ने टीम को स्वर्ण जीतने पर बधाई भी दी।

19 अंक के साथ भारतीय पुरुष टीम शीर्ष पर कायम है

प्रवीण थिप्से ने कहा कि भारत 11वां दौर हार भी जाता है और दूसरी टीम से उसके बराबर अंक रह जाते हैं तो भी ट्राई ब्रेकर में भारत का स्कोर अच्छा है जिससे उसका स्वर्ण पक्का है। 45वें शतरंज ओलंपियाड के 10वें दौर में भारतीय पुरुष टीम ने अमेरिका को 2.5-1.5 से हराया। भारतीय पुरुष टीम टूर्नामेंट में हारी नहीं है और 19 अंक के साथ ओपन वर्ग में शीर्ष पर कायम है। प्रगनानंदा को वेस्ली सो से हार मिली। विदित ने लेवरोन को ड्रॉ पर रोका। अर्जुन ने पेरेज को हराया।

महिला टीम ने चीन को दी शिकस्त

भारतीय महिला टीम ने चीन को 10वें दौर में 2.5-1.5 से शिकस्त दी। महिला टीम ने इससे पहले अमेरिका की टीम से ड्रॉ खेला था और अब चीन पर जीत के साथ वापसी की। भारतीय महिला टीम में सिर्फ दिव्या देशमुख को जीत मिली जबकि नोएडा की वंतिका अग्रवाल, वैशाली और हरिका ने ड्रॉ खेला। दिव्या ने शिक्केन को हराया। वंतिका ने मियाओई को बराबरी पर रोका। शीर्ष बोर्ड पर हरिका को झू जिनेर के खिलाफ ड्रॉ खेलना पड़ा जबकि वंतिका ने मियाओइ को बराबरी पर रोक दिया।

सीपीएल 2024 में 9 विकेट लेने वाले ने जिताया मैच

नाम बदलने के बाद तीसरे सबसे छोटे स्कोर पर ऑल आउट हुई ये टीम

नईदिल्ली, एजेंसी। 21 सितंबर को सीपीएल 2024 की टॉप की दो टीमों के बीच मुकाबला हुआ. बारबाडोस रॉयल्स और सेंट लुसिया किंग्स के बीच हुई इस टक्कर में उम्मीद तो वैसे रनों की बारिश के होने की थी लेकिन देखने को विकेटों की पतझड़ मिली. सेंट लुसिया किंग्स के गेंदबाजों का कहर बारबाडोस रॉयल्स के बल्लेबाजों पर जमकर टूटा, जिसका नतीजा ये रहा कि वो नाम बदलने के बाद टी-20 में अपने तीसरे सबसे छोटे स्कोर पर ऑल आउट हो गए. सेंट लुसिया किंग्स के जिस गेंदबाज ने बारबाडोस रॉयल्स को सबसे ज्यादा तंग किया वो रहे सीपीएल 2024 की पिच पर 9 विकेट लेने वाले अल्जारी जोसेफ ।

23 छक्के लगाने वाले डिकॉक के लिए खास प्लान - 27 साल के अल्जारी जोसेफ ने मैच में पहले बैटिंग करने उतरी बारबाडोस रॉयल्स के टॉप से लेकर मिडिल ऑर्डर तक हमला बोला. जबरदस्त प्लानिंग के साथ किए अपने अटैक की बदौलत वो बारबाडोस रॉयल्स के सारे नामी गिरामी बल्लेबाजों को निवाला बनाने में कामयाब रहे. अल्जारी ने जैसा मैच के बाद बताया कि उन्होंने सीपीएल 2024 में 23 छक्के लगाने वाले इनफॉर्म क्विंटन डिकॉक के लिए खास प्लान बनाया था, जो कि कामयाब रहा. उन्होंने अराउंड द विकेट जाकर डिकॉक को स्टंप पर गेंद खिलाने का प्लान बनाया था ।

सीपीएल 2024 में अल्जारी जोसेफ ने दिया अपना बेस्ट – दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ ने सीपीएल 2024 में अब तक का अपना बेस्ट प्रदर्शन किया. उन्होंने बारबाडोस रॉयल्स के खिलाफ 22 रन देकर 4 विकेट लिए. इसी के साथ सीपीएल 2024 में अब तक खेले 7 मैचों में उनके विकेटों की कुल संख्या 9 हो गई ।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए हुआ भारतीय टीम का ऐलान

चैन्नई, एजेंसी। भारतीय टीम ने बांग्लादेश को दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में हरा दिया और अब टीम इंडिया को दूसरा टेस्ट मैच कानपुर में खेलना है। 27 सितंबर से शुरू होने वाले इस टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया।

दूसरे टेस्ट मैच के लिए जिस भारतीय टीम का ऐलान किया गया है उसमें कोई बदलाव नहीं किया गया है। भारतीय टीम में सभी वही खिलाड़ी हैं जो पहले टेस्ट के लिए चयनित किए गए। श्रेयस अय्यर की टीम में वापसी नहीं हुई जबकि दलीप ट्रॉफी के तीसरे चरण के मुकाबले में शतक लगाने वाले इशान किशन को भी मौका नहीं मिला।

दूसरे टेस्ट के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं –बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की प्लेइंग इलेवन में सरफराज खान, ध्रुव जुरैल, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, और यश दयाल को जगह नहीं दी गई थी, लेकिन दूसरे टेस्ट मैच के लिए ये सभी खिलाड़ टीम में मौजूद हैं। पहले टेस्ट मैच से ठीक पहले सरफराज खान दलीप ट्रॉफी में खेल रहे थे जहां उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था, लेकिन फिर भी उन्हें टीम में बनाए रखा गया है। इसके अलावा पहले टेस्ट की प्लेइंग इलेवन में शामिल सभी खिलाड़ी टीम में मौजूद हैं।

दूसरे टेस्ट मैच के लिए भारतीय क्रिकेट टीम – रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरैल (विकेटकीपर), आर अश्विन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, यश दयाल।

पहले टेस्ट मैच में भारत को मिली जीत – इस टेस्ट सीरीज के पहले मैच में भारत ने बांग्लादेश को चेन्नई में 280 रन से रहा दिया। पहले टेस्ट मैच में भारत की तरफ से ऋषभ पंत ने दूसरी पारी में 109 रन की पारी खेली जबकि शुभमन गिल ने नाबाद 119 रन बनाए। वहीं पहली पारी में अश्विन ने 113 रन की पारी खेली जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 6 विकेट लिए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब मिला। पहले मैच में जीत के बाद भारत ने इस टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

जानिए किन-किन खिलाड़ीयों को मिला मौका

ऑस्ट्रेलिया- इंग्लैंड

वनडे वर्ल्ड कप से विजय रथ पर सवार ऑस्ट्रेलिया, लगातार इतने मैच जीते;क्या तोड़ देगा अपना 21 साल पुराना रिकॉर्ड

लीड्स, एजेंसी। वनडे वर्ल्ड कप 2023 चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने शनिवार को लीड्स के हेडिंग्ले में सीरीज के दूसरे मैच में मेजबान इंग्लैंड को 68 रनों से हरा दिया। मिचेल मार्श की अगुआई वाली टीम ने एकदिवसीय क्रिकेट में जीत का सिलसिला जारी रखा। यह उनकी इस प्रारूप में लगातार 14वीं जीत थी। मेंस वनडे में ऑस्ट्रेलिया दूसरी लगातार इतने मैच जीता है। ऑस्ट्रेलिया के नाम लगातार सबसे ज्यादा वनडे जीतने का रिकॉर्ड है। ऑस्ट्रेलिया ने 2003 में सबसे लगातार 21 मैच जीते थे। ऐसे में देखने वाली बात होगी कि क्या यह रिकॉर्ड टूटेगा। आईसीसी के अनुसार सभी वनडे में ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम के नाम 2018 और 2021 के बीच 26 बैक-टू-बैक जीत का रिकॉर्ड है। ऑस्ट्रेलिया मेंस टीम पिछले साल भारत में वनडे वर्ल्ड कप लगातार 9 मैच जीती थी। टूर्नामेंट के अपने पहले दो मैच हारने के बाद शानदार वापसी की थी। भारत को फाइनल में हराकर खिताब जीता था।

लगातार 14 वनडे ऑस्ट्रेलिया ने जीते – वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर 3-0 की जीत से लगातार 12 वनडे ऑस्ट्रेलिया ने जीत लिए। इंग्लैंड के खिलाफ चल रही सीरीज के पहले दो वनडे में जीत के साथ, ऑस्ट्रेलिया ने लगातार 14 जीत हासिल कर ली हैं। हेडिंग्ले में शनिवार को ऑस्ट्रेलिया की टीम 89 रन पर 3 विकेट गंवाकर संकट में थी। कप्तान मिशेल मार्श और एलेक्स कैरी ने टीम के लिए महत्वपूर्ण अर्धशतक जड़े।

मेंस वनडे में नंबर 1 रैंकिंग पर ऑस्ट्रेलिया की निगाहें – कैरी की जुझारू पारी (67 गेंदों पर 74 रन) और जोश हेजलवुड के

साथ अंतिम विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी ने ऑस्ट्रेलिया को खराब स्थिति से 270 तक पहुंचाया। जवाब में, ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों ने इंग्लिश बल्लेबाजों की एक न चली। अगला वनडे 24 सितंबर को चेस्टर-ले-स्ट्रीट में होगा, जिसमें ऑस्ट्रेलिया की नजर मेंस वनडे में नंबर 1 रैंकिंग पर होगी।

संग्राम सिंह एमएमए मुकाबला जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान बने

जॉर्जिया, एजेंसी। भारतीय पहलवान संग्राम सिंह ने गामा इंटरनेशनल फाइटिंग चैंपियनशिप में अपना पहला मुकाबला जीतकर एमएमए की दुनिया में अपनी पहचान बनाई। कॉमनवेल्थ हैवीवेट कुश्ती चैंपियन संग्राम ने मात्र एक मिनट और तीस सेकंड में पाकिस्तानी फाइटर अली रजा नासिर को हराया, जो उनसे सत्रह साल छोटे हैं। इस तरह वे मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स मुकाबला जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष पहलवान बन गए। ग्यारह प्रतिस्पर्धी देशों में संग्राम की यह उपलब्धि 93 किलोग्राम वर्ग में किसी भारतीय फाइटर द्वारा दर्ज की गई सबसे तेज जीत है। संग्राम ने अपनी कुश्ती कौशल और रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन करके स्पष्ट जीत हासिल की। पारंपरिक कुश्ती में उनकी पृष्ठभूमि है और वे प्रशिक्षण के प्रति समर्पित हैं। उन्होंने कहा, मुझे भारत के लिए यह जीत घर लाने पर बेहद गर्व है। यह जीत भारत में स्र्कके बेहतर भविष्य की दिशा में एक कदम है। यह व्यक्तिगत उपलब्धि से बढ़कर है।

मुझे उम्मीद है कि वैश्विक स्तर पर मान्यता मिलने से भारतीय सरकार को मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स का समर्थन करने वाले कार्यक्रमों को लागू करने और युवाओं को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करने की प्रेरणा मिलेगी। सिंह ने मुकाबला जीतने के बाद कहा, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि इससे युवा एथलीटों को अपनी आंतरिक शक्ति खोजने, महानता के लिए प्रयास करने और मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स की दुनिया में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। संग्राम ने अपने कोचों को उनके महत्वपूर्ण समर्थन के लिए भी श्रेय दिया। उन्होंने कहा, मैं अपने भारतीय कोच भूपेश कुमार को उनके अटूट मार्गदर्शन के लिए पर्याप्त धन्यवाद नहीं दे सकता। वे हर कदम पर मेरे साथ रहे हैं। मैं अपने अंतरराष्ट्रीय कोच डेविड सर का भी बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में आने के दौरान मेरा पूरा साथ दिया और मेरी रणनीति को बेहतर बनाने में मेरी मदद की।

'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि परिस्थितियां कैसी हैं, बांग्लादेश से पहला टेस्ट जीतकर बोले रोहित शर्मा

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में 280 रन से जीत दर्ज करने के बाद रविवार को यहां कहा कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए वह 'मजबूत गेंदबाजी विकल्पों के आस पास अपनी टीम को तैयार करने पर ध्यान दे रहे हैं। भारत ने अनुभवी रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के हरफनमौला खेल के साथ शुभमन गिल और ऋषभ पंत की शतकीय पारियों के दम पर पांच सत्र रहते बड़ी जीत दर्ज की।

रोहित ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, 'हम अपनी टीम को मजबूत गेंदबाजी विकल्पों के इर्द-गिर्द बनाना चाहते हैं, हमें किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि परिस्थितियां कैसी हैं, चाहे हम भारत में खेलें, चाहे हम बाहर खेलें, हम उसी के अनुरूप टीम बनाना चाहते हैं। भारतीय कप्तान ने कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में हम जहां भी खेले हैं, हम अपने विकल्पों का अच्छे से इस्तेमाल करने में कामयाब रहे हैं। हम तेज गेंदबाजी या स्पिन दोनों विकल्पों को इस्तेमाल करने में सफल रहे हैं।

हमने अच्छी तैयारी की – बांग्लादेश की टीम जीत के लिए 515 रन के असंभव जैसे लक्ष्य का पीछा करते हुए 234 रन पर आउट हो गई। पहली पारी में बल्ले से 113 रन का योगदान देने वाले अश्विन ने दूसरी पारी में 88 रन पर छह विकेट झटके। रोहित ने कहा, 'आने वाले मैचों को देखते हुए हमारे हमारे लिए यह एक शानदार परिणाम है। हम लंबे समय बाद खेल (टेस्ट मैच) रहे हैं। हम यहां एक सप्ताह पहले आए थे और हमने अच्छी तैयारी की। हमें वह परिणाम मिला जो हम चाहते थे।

सबसे ज्यादा खुशी पंत की वापसी से – भारतीय कप्तान को सबसे ज्यादा खुशी पंत की इस प्रारूप में यादगार वापसी से है। उन्होंने कहा, 'वह सचमुच बहुत कठिन समय से गुजरा है। जिस तरह उसने मुश्किल समय का सामना किया और खुद को संभाला वह देखना शानदार था। उन्होंने आईपीएल में वापसी की। उसके बाद टी20 विश्व कप में बेहद सफल रहे लेकिन उसे टेस्ट प्रारूप को सबसे ज्यादा पसंद है।

संक्षिप्त समाचार

कलर्स के 'खतरों के खिलाड़ी 14' के प्रतियोगियों को टाइगर श्रॉफ, विक्रांत मैसी और करण वाही से प्यार मिला!

मुंबई, एजेंसी। जबकि कलर्स का 'खतरों के खिलाड़ी 14' फिनिश लाइन के नज़दीक पहुंच रहा है, सेमीफिनाले एक्शन से भरपूर होने वाला है, जहां प्रतियोगी डर की सरज़मीं पर अनुभवी सैलानी बन गए हैं! लेकिन अंतिम बोर्डिंग कॉल से पहले, भरपूर ड्रामा, हंसी और रोमांचक स्टंट का मज़ा मिलने वाला है। दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा की नकल करते हुए, करण वीर मेहरा ने पूरे जोश से पूरे शो में अभिषेक कुमार की किस्मत का मज़ाक उड़ाया, जिससे दर्शक और रोहित शेट्टी हंस-हंसकर लोट-पोट हो गए। करण ने बड़े मज़े से यह जानने का दावा किया कि शो के बाद सभी प्रतियोगियों ने क्या योजना बनाई है, जिसमें शालीन भनोट भी शामिल हैं, जो उनके अनुसार, ओवरएक्टिंग की अकादमी खोलने वाले हैं। करण ने शालीन के सिग्नेचर वॉक की नकल भी की, लेकिन रोहित शेट्टी उनकी इस नकल से स्पष्ट रूप से असंतुष्ट थे, जिन्होंने खुद आगे बढ़कर शालीन की तरह चलने की मास्टरक्लास देनी शुरू कर दी, जिससे हर कोई हंसने लगता है। इसके बाद एक भावुक पल सामने आता है, जब अभिषेक कुमार अपने माता-पिता के साथ वीडियो कॉल पर बात करते हैं। अभिषेक बताते हैं कि जब वह अपने क्लॉस्ट्रोफोबिया के कारण शो के लिए साइन अप करने में झिझक रहे थे, तो उनके पिता ने उन्हें आश्वस्त किया था कि रोहित शेट्टी उनका ख्याल रखेंगे। टाइगर श्रॉफ ने अपनी बहन कृष्णा श्रॉफ को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वह अक्सर उन्हें 'फट्टू' कहकर बुलाते थे, लेकिन उन्होंने जो स्टंट्स किए थे वह उनके आधे स्टंट भी नहीं कर पाएंगे! अपनी आनंददायक टूटी-फूटी हिंदी में, कृष्णा स्वीकार करती हैं कि रोहित शेट्टी की आवाज़ उन्हें ऊर्जा से भर देती है, जिससे वह अपनी चुनौतियों को पार कर जाती हैं। टाइगर रोहित से विनम्रतापूर्वक अनुवाद पूछते हैं।

जब रणबीर और आलिया दोस्त बने तो करण जौहर ने उनके रिश्ते को लेकर भविष्यवाणी की थी- आलिया

मुंबई, एजेंसी। अब इंतज़ार खत्म हुआ! नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो के सक्सेसफुल सीजन 1 के बाद, सीजन 2 आखिरकार वापस आ गया है, और बहुप्रतीक्षित फिल्म जिगरा के टॅलेंटेड कलाकारों के साथ नए सीज़न की शुरुआत करने का इससे बेहतर तरीका क्या हो सकता है? आलिया भट्ट और वेदांग रैना विद प्रोड्यूसर करण जौहर, निर्देशक वासन बाला अभिनीत प्रीमियर एपिसोड हंसी,खेल और कुछ आनंददायक सरप्राइज से भरा एक मजेदार सफर है, जिसमें डफली अपनी सौतन - आलिया भट्ट कपूर से मिलती है! सभी का शनिवार, फनीवार बनाने का वादा शुरू से ही पूरा होगा क्योंकि ऑन-स्क्रीन भाई-बहन की जोड़ी नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो परिवार के साथ हंसी, प्यार और खुशी फैलाने के लिए यहां आयी है। करण जौहर के अलावा और कोई भी ऐसा नहीं है जो भारतीय बॉलीवुड परिवार के बारे में सब कुछ जनता हो, शायद यही वजह है कि उन्होंने सबसे पहले आलिया और रणबीर के रिश्ते के पीछे की असली चिंगारी को नोटिस किया। कपिल शर्मा ने मज़ाक में करण जौहर को इंडस्ट्री में मैचमेकर कहकर चिढ़ाते हुए कहा, कुछ लोगों को लगता है कि आप इंडस्ट्री में मैरिज ब्यूरो चलाते हैं। करण ने इस पर हंसते हुए जवाब दिया, मैंने कई लोगों को प्यार पाने में मदद की है, और वे आज शादीशुदा भी हैं। लेकिन मैं अभी भी सिंगल हूँ! अपना अनुभव साझा करते हुए आलिया भट्टने कहा, जब रिश्तों की बात आती है तो करण के पास सिक्स्थ सेंस होती है। जब हम पहली बार दोस्त बने थे, तो करण ने भविष्यवाणी की थी कि रणबीर और मैं एक अच्छे कपल बनेंगे। करण जौहर ने आगे कहा, मुझे यह पता था! मुझे पता था कि उनकी दोस्ती कुछ खास बन जाएगी, और यह जीवन भर चलेगी। हम मैचमेकिंग के बारे में तो नहीं जानते, लेकिन करण की नज़र निश्चित रूप से इस बात पर है कि बॉलीवुड की दुनिया में क्या सच है!

तिरुपति मंदिर में हर रोज 8 से 9 लाख लड्डू परोसने की तैयारी

कर्नाटक मिल्क फेडरेशन विक्रेता से आएगा घी

तिरुपति, एजेंसी।
तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर में लड्डुओं की गुणवत्ता को तुरंत बहाल करने का वादा किया है। बोर्ड ने कहा है कि अब लड्डुओं में इस्तेमाल होने वाले घी के लिए कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) के नए घी विक्रेता की सेवा ली जाएगी। यह फैसला उस विवाद के बाद लिया गया है जिसमें लड्डुओं में जानवरों की चर्बी पाए जाने के आरोपों से राज्य में एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया।

शनिवार को टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी जे. श्यामला राव ने मीडिया से कहा, अब लड्डुओं की गुणवत्ता और उनमें इस्तेमाल होने वाले घी पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। टीटीडी ने शनिवार को अन्य प्रसादों में गाय के घी और दूध से बने उत्पादों के इस्तेमाल को अस्थायी रूप से रोक दिया है। टीटीडी की रसोई, जिसे पोटु कहा जाता है, इसमें अब प्रसिद्ध नंदिनी ब्रांड का घी भेजा जा रहा है। नंदिनी ब्रांड कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) का प्रमुख ब्रांड है। यह ब्रांड मुख्य रूप से दूध और दूध से बने उत्पादों जैसे घी, मक्खन, दही, पनीर आदि के लिए प्रसिद्ध है। नंदिनी ब्रांड के उत्पाद कर्नाटक सहित पूरे भारत में लोकप्रिय हैं और इसकी गुणवत्ता और विश्वसनीयता के कारण उपभोक्ताओं के बीच इसकी बड़ी मांग है। चरूब्र भारत के सबसे बड़े दुग्ध उत्पादक संघों में से एक है और यह नंदिनी ब्रांड के तहत उच्च गुणवत्ता वाले डेयरी उत्पादों की आपूर्ति करता है। शुक्रवार को 73,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने मंदिर का दौरा किया।

आगामी ब्रह्मोत्सवम के लिए भी घी का स्टॉक जमा किया जा रहा है, जो 4 से 12 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा। इस भव्य वार्षिक उत्सव में लाखों भक्तों के आने की उम्मीद है। आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश नायडू ने इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए कहा, केएमएफ जैसा नया विक्रेता सर्वोत्तम गुणवत्ता का घी सप्लाई करने के लिए तैयार है। हमें घी की आपूर्ति को लेकर किसी संकट की आशंका नहीं है। मंदिर के रसोई प्रभारी मुनी रत्नम ने बताया कि धार्मिक कार्यक्रम के दौरान मंदिर रोजाना 8-9 लाख लड्डुओं का स्टॉक बनाए रखता है। ब्रह्मोत्सवम के दौरान मंदिर में 7-8 लाख भक्तों के आने की संभावना है, और लड्डुओं के लिए घी का पर्याप्त स्टॉक तैयार किया जा रहा है। टीटीडी ने शनिवार को अन्य प्रसादों, जिन्हें श्रीवारी प्रसादम कहा जाता है, उसके लिए गाय के घी-आधारित उत्पादों का उपयोग अस्थायी रूप से रोक दिया। सूत्रों के अनुसार, टीटीडी की एक समिति ने मुफ्त भोजन या अन्न प्रसादम की तैयारी में इस्तेमाल किए जाने वाले कच्चे माल की गुणवत्ता में कमी पाई, जिसके बाद सभी आपूर्तियों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। नए विक्रेताओं की व्यवस्था की जा रही है और समिति के सदस्य तीर्थयात्रियों से दैनिक प्रतिक्रिया भी लेंगे। इस बीच, टीटीडी ने ब्रह्मोत्सवम के दौरान तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए यातायात परामर्श जारी किए हैं।

हिंसा व हिरासत में मौत के बाद एक्शन में छत्तीसगढ़ सरकार, कबीरधाम के कलेक्टर व एसपी को हटाया

कबीरधाम, एजेंसी। छत्तीसगढ़ सरकार ने कबीरधाम जिले में भीड़ द्वारा की गई हिंसा और हिरासत में हुई एक शख्स की मौत के बाद वहां के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक (एसपी) का तबादला कर दिया है। साथ ही मुख्यमंत्री ने इस घटना के बाद पुलिसकर्मियों द्वारा ग्रामीणों से मारपीट किए जाने की सूचना पर रेंगाखार थाने के निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक सहित वहां पदस्थ कुल 23 पुलिसकर्मियों को भी हटा दिया है।

सरकार ने कबीरधाम जिले के कलेक्टर जन्मेजय महोबे के स्थान पर गोपाल वर्मा को कलेक्टर नियुक्त किया गया है। वहीं कबीरधाम जिले के पुलिस अधीक्षक अभिषेक पल्लव को हटाकर उनके स्थान पर राजेश कुमार अग्रवाल को पुलिस अधीक्षक पदस्थ किया गया है।

राज्य शासन ने महोबे को प्रबंध संचालक नागरिक आपूर्ति निगम के पद पर तथा अभिषेक पल्लव को पुलिस मुख्यालय में सहायक पुलिस महानिरीक्षक के पद पर पदस्थ किया है। अधिकारियों ने बताया कि कबीरधाम जिले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थ आईपीएस विकास कुमार को पहले ही निलंबित किया जा चुका है।

इस बारे में जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कबीरधाम जिले के लोहारीडीह गांव में 15 सितंबर को उप सरपंच रघुनाथ साहू के घर में हुई आगजनी और उनकी मौत की घटना की मजिस्ट्रेट जांच के निर्देश दिए है। उन्होंने बताया कि इसके लिए उन्होंने कलेक्टर और जिला दण्डाधिकारी कबीरधाम ने अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी निर्भय कुमार साहू को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। उन्हें 30 दिनों के भीतर निर्धारित बिन्दुओं पर जांच कर रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है।

बता दें कि बीते रविवार को रेंगाखार थाना क्षेत्र के लोहारीडीह गांव में भीड़ ने उप सरपंच रघुनाथ साहू के घर में आग लगा दी थी। इस घटना में रघुनाथ साहू की मौत हो गई थी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि रघुनाथ साहू पर हमला इस संदेह के कारण किया गया था कि उसने एक अन्य ग्रामीण कचरू साहू की हत्या की थी।

गुरुग्राम में बाइकर की मौतः एसयूवी कार ड्राइवर लाइसेंस दिखाने में रहा नाकाम

गुरुग्राम एजेंसी। गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड पर रॉन्ग साइड में जा रही कार द्वारा बाइक सवार 22 वर्षीय युवक अक्षत गर्ग को टक्कर मारे जाने के करीब एक सप्ताह बाद पुलिस ने आरोपी एसयूवी कार चालक के खिलाफ शिकंजा और कस दिया है। एसयूवी कार कुलदीप कुमार ठाकुर द्वारा अपना ड्राइविंग लाइसेंस नहीं पेश करने चलते पुलिस ने उसके खिलाफ एफआईआर में मोटर वाहन अधिनियम (एमवीए) की धारा भी जोड़ दी है। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, गुरुग्राम पुलिस के प्रवक्ता संदीप ने कहा कि लाइसेंस जमा करने की लास्ट डेट शुक्रवार थी, लेकिन कार चालक इसे दिखाने में नाकाम रहा। हमने मामले में मोटर वाहन अधिनियम की धारा 181 जोड़ी है, क्योंकि यह एक जमानती अपराध है, इसलिए हम कानूनी प्रक्रिया के अनुसार कोर्ट में चार्जशीट दाखिल करेंगे। इस धारा के अनुसार, बिना लाइसेंस के गाड़ी चलाने वाले व्यक्ति को तीन महीने तक की कैद या 500 रुपये का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। 25 वर्षीय आरोपी एसयूवी कार चालक कुलदीप कुमार ठाकुर बिहार के मधुबनी जिले का रहने वाला है। वह पॉलिटिकल मार्केटिंग मीडिया फर्म चलाता है। दुर्घटना के दिन वह पुलिस को अपना ड्राइविंग लाइसेंस नहीं दिखा सका था, जिसके बाद पुलिस ने उसे नोटिस भेजा था।

पीरियड्स के दौरान महिला कर्मचारियों को पेड लीव की तैयारी, कर्नाटक सरकार ने बनाई कमेटी

बेंगलुरु, एजेंसी।
कर्नाटक सरकार ने महिलाओं से जुड़ा एक अहम फैसला करने वाली है। इसके तहत सरकारी और प्राइवेट दोनों सेक्टर्स में पेड पीरियड लीव का प्रस्ताव लाने वाली है। इसमें महिलाओं के लिए साल में छह दिन के पेड पीरियड लीव का प्रावधान है। इससे उन्हें माहवारी के दौरान होने वाली शारीरिक और मानसिक चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी। इसके लिए 18 सदस्यों की एक कमेटी गठित की गई है। यह महिलाओं के काम और जीवन के बीच संतुलन बनाएगा। कर्नाटक के श्रम मंत्री संतोष लाड ने कहा कि यह छुट्टियां फ्लेक्सिबल होंगी। महिलाएं यह तय कर सकेंगी कि उन्हें कब छुट्टी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम प्रस्ताव की समीक्षा कर रहे हैं और समिति के सदस्यों के साथ बैठक बुलाई की है। इस पहल का उद्देश्य महिला कर्मचारियों का समर्थन करना है। महिलाओं को जीवन भर महत्वपूर्ण शारीरिक और भावनात्मक उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ता है। संतोष लाड समिति के सदस्यों से मिलकर सिफारिशों पर चर्चा करेंगे जिसके बाद उन्हें जनता, कंपनियों और अन्य पक्षों के साथ परामर्श के लिए रखा जाएगा। अगर यह पहल

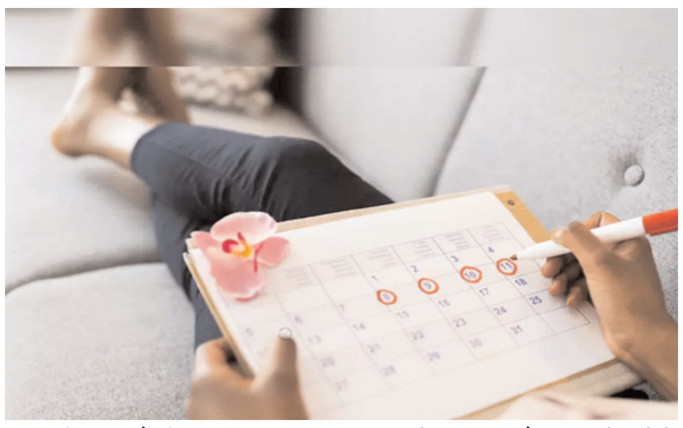

अमल में आती है तो कर्नाटक पीरियड लीव देने वाला चौथा राज्य बन जाएगी। इससे पहले बिहार, केरल और ओडिशा में महिला कर्मचारियों को यह छुट्टी दी जाती है। बिहार में 1992 में यह पॉलिसी शुरू हुई थी। इसमें महिलाओं को हर महीने दो दिन के मासिक धर्म अवकाश की अनुमति दी गई। वहीं, 2023 में, केरल ने सभी विश्वविद्यालयों और संस्थानों में महिला छात्रों के लिए मासिक धर्म अवकाश के साथ-साथ 18 वर्ष से अधिक उम्र की महिला छात्रों के लिए 60 दिनों तक के मातृत्व अवकाश का प्रावधान किया। ओडिशा सरकार ने अगस्त में सरकारी और निजी क्षेत्र दोनों में महिला श्रमिकों के लिए एक दिवसीय मासिक धर्म अवकाश नीति पेश की थी।

गौरतलब है कि दिसंबर 2023 में पूर्व केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने संसद में इसी तरह की योजना का विरोध करते हुए कहा था कि मासिक धर्म एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। इसे विशेष अवकाश की जरूरत वाली समस्या के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। जुलाई 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में मासिक धर्म अवकाश पर पॉलिसी की जिम्मेदारी केंद्र और राज्य सरकारों पर छोड़ दी थी।

गाजियाबाद के फार्म हाउस में हुआ हादसा, देर रात 25 फुट ऊंचाई से नीचे जा गिरे 3 मजदूर

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र एक फार्म हाउस में रेनोवेशन के काम के दौरान हुए दर्दनाक हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र स्थित प्रहलाद गढ़ी में शनिवार देर रात एक फार्म हाउस में काम करते समय 25 फुट की ऊंचाई से तीन मजदूर नीचे जा गिरे, जिनमें से एक की मौत हो गई और दो की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर छानबीन शुरू कर दी है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, प्रहलाद गढ़ी क्षेत्र में एक फार्म हाउस की रिओपनिंग करने के लिए उसमें रेनोवेशन का काम किया जा रहा है। इसके चलते सजावट में अन्य काम भी तेजी से कराए जा रहे हैं। इसी क्रम में देर रात तीन मजदूर छत पर सीलिंग लाइट लगाने का काम कर रहे थे। इस काम के लिए तीनों मजदूरों ने रस्सी के झूले बनाए हुए थे और 25 फुट की ऊंचाई पर लाइटिंग लगा रहे थे। इसी दौरान अचानक मजदूरों के रस्सी के झूले आपस में टकरा गए और तीनों नीचे जा गिरे। तीन मजदूरों के नीचे गिरने से वहां हड़कंप मच गया। ऊंचाई से गिरने से तीनों बुरी तरह घायल हो गए। उन्हें तुरंत इलाज के लिए पास में ही स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि दो अन्य की गंभीर हालत गंभीर देखते हुए इलाज के लिए भर्ती कर लिया गया। मजदूर की पहचान अरुण ठाकुर के रूप में हुई है, जबकि पवन ठाकुर और अतुल ठाकुर का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इंदिरापुरम थाना पुलिस का कहना है कि मरने वाले मजदूर के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और पूरे मामले की जांच की जा रही है।

अमेरिका ने लौटाया भारत का खजाना, वापस लाई जाएंगी 297 नायाब चीजें, प्रधानमंत्री मोदी ने जताया आभार

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे पर एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। अमेरिका में भारतीय संस्कृति से जुड़ी 297 ऐसी नायाब वस्तुएं लौटा दी हैं जो कि तस्करी के जरिए देश से बाहर चली गई थीं। कीमती और प्राचीन वस्तुओं की चोरी और तस्करी लंबे समय से गंभीर समस्या रही है। 2014 के बाद से भारत को विदेश से लगभग 640 धरोहर वापस मिल चुकी हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर राष्ट्रपति बाइडेन का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि अवैध तस्करी के खिलाफ लड़ाई और सांस्कृतिक संबंध और मजबूत हो रहे हैं। 297 नायाब कलाकृतियों को लौटाने के लिए हम राष्ट्रपति जो बाइडेन और अमेरिका सरकार के आभारी हैं। इससे पहले भी पीएम मोदी के अमेरिका दौरे के समय कई प्रचीन वस्तुएं सौंपी गई थीं। 2021 में जब पीएम मोदी अमेरिका गए थे तो उन्हें 157 चीजें मिली थीं। इसमें 12वीं शताब्दी की नटराज की मूर्ति भी शामिल थी। 2023 में पीएम मोदी के दौरे के बाद अमेरिका ने 105 वस्तुएं भारत को लौटाई थीं। इस तरह अकेले अमेरिका से ही अब तक 578 प्राचीन और बेशकमीती वस्तुएं भारत को वापस मिल चुकी हैं।

कमला हैरिस ने ट्रंप को एक और बहस की चुनौती दी

राष्ट्रपति पद के लिए बहस का निमंत्रण स्वीकार किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस को एक बार फिर राष्ट्रपति पद की बहस के लिए सीएनएन ने आमंत्रित किया है, जिसे कमला हैरिस ने स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही हैरिस ने अपने प्रतिद्वंदी और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप को इसे स्वीकार करने की चुनौती दी है।

बता दें कि कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप ने इस महीने की शुरुआत में एबीसी न्यूज द्वारा संचालित राष्ट्रपति पद की बहस में भाग लिया था, जिसमें उपराष्ट्रपति हैरिस पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ लक्षित कटाक्षों के साथ हावी होती हुई दिखाई दी थीं। सीएनएन के निमंत्रण के बाद कमला हैरिस ने एक्स पर एक पोस्ट कर कहा, मैं 23 अक्तूबर को दूसरी राष्ट्रपति पद की बहस को सहर्ष स्वीकार करूंगी। मुझे उम्मीद है कि डोनाल्ड ट्रंप मेरे साथ इस बहस में

शामिल होंगे।

वहीं, कमला हैरिस के अभियान अध्यक्ष ओमैली डिलन ने भी एक बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने कहा, उपराष्ट्रपति हैरिस डोनाल्ड ट्रंप के साथ मंच साझा करने के एक और अवसर के लिए तैयार हैं। ट्रंप को इस बहस के लिए सहमत होने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। 23 अक्तूबर की बहस के लिए सीएनएन ने दोनों नेताओं को जून की बहस के समान एक प्रारूप की पेशकश की है, जिसमें ट्रंप और हैरिस बिना लाइव स्टूडियो दर्शकों के 90 मिनट तक मॉडरेटर के सवालों का जवाब देंगे।

पहली राष्ट्रपति पद की बहस ट्रंप और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच हुई थी, जिसमें बाइडन के खराब प्रदर्शन ने उनकी उम्र को लेकर चिंताएं बढ़ा दी थीं। इस कारण उन्हें अभियान से बाहर होना पड़ा था। राष्ट्रपति बाइडन ने फिर दौड़ के लिए कमला हैरिस का समर्थन किया और उन्हें जल्द ही पार्टी का आधिकारिक नामांकन भी मिल गया।

हैरिस के साथ बहस के बाद, ट्रंप ने तीसरी बहस करने पर विपरीत रुख अपनाया है। शुरुआत में, उन्होंने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा, कोई तीसरी बहस नहीं होगी। हालांकि, पिछले सप्ताह उन्होंने कैलिफोर्निया में एक पड़ाव के दौरान संवाददाताओं को सुझाव भी दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि 10 सितंबर को फिलाडेल्फिया में एबीसी द्वारा आयोजित हैरिस से आमने सामने के बाद मैं तीसरी राष्ट्रपति पद की बहस में भाग लेने के लिए तैयार हो सकता हूं। अगर मैं सही मूड में हुआ तो।

पाकिस्तान में फिर तेजी से फैल रहा पोलियो, कई बच्चे पीड़ित

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में इस वर्ष पोलियो के मामलों की संख्या बढ़कर 21 हो गई है। खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में भी पहला मामला दर्ज किया गया है। साथ ही सिंध और बलूचिस्तान में दो और बच्चों में इस बीमारी का पता चला है। ताजा मामलों में बलूचिस्तान के किला अब्दुल्लाह जिले में 15 महीने के एक बच्चे, कराची के केमारी जिले में तीन साल के एक बच्चे और केपी के मोहम्मद जिले में नौ महीने की बच्ची में पोलियो की पुष्टि हुई है। जहां भारत के पड़ोसी देश में पोलियो एक बार फिर से पैर पसार रहा है तो वहीं भारत 10 साल पहले ही खुद को पोलिया-मुक्त घोषित कर चुका है।

पोलियो वायरस मुख्य रूप से पांच साल से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करता है, खासकर उन बच्चों को जो कुपोषित हैं या जिन्हें टीकाकरण नहीं मिला है। यह बीमारी तंत्रिका तंत्र पर हमला करती है और लकवा या यहां तक कि मृत्यु का कारण बन सकती है। पोलियो का कोई इलाज नहीं है, लेकिन टीकाकरण सबसे प्रभावी तरीका है जिससे बच्चों को इस गंभीर बीमारी से बचाया जा सकता है। हालांकि पाकिस्तान सरकार पोलियो उन्मूलन के लिए कड़ी मेहनत कर रही है, लेकिन देश अभी भी पोलियो वायरस की चपेट में है।

3000 टन मछलियां भेजेगा बांग्लादेश, भारत को खुश करने में जुटी यूनुस सरकार

ढाका, एजेंसी।
दुर्गा पूजा के पहले भारतीयों को बांग्लादेश खास तोहफा देना जा रहा है। लंबे इंतजार के बाद बांग्लादेश ने भारत को तीन हजार टन हिल्सा मछलियां भेजने का ऐलान किया है। शनिवार को बांग्लादेश की सरकार के वाणिज्य मंत्रालय ने एक अधिसूचना जारी की। भारत-बांग्लादेश के बीच कूटनीतिक संबंधों को और मजबूत करने की कोशिश में यह फैसला लिया गया है।

काफी वक्त से यह परंपरा चली आ रही है कि बांग्लादेश भारत को हिल्सा मछलियां भेजता आ रहा है, मगर यूनुस सरकार ने इस पर बैन लगा दिया था। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर इस बार हिल्सा न भेजी जाती, तो इससे दोनों देशों के रिश्तों पर असर पड़ सकता था। पहले बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने साफ तौर पर कहा था कि वह इस बार दुर्गा पूजा के दौरान हिल्सा नहीं भेजेगी। लेकिन अब ऐन वक्त पर यह फैसला पलट दिया गया।

कुछ ही दिनों पहले प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के

नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने घरेलू मांग को पूरा करने के लिए भारत को हिल्सा निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। इससे बांग्लादेश द्वारा अपने पड़ोसी के प्रति सद्भावना संकेत के रूप में लंबे समय से चली आ रही परंपरा समाप्त हो गई थी। वाणिज्य मंत्रालय ने बयान में कहा, निर्यातकों की अपील को देखते हुए आगामी दुर्गा पूजा के अवसर पर विशिष्ट शर्तों को पूरा करते हुए 3,000 टन हिल्सा मछली (भारत को) निर्यात करने की मंजूरी दे दी गई है। मंत्रालय ने आवेदकों से निर्यात की अनुमति प्राप्त करने के लिए संबंधित शाखा से संपर्क करने को कहा। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली पिछली अवामी लीग सरकार ने सद्भावना के तौर पर हर साल सितंबर और अक्टूबर के बीच भारत को हिल्सा निर्यात की अनुमति दी थी। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही थी। अधिकारियों ने बताया कि बांग्लादेश ने 2023 में 79 कंपनियों को भारत को कुल 4,000 टन निर्यात करने की अनुमति दी थी। बांग्लादेश दुनिया का सबसे बड़ा हिल्सा उत्पादक है, लेकिन स्थानीय मांग अधिक होने के कारण वह इस मछली के निर्यात पर प्रतिबंध लगाता है। हालांकि, दुर्गा पूजा उत्सव के दौरान, वह आमतौर पर इस मछली के निर्यात पर प्रतिबंध में ढील देता है, जो बंगालियों का एक बहुत पसंदीदा व्यंजन है।

भारत के मछली आयातक संघ ने इस महीने की शुरुआत में बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन से दुर्गा पूजा के दौरान भारत को हिल्सा मछली के निर्यात की अनुमति देने का आग्रह किया था, जब देश में अशांति और सरकार परिवर्तन के कारण इस वर्ष मछली के निर्यात को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी।

एसोसिएशन के सचिव सैयद अनवर मकसूद ने नौ सितंबर को लिखे पत्र में बताया कि बांग्लादेश ने 2012 में हिल्सा के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन पिछले पांच वर्षों से सद्भावना के तौर पर वह सितंबर के पहले सप्ताह से दुर्गा पूजा के अंत तक सीमित मात्रा में इसके निर्यात की अनुमति दे रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129